THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 314 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.8, 2082 सोमवार, 9 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अग्नि-3 मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने अपनी रक्षा ताकत को और मजबूत करते हुए अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल के सफल परीक्षण से भारत की एक और मिसाइल की पहुंच पूरे पाकिस्तान और चीन के बीजिंग तक हो गई है। यह परीक्षण 6 फरवरी को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से किया गया। इस टेस्ट में मिसाइल ने बिल्कुल तय योजना के मुताबिक अपने मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, परीक्षण के दौरान अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल के सभी तकनीकी व ऑपरेशनल पैरामीटर सफल रहे। >14

'धान उत्पादन को बोझ बताना किसान और केरल विरोधी सोच'

सीएम विजयन ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम, 8 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि धान उत्पादन बढ़ने को देश पर बोझ बताना किसानों के खिलाफ सोच को दिखाता है और यह केरल के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये का संकेत है। मुख्यमंत्री ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने केरल से धान किसानों को दी जा रही अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि (बोनस) बंद करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के व्यय सचिव ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि देश में धान का उत्पादन जरूरत से ज्यादा हो गया है और इसकी खरीद पर आने वाला खर्च सरकारी खजाने पर बोझ बन रहा है। इस संबंध में एक पत्र राज्य के मुख्य सचिव को मिला है।

सुरक्षा से लेकर सेमीकंडक्टर तक बड़े समझौते

कुआलालंपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलयेशिया दौरे पर कुआलालंपुर से विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट), पी. कुमारन ने कहा, 'यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2015 में प्रधानमंत्री की मलयेशिया की पिछली आधिकारिक यात्रा के लगभग एक दशक बाद हो रही है।' 'दोनों प्रधानमंत्रियों ने हमारी पार्टनरशिप के पूरे दायरे में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की, जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान शामिल हैं।'

विदेश मंत्रालय के सचिव प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कुआलालंपुर आगमन पर भव्य सांस्कृतिक तरीके से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने साथ मिलकर एमआईएनईएस इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मलयेशिया में भारतीय समुदाय के इतिहास पर प्रदर्शनी और करीब 800 स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल रहीं।

पीएम नरेंद्र मोदी के मलयेशिया दौरे का पूरा सार

रक्षा, सुरक्षा और आतंकवाद से मुकाबला

वहीं दोनों प्रधानमंत्रियों ने रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा की। सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त अभ्यासों के साथ-साथ रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित कई भारतीय कंपनियां मलयेशिया में सक्रिय हैं। आतंकवाद पर प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि कोई समझौता नहीं होगा और दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जाएंगे। दोनों देशों के बीच आतंकवाद से मुकाबला पर संयुक्त कार्य समूह और सुरक्षा संवाद लगातार चल रहे हैं।

शिक्षा, संस्कृति और प्रवासी भारतीय

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया में थिरुवल्लुवर सेंटर की स्थापना और मलयेशियाई विद्वानों के लिए थिरुवल्लुवर स्कॉलरशिप की घोषणा की। भारतीय समुदाय की सेवाओं को मजबूत करने के लिए मलयेशिया में एक नया वाणिज्य दूतावास खोलने का भी एलान किया गया। करीब 29 लाख भारतीय मूल के लोगों को दोनों देशों के बीच 'जीवंत सेतु' बताया गया। 2025 में 14 लाख भारतीय पर्यटक मलयेशिया गए, जबकि तीन लाख मलयेशियाई पर्यटकों ने भारत की यात्रा की, जिससे मलयेशिया आसियान क्षेत्र से भारत आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत बना।

समझौते और सहयोग के नए क्षेत्र

पी. कुमारन ने आगे कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। इस दौरान सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य, सुरक्षा, तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा, आपदा प्रबंधन और ऑडियो-विजुअल सहयोग से जुड़े कई समझौता ज्ञापन और समझौते हुए। भ्रष्टाचार से निपटने के लिए मलयेशिया की एंटी-करप्शन एजेंसी और भारत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

डिजिटल भुगतान और कनेक्टिविटी

विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट), पी. कुमारन ने कहा कि क्रॉस-बॉर्डर क्यूआर आधारित भुगतान और यूपीआई लिंक पर काम जारी है। इससे पर्यटकों, कामगारों और व्यापार को सीधा लाभ मिलेगा। हवाई संपर्क बढ़ाने और नए रूट खोलने पर भी सहमति बनी है। प्रधानमंत्री ने आसियान के साथ सहयोग, भारत की एक्ट ईस्ट नीति, इंडो-पैसिफिक विजन और ब्रिक्स में मलयेशिया की भागीदारी का भी जिक्र किया और भविष्य में संबंध और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

चेन्नई एयरपोर्ट पर कई घंटें बाधित रहीं उड़ानें

चेन्नई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर रविवार सुबह कई घंटें उड़ानें बाधित रहीं। कोहरे के कारण कम दृश्यता इसकी प्रमुख वजह रही। चेन्नई आने वाली कम से कम तीन उड़ानों का मार्ग नजदीकी हवाई अड्डों की ओर बदल दिया दिया गया। इसके चलते यात्री काफी परेशान दिखे। स मामले की अधिक जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि रविवार तड़के चेन्नई हवाई अड्डे पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और कुछ उड़ानों में मामूली देरी भी हुई। कुछ फ्लाइटों का रूट भी बदल दिया गया।

एक अधिकारी ने बताया, 'आज तड़के चेन्नई मीनांबक्कम हवाई अड्डे पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता लगभग 1500 मीटर थी, जो साढ़े छह बजे तक घटकर 350 मीटर रह गई और कोहरे के कारण लगभग साढ़े सात बजे तक दृश्यता और घटकर 150 मीटर रह गई।' उन्होंने कहा कि दृश्यता में बाद में सुधार होने की उम्मीद है।

कुआलालंपुर और हैदराबाद से आने वाली दो उड़ानों को तिरुचिरापल्ली की ओर मोड़ दिया गया, जबकि एक और निजी उड़ान बेंगलुरु लौट गई।

भारत की सॉवरेन एआई मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है। इस दौरान उन्होंने घरेलू स्टार्टअप सर्वम एआई द्वारा जारी किए गए एक एडवांस्ड मॉडल की तारीफ की। पिछले साल, इस स्टार्टअप को देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए चुना गया था। 67 प्रपोजल में से सर्वम एआई को भारत का पहला स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था।

वैष्णव ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारे एआई मिशन के हिस्से के रूप में सर्वम द्वारा जारी किए गए टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड मॉडल की सबसे ज्यादा आलोचना करने वाले लोग भी तारीफ कर रहे हैं। हमारे स्मार्ट युवा इंजीनियर मटेरियल साइंस, हेल्थकेयर और साइबर सिक्योरिटी में ऐसे इनोवेशन पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया पाथब्रेकिंग मॉडल के तौर पर देखेगी। सर्वम एआई ने भारतीय भाषाओं के लिए सबसे अच्छे टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और ओसीआर मॉडल बनाए हैं।

भागवत बोले- संघ कहे तो पद छोड़ दूंगा

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक बनता है। भागवत रविवार को मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा। >14

'विकसित भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता'

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट 2026-27 को लेकर कई अहम बातें कही। उन्होंने कहा कि बार-बार बदलती नीतियों से पैदा होने वाली अनिश्चितता को खत्म करना ही इस बार के बजट की असली सोच है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पॉलिसी पिंग-पोंग' से बचने की सोच ही केंद्रीय बजट 2026-27 की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने बताया कि बजट में तात्कालिक लाभ के बजाय नीति स्थिरता, दीर्घकालिक योजना और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है। सीतारमण ने कहा कि यह बजट नए पांच साल के वित्तीय चक्र का पहला बजट है और 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। इस बजट में किसी तरह के लोकलुभावन एलान की बजाय पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर), इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी गई है।

वित्त मंत्री बोलीं- लोकलुभावन एलान नहीं सुधारों पर फोकस

इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश सरकार की बड़ी सफलता

इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च इस सरकार की बड़ी सफलता रही है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद केंद्र सरकार के विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों के जरिए बड़े स्तर पर विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्यों ने भी 50 साल के ब्याज मुक्त कर्ज का बेहतर इस्तेमाल किया है। कई राज्यों ने अपने खास प्रोजेक्ट शुरू किए हैं और यह साबित किया है कि वे और ज्यादा फंड का सही उपयोग कर सकते है।

नीति में स्थिरता जनता का जनादेश

उन्होंने बताया कि लोगों को स्थिरता चाहिए थी, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना। यह स्थिरता नीतियों में भी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की तीसरी जीत इस बात का संकेत है कि जनता नीति और राजनीतिक स्थिरता चाहती है, जिसे सरकार विकास की बुनियाद मानती है।

'पॉलिसी पिंग-पोंग' से बचने की सोच

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि एक बार कोई नीति तय हो जाए, तो उसे लगातार और मजबूती से लागू किया जाना चाहिए, न कि बार-बार दिशा बदली जाए। यही सोच बजट की नीतियों में भी झलकती है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस बजट को केवल एक साल के खर्च के रूप में नहीं देखना चाहिए।

राजस्थान समेत 5 राज्यों में सुबह-शाम की सर्दी

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने देश के किसी भी राज्य में रविवार के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। हालांकि जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल में हुई बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के सभी राज्यों में अभी भी सर्दी का असर है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और चंडीगढ़ में सुबह और शाम सर्दी हो रही है। जबकि दिन के समय कई जिलों में पारा 30 का आंकड़ा पार कर रहा है। इन राज्यों में फरवरी में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है।हालांकि मध्य प्रदेश और बिहार का मौसम एक बार फिर बदल गया है।

एमपी के 11 जिलों और बिहार के 4 जिलों में टेंपरेचर 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत बाकी जिलों में सुबह-शाम हल्की सर्दी पड़ रही है, जबकि दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है। यूपी में आज से पारा चढ़ने वाला है। बिहार में 13 फरवरी से मौसम बदलेगा।

'यूनुस में सामना करने की हिम्मत नहीं': शेख हसीना

ढाका, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले चुनावी अभियान चरम पर है। अगस्त 2024 में शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद देश में ये पहले चुनाव है। ये चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं, जब देश में लगभग डेढ़ साल में कोई चुनावी हुई सरकार नहीं है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अंतरिम शासन ने शेख हसीना की अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाते हुए चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी है। देश की सबसे बड़ी पार्टी की चुनाव में गैरमौजूदगी ने चुनावों की वैधानिकता को लेकर चिंताओं को बढ़ा दिया है। इस बीच बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने चुनावी प्रक्रिया की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र का मजाक बताया है। संडे गार्डियन को दिए एक इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि ये चुनाव लोकतांत्रिक या समावेशी नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि इन चुनावों से देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को किनारे कर दिया गया है। उन्होंने मोहम्मद यूनुस पर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। पिछले कुछ सप्ताह में हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्या का जिक्र करते हुए हसीना ने कहा कि यूनुस सरकार ने चरमपंथियों को ताकत दी है। >14

114 राफेल विमानों की बड़ी डील पर अहम बैठक

मैक्रों के भारत दौरे से पहले लग सकती है मुहर

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 18 से 20 फरवरी के भारत दौरे से पहले रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा फैसला लिया जा सकता है। वे इस दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट में हिस्सा लेने भारत आ रहे हैं। इसी बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक फरवरी के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है। इस बैठक में सबसे अहम प्रस्ताव 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद से जुड़ा होगा। सूत्रों के मुताबिक, इस सौदे को आवश्यकता की मंजूरी दी जा सकती है। इस पूरी डील की अनुमानित लागत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है।

इस डील के तहत भारतीय वायुसेना को 88 सिंगल-सीटर और 26 ट्विन-सीटर राफेल विमान मिलेंगे। इस परियोजना में फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन और भारतीय निजी कंपनियों के बीच साझेदारी होगी। यह प्रस्ताव पिछले महीने रक्षा खरीद बोर्ड से पहले ही मंजूरी पा चुका है। अब डीएसी से हरी झंडी मिलने के बाद तकनीकी और व्यावसायिक बातचीत शुरू होगी। वहीं माना जा रहा है कि मैक्रों के भारत दौरे के दौरान ही इस सौदे को अंतिम रूपदिया जा सकता है

क्यों जरूरी है यह डील?

इस समय भारतीय वायुसेना (आईएएफ)के पास सिर्फ करीब 30 फाइटर स्क्वाड्रन हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 42 स्क्वाड्रन की है। दूसरी ओर पाकिस्तान और चीन से खतरे बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान-बांग्लादेश और पाकिस्तान-चीन की रणनीतिक नजदीकियां भी चिंता का कारण हैं।

राफेल की ताकत

हाल के सैन्य अभियानों में राफेल की भूमिका बेहद अहम रही है। इसे '4.5 जेनरेशन का राजा' कहा जाता है। इसमें मेटियोर मिसाइल (लंबी दूरी की हवा-से-हवा मार करने वाली), स्कल्प मिसाइल, लेजर-गाइडेड बम शामिल हैं। ये सभी इसे बेहद घातक और भरोसेमंद लड़ाकू विमान बनाते हैं।

नेताजी के साथी से मिले पीएम मोदी

कुआलालंपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कुआलालंपुर में आजादी के नायक रहे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथी और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) यानी आजाद हिंद फौज के वेटरन जयराज राजा राव से मुलाकात की। उन्होंने आईएनए के असाधारण साहस, विरासत और बलिदान के लिए सभी भारतीयों की ओर से आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, हम नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के बहादुर महिलाओं-पुरुषों के प्रति हमेशा ऋणी रहेंगे, जिनके पराक्रम ने भारत के भाग्य को आकार दिया।

1943 में कुआलालंपुर में सुभाष चंद्र बोस के भाषण ने युवाओं को जोड़ा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सितंबर 1943 में कुआलालंपुर के सेलांगोर पैडांग या इंडिपेंडेंस स्क्वायर) में हजारों अनुयायियों को जोशीला संबोधन दिया था, जिसने कई युवाओं को भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। वेटरन जयराज राजा राव भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल होकर उनके साथ काम किया और देश की आजादी में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मोदी दो दिवसीय मलेशिया दौरे पर हैं, जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा एवं सुरक्षा, सेमीकंडक्टर और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए कई नई पहलें शुरू कीं।

दिल्ली में ड्रग तस्करी का भंडाफोड़ः पांच राज्यों में फैला गिरोह बेनकाब, 50 करोड़ की खेप संग सात आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पांच राज्यों में फैले एक मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए इससे जुड़े सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से करीब 48 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए हैं, जिनकी कीमत 50 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि नेटवर्क मादक पदार्थ के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल को हासिल करता था और विभिन्न राज्यों में चिकित्सकीय पर्चे के बिना प्रतिबंधित दवाओं की अवैध री-पैकेजिंग और बिक्री करता था। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में की गई सिलसिलेवार कार्रवाई के जरिए स्थानीय वितरण करने वालों से लेकर अंतरराज्यीय तस्करों तक फैली आपूर्ति श्रृंखला को ध्वस्त किया गया है।

ममता से क्या नाराज हो गए हैं मुसलमान ?

इमाम और मोअज्जिनों की गुस्से की वजह

कोलकाता, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बजट में लक्ष्मी भंडार, आशा वर्कर्स से लेकर आंगनवाड़ी, सिविक वॉलंटियर्स सभी का भत्ता बढ़ा है। वहीं, बजट में इमामों और मोअज्जिनों का भत्ता नहीं बढ़ा है। इससे मुस्लिम समुदाय के लोग सीएम ममता बनर्जी से नाराज हैं। राज्य के अल्पसंख्यकों में ममता बनर्जी की सरकार को लेकर गुस्सा है।

2011 की जनगणना के अनुसार पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 27 फीसदी है, जो वर्तमान में करीब 34 फीसदी मानी जाती है। मुस्लिम ममता बनर्जी के बड़े वोटबैंक माने जाते हैं और इसी वोटबैंक के सहारे ममता बनर्जी चुनाव जीतती रही हैं, लेकिन चुनाव से पहले मुस्लिम नाराज हैं। इससे ममता बनर्जी की चुनौती बढ़ सकती है। बजट में आशा वर्कर्स का भत्ता 1000 रुपए बढ़ा है। उनका कहना है कि उन्हें इससे ज्यादा फायदा नहीं मिला है। मिड-डे मील वर्कर्स और पार्ट-टाइम टीचर्स भी खुश नहीं हैं। इस बार मोअज्जिनों भी गुस्से की लिस्ट में अपना नाम जोड़ रहे हैं।

भत्ता नहीं बढ़ने से इमाम-मुअज्जिन नाराज

तृणमूल कांग्रेस समर्थित इमाम ऑर्गनाइजेशन के जलपाईगुड़ी सदर ब्लॉक के प्रेसिडेंट और जलपाईगुड़ी गरल बारी मस्जिद के इमाम जहीरुल इस्लाम ने भत्ता नहीं बढ़ने पर नाराजगी जताई है। जहीरुल इस्लाम का कहना है कि इस राज्य बजट में सभी का भत्ता कमोबेश बढ़ाया गया है, लेकिन सरकार ने हमारे लिए कुछ नहीं किया। जिस रेट से कीमतें बढ़ी हैं, 3000 रुपये महीने के भत्ते से कुछ नहीं होता है, अगर यह कम से कम 500 रुपये भी बढ़ जाता, तो मैं समझ जाता कि सरकार ने हमारे लिए कुछ नया सोचा है। जलपाईगुड़ी चरकडांगी जामा मस्जिद के मुअज्जम अब्दुल मजीद ने कहना है कि कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इस छोटे से भत्ते से कुछ नहीं होता। हमारा भत्ता बढ़ाया जाना चाहिए था। वैसे, पुजारियों की तरह मुअज्जनों को भी हर महीने 1500 रुपये भत्ता मिलता है।

मुस्लिमों में बढ़ी नाराजगी

दूसरी तरफ, इस्लामिक कम्युनिटी के लोगों के मन में गुस्सा भी बढ़ रहा है। अजीदा खातून ने कहा कि इमाम दिन भर में बहुत से लोगों को फायदा पहुंचाते हैं। उनका भत्ता क्यों नहीं बढ़ाया जाना चाहिए? अनवर हुसैन, फजरुल हक ने कहा कि सरकार अभी इमामों को हर महीने करीब 1000 से 1300 रुपये देती है, लेकिन इस रकम से कुछ नहीं होता। महीने का भत्ता कम से कम 6-7 हजार रुपये होना चाहिए। तृणमूल से जुड़े इमाम संगठन के नेता के चेहरे पर भत्ता न बढ़ने से निराशा की खबर के बाद जलपाईगुड़ी का सियासी पारा चढ़ गया है।

गरमाई बंगाल की सियासत

माकपा जिला सचिव समिति के सदस्य जमीनार अली का कहना है कि भले ही सभी का भत्ता कमोबेश बढ़ा दिया गया हो, लेकिन इमामों का भत्ता नहीं बढ़ाया गया है, लेकिन यह भत्ता बढ़ाया जाना चाहिए था। साथ ही, उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राज्य के बजट को देखकर ऐसा लगता है कि यह तृणमूल का चुनावी घोषणा पत्र है। भत्ते की समस्या, नौकरियों की कमी, हर चीज का असर इस साल के चुनावों पर पड़ेगा। बीजेपी जिला समिति के सदस्य पॉलेन घोष का कहना है कि बजट को लेकर समाज के कई वर्गों में गुस्सा बढ़ रहा है। इसका असर चुनावों पर जरूर पड़ेगा। इस बार तृणमूल सरकार का पतन निश्चित है।

180 की स्पीड से आई ऑडी, 3 जानें ले गई, बेटे की शादी का कार्ड बांटने जा रहे थे मृतक, दूल्हे के छोटे भाई की भी मौत

रीवा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा में तेज रफ्तार ऑडी कार ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपने बेटे की शादी का कार्ड बांटने जा रहे थे। साथ में छोटा बेटा भी था और एक महिला रिश्तेदार थी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि ऑडी कार लगभग 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भाग रही थी। हादसे के बाद कार में सवार लोग फरार हो गए। वहीं, पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना रीवा के रायपुर कर्चुलियांन थाना क्षेत्र की है। यहां रीवा-प्रयागराज नेशनल हाइवे में शनिवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार 3 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

16 फरवरी से हिमाचल प्रदेश विधानसभा बजट सत्र, आरडीजी पर सरकार–विपक्ष आमने-सामने

शिमला, 8 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से आयोजित करने का निर्णय लिया है। राजस्व घाटा अनुदान बंद होने से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए सरकार ने विधानसभा का सत्र 16 फरवरी से शुरू करने का फैसला किया है। इस निर्णय को विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचित कर दिया है। सत्र के पहले दिन दोपहर दो बजे के बाद राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का अभिभाषण होगा। राज्यपाल की सिफारिश के उपरांत विधानसभा सचिवालय ने इसकी औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन में शोक प्रस्ताव (शोकोदगार) लाए जाएंगे। इसके उपरांत विधायी कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

हंगामेदार रहेगा यह सत्र!

राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश में राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद किए जाने को लेकर चल रही सियासत के बीच यह सत्र काफी हंगामेदार रहेगा। केंद्रीय बजट में हिमाचल प्रदेश का राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने पर सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार सख्ते में है। सरकार ने आरडीजी बंद होने पर विशेष सत्र बुलाने का प्रस्ताव राज्यपाल को भेजा था, जिसे राज्यपाल ने मंजूरी नहीं दी और अब सरकार ने 16 फरवरी से बजट सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। इसमें आरडीजी पर चर्चा और आगामी वित्त वर्ष के लिए सरकार बजट पेश करेगी।

'जेफरी एपस्टीन से कभी नहीं मिले दलाई लामा'

कार्यालय ने मीडिया रिपोर्ट्स को सिरे से किया खारिज

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के कार्यालय ने हाल के दिनों में सामने आई मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें तथाकथित 'एपस्टीन फाइल्स' के जरिए दलाई लामा को अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन से जोड़ने की कोशिश की जा रही थी। दलाई लामा के कार्यालय की तरफ से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'एप्स्टीन फाइलों से संबंधित कुछ हालिया मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में दलाई लामा को जेफरी एपस्टीन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हम स्पष्ट रूप से पुष्टि करते हैं कि उन्होंने कभी भी जेफरी एपस्टीन से मुलाकात नहीं की है और न ही उन्होंने अपनी ओर से किसी को भी उनसे मिलने या बातचीत करने की अनुमति दी है।'

मीडिया रिपोर्टें और सोशल मीडिया पोस्ट्स भ्रामक

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि हालिया मीडिया रिपोर्टें और सोशल मीडिया पोस्ट्स भ्रामक और तथ्यहीन हैं, जिनका उद्देश्य दलाई लामा की छवि को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाना है। कार्यालय ने इन दावों को 'पूरी तरह निराधार' बताया है। बयान में यह भी कहा गया कि दलाई लामा हमेशा नैतिक मूल्यों, करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों के लिए जाने जाते हैं और उन्हें इस तरह के विवादास्पद मामलों से जोड़ना सच्चाई से कोसों दूर है। यह प्रेस स्टेटमेंट 8 फरवरी 2026 को दलाई लामा के मुख्यालय थेकचेन चोएलिंग, मैक्लॉडगंज, धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) से जारी किया गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि 'एपस्टीन फाइल्स' को लेकर सोशल मीडिया पर कई नामों को बिना पुख्ता सबूत के जोड़ा जा रहा है, जिससे भ्रम और अफवाहें फैल रही हैं। दलाई लामा कार्यालय का यह स्पष्टीकरण ऐसे ही सभी दावों पर स्पष्ट और अंतिम जवाब माना जा रहा है। बता दें कि हाल के दिनों में 'एपस्टीन फाइल्स' को लेकर सोशल मीडिया पर कई चर्चित हस्तियों के नाम सामने लाए जा रहे हैं, जिनमें से कई दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दलाई लामा के कार्यालय का यह बयान ऐसे सभी दावों पर स्पष्ट खंडन के तौर पर सामने आया है।

सूरजकुंड मेला हादसे में निरीक्षक की मौत वेंडर पर केस दर्ज

फरीदाबाद, 8 फरवरी (एजेंसियां)। सूरजकुंड मेला में शाम एक झूला टूटने से गंभीर हादसा हुआ। इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद हरियाणा पुलिस के निरीक्षक जगदीश प्रसाद घायल हो गए और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। डीजीपी हरियाणा अजय सिंघल ने उत्तर प्रदेश के मथुरा के रहने वाले निरीक्षक प्रसाद के साहस, समर्पण और मानवता की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन और जोखिम भरे हालातों में भी निरीक्षक ने अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों को बचाने का प्रयास किया। जिससे कई जीवन बचाए गए। डीजीपी ने निरीक्षक के परिवार को एक करोड़ रुपये की बीमा राशि और अन्य विभागीय लाभ देने की घोषणा की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हरियाणा पुलिस परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। जानकारी के अनुसार, हादसे के समय मेले की मुख्य चौपाल और छोटी चौपाल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होने वाले थे। छोटी चौपाल पर गायक नवीन पूनिया की प्रस्तुति पूरी हो चुकी थी। हादसे के बाद मुख्य चौपाल पर स्टैंडअप कॉमेडियन अमित टंडन और गायिका शिबानी कश्यप के कार्यक्रम रद्द कर दिए गए और पूरे मेला परिसर को खाली कराया गया। देर रात हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ। अरविंद शर्मा मेला पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि कुल 12 लोग घायल हुए, जिनमें आठ सुप्रीम अस्पताल और चार नागरिक अस्पताल में भर्ती हैं। समय पर इलाज मिलने के कारण सभी की स्थिति खतरे से बाहर है।

अवैध रूप से रह रहे 4 बांग्लादेशी गिरफ्तार, डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस की कुरार इकाई को अवैध रूप से भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मलाड पूर्व के पठानवाड़ी इलाके में छापेमारी कर चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये सभी बांग्लादेशी नागरिक लंबे समय से फर्जी पहचान के सहारे यहां रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, कुरार पुलिस स्टेशन के एटीसी (एंटी-टेरर सेल) अधिकारी को सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक मलाड ईस्ट के पठानवाड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे हैं और नकली दस्तावेजों के आधार पर स्थानीय पहचान बनाकर जीवन यापन कर रहे हैं।

सूचना के आधार पर कुरार पुलिस और एटीसी टीम ने संयुक्त अभियान चलाते हुए 2 से 6 फरवरी के बीच इलाके में कई स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार संदिग्धों को मौके से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सभी ने खुद को बांग्लादेश का नागरिक स्वीकार किया। प्रारंभिक जांच में उनके पास से बांग्लादेश से संबंधित कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए, जिनमें स्थायी निवास प्रमाणपत्र, नागरिकता प्रमाणपत्र और बांग्लादेश का नेशनल आईडी कार्ड शामिल है।

पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग मलाड पूर्व के पठानवाड़ी इलाके में रह रहे थे और छोटे-मोटे व्यवसाय कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, सभी आरोपी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश कर लंबे समय से यहां रह रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही, संबंधित प्राधिकरणों से 'रिसट्रिक्शन ऑर्डर' प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है

गौरव गोगोई के पाकिस्तान लिंक मामले में अब एमएचए करेगा जांच, सीएम सरमा बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

गुवाहाटी, 8 फरवरी (एजेंसियां)। असम में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तान लिंक वाले मामले को लेकर लगातार चर्चाएं तेज हो रही है। ऐसे में अब मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तान संबंध वाले मामले को अब गृह मंत्रालय को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में तीन मुख्य लोग शामिल हैं, सांसद गौरव गोगोई, उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न और पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख सरमा ने कहा कि असम सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाई थी, जो इस कथित भारत विरोधी साजिश की जांच कर रही थी। एसआईटी की रिपोर्ट और इस जांच के आधार पर दर्ज मामला अब गृह मंत्रालय को सौंपा जाएगा। गृह मंत्रालय चाहें तो अपनी किसी भी जांच एजेंसी का इस्तेमाल कर आगे की कार्रवाई कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है, न कि किसी व्यक्तिगत विवाद का। इसलिए इसे राज्य स्तर पर आगे नहीं बढ़ाया जा सकता, और केंद्रीय एजेंसी की मदद की जरूरत है। सरमा ने बिना नाम लिए कहा कि असम का एक सम्मानित सांसद उस समय पाकिस्तान गए थे जब उनके पिता तरुण गोगोई मुख्यमंत्री थे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उस दौरे के दौरान सांसद ने सोशल मीडिया पर कोई जानकारी साझा नहीं की थी। बता दें कि गौरव गोगोई के पिता 2001 से 2016 तक असम के मुख्यमंत्री थे। हालांकि सांसद गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री के आरोपों को बेतुका, आधारहीन और निराधार बताया। साथ ही कहा कि सरमा बिना तथ्यों के बयान दे रहे हैं। सरमा ने यह भी कहा कि एसआईटी ने कई संवेदनशील जानकारी और सामग्री जुटाई है, लेकिन विदेशियों के शामिल होने के कारण राज्य स्तर की पुलिस आगे की जांच नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि इंटरपोल और केंद्र सरकार से मदद की जरूरत है, खासकर टेलीफोन या अन्य विदेशी सबूत इकट्ठा करने के लिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि मामला धार्मिक रूपांतरण के कोण से भी जुड़ा हो सकता है, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। सरमा ने दावा किया कि जांच में यह भी पाया गया कि एक व्यक्ति 2012 से 2016 के बीच पाकिस्तान गया था, लेकिन राज्य पुलिस उसके फोन और विदेशी सबूत इकट्ठा नहीं कर सकती, जो कि केंद्रीय एजेंसी कर सकती है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने अच्छी जांच की है, लेकिन विदेशी नागरिकों के शामिल होने के कारण इसे आगे बढ़ाने के लिए केंद्र की एजेंसी जरूरी है।

मोमोज बनाने के बाद गैस हीटर बंद नहीं करने की गलती पड़ी भारी दम घुटने से 2 युवकों की मौत

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में रात एक दर्दनाक हादसे में मोमोज बनाने के दौरान गैस से दम घुटने से 2 युवकों की मौत हो गई। मृतक एक बंद कमरे में गैस आधारित सिगड़ी पर मोमोज तैयार कर रहे थे और काम खत्म होने के बाद उसी कमरे में सो गए। सुबह दोनों युवक अचेत अवस्था में मिले और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मुसाफिक आलम उम्र 18 साल और रुकसद आलम उम्र 30 साल के रूप में हुई है।

दोनों बिहार के रहने वाले थे और रोजी-रोटी के लिए जहांगीरपुरी में किराए के कमरे में रहकर मोमोज बेचने का काम करते थे। रात के समय दोनों ने गैस आधारित मोमो स्टीमर या सिगड़ी पर मोमोज बनाए और बाद में गैस हीटर बंद किए बिना कमरे को अंदर से बंद कर सो गए। बंद कमरे में गैस के जहरीले धुएं का स्तर बढ़ता गया, जिससे दोनों का दम घुट गया और उनकी जान चली गई।

पश्चिम बंगालः एसआईआर का मिला नोटिस

रास्ते में पत्नी-बच्चे की मौत, शव छोड़ सुनवाई में हुआ शामिल

कोलकाता, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मालदा देश के कई राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया चल रही है। तो वहीं कई राज्यों में ये प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पश्चिम बंगाल के मालदा में वोटर लिस्ट सुधार से जुड़ी एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) सुनवाई के लिए जाते समय एक स्कूल टीचर के साथ हादसा हो गया। इस सड़क हादसे में उनकी पत्नी और 9 महीने के बच्चे की मौत हो गई। परिजनों का दावा है कि चुनाव आयोग से नोटिस मिलने के बाद यासीन अंसारी तनाव में थे। मालदा के रहने वाले टीचर का नाम एमडी यासीन अंसारी है। वह कालियाचक इलाके के एक मदरसे में पढ़ाते हैं। उनके परिवार को वोटर लिस्ट में नाम की स्पेलिंग से जुड़ी गलती के कारण एसआईआर नोटिस दिया गया था। इसको लेकर उन्हें सुनवाई में आने का नोटिस मिला था।

नोटिस के कारण तनाव में थे अंसारी सुबह यासीन अंसारी अपनी पत्नी हलीमा खातून और बेटे आरिफ हसन के साथ ऑटो से सुनवाई केंद्र जा रहे थे। रास्ते में सुस्तानी इलाके के पास ऑटो पलट गया। हादसे में हलीमा खातून की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्चे ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिवार वालों का कहना है कि नोटिस मिलने के बाद यासीन अंसारी काफी तनाव में थे। उनके बहनोई ने बताया कि अगर यह सुनवाई इतनी जरूरत न होती, तो शायद यह हादसा टल सकता था।

हादसे के बाद भी सुनवाई में शामिल हुए यासीन

हादसे में पत्नी और बच्चे को खोने के बाद भी यासीन अंसारी को अपनी पत्नी और बच्चे के शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में छोड़कर एसआईआर सुनवाई में शामिल होना पड़ा। यही वजह है कि स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है।

टीएमसी ने लगाए आरोप बीजेपी ने दी सफाई

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया अमानवीय है और लोगों को सबसे मुश्किल वक्त में भी साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है कि वे नागरिक हैं। वहीं बीजेपी ने इन आरोपों को खारिज किया है। बीजेपी का कहना है कि यह एक दुखद हादसा है। लेकिन, इसे एसआईआर प्रक्रिया से जोड़ना गलत है।

बीजेपी के मंडल उपाध्यक्ष ने युवकों पर किया हमलाः वर्चस्व को लेकर चल रहा विवाद

इंदौर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के कैट रोड पर रविवार अलसुबह बीजेपी युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष वेदांत तिवारी ने दो युवकों, प्रखर शर्मा और नयन बाफना पर हमला किया। दोनों युवकों को सिर में चोटें आईं। बताया जाता है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से वर्चस्व को लेकर विवाद चला आ रहा था। घटना राउ इलाके की है। प्रखर और नयन सुदामा नगर निवासी हैं। सुबह दोनों चाय पीने एक कैफे गए थे और स्कॉर्पियो कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान वेदांत और उसके साथी समीर शर्मा और आदित्य ने पीछा कर उन्हें रोका और मारपीट की।

हमले के दौरान आरोपियों ने प्रखर और नयन की कार के कांच भी तोड़ दिए। हमले के बाद दोनों निजी अस्पताल गए और अपना इलाज कराया। इलाज के बाद दोनों राउ थाने पहुंचे। शुरुआती दौर में एफआईआर नहीं होने के कारण बीजेपी से जुड़े कई नेताओं ने दबाव डाला, लेकिन पुलिस ने बाद में मामले में एफआईआर दर्ज कर ली।

'कुत्ता-मुक्त गांव' के नाम पर हत्या

तेलंगाना में 1600 कुत्तों को दी मौत

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के गांवों में अब अजीब सन्नाटा है। कुछ दिन पहले तक गांव में कोई अजनबी आता था तो आवारा कुत्ते भौंक-भौंक कर गांव को चेता देते थे। अब यहां कोई हलचल नहीं होती। यह हालात किसी एक गांव के नहीं। राज्य के छह जिलों के 12 से ज्यादा गांवों में इस साल की शुरुआत से अब तक 1600 से अधिक कुत्ते मार दिए जाने के आरोप सामने आए हैं। शुरुआत में यह संख्या कम थी। धीरे-धीरे आंकड़ा बढ़ता गया।

दरअसल, गांवों में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ीं तो दिसंबर में हुए सरपंच चुनाव में यह मुद्दा प्रमुख रूप से उठा। कई जनप्रतिनिधियों ने 'कुत्ता मुक्त गांव' बनाने का वादा किया। इसके बाद गांव से कुत्ते गायब होने लगे। गांव के बाहर सामूहिक कब्र मिलीं, तो संदेह गहराया। जांच में साफ हो गया कि यह सब योजनाबद्ध तरीके से किया गया। आरोप है कि आंध्र प्रदेश से डॉग कैचर्स बुलवाए और 500 रुपए प्रति कुत्ते के हिसाब से जहरीले इंजेक्शन दिए गए।

कहीं 200 तो कहीं 300 को इंजेक्शन

हनुमानकोंडा जिले के श्यामपेट और अरपेल्ली गांवों में 300 कुत्तों की हत्या की शिकायत दर्ज कराई गई है। कामारेड्डी जिले के वाड़ी, फरीदपेट, बंदारमश्वेरपल्ली, भवानीपेट और पलवनचा गांवों में 200 कुत्ते मारे गए। जगित्याल जिले में धर्मपुरी क्षेत्र में 30, पगड़ापल्ली गांव में 300, रंगारेड्डी जिले के याचरम में 140, निर्मल जिले में 200 कुत्ते मारे जाने के आरोप हैं।

2020 से जुलाई 2025 तक 14,88,781 लोगों को कुत्तों ने काटा और उन्हें इलाज की जरूरत पड़ी। यूथ फॉर एंटी करप्शन की आरटीआई अर्जी के जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस दौरान 36,07,989 एंटी-रेबीज वैक्सीन डोज दी गईं।

ग्रामीणों की शिकायत, आवारा कुत्तों का आतंक

याचरम के प्राथमिक स्वास्थ्य सेंटर की नर्स रश्मि के मुताबिक, हाल ही में कुत्तों के काटने के कई मामले आए। पांच साल की एक बच्ची के सिर पर कुत्ते ने काटा, उसकी भौंह लगभग फट गई। 30 साल के व्यक्ति की पिंडली की मांसपेशी कुत्ते ने निकाल दी।

निष्पक्ष जांच की मांग

क्रूरता निवारण सहायक, स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की अफसर मुदावथ प्रीति ने दैनिक भास्कर को बताया कि जहरीले इंजेक्शन का दुरुपयोग इंसानों के लिए गंभीर स्वास्थ्य संकट बन सकता है। पुलिस ने सभी शव बरामद नहीं किए। वास्तविक संख्या से कम आंकड़े दर्ज किए। संगठन ने राज्य सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

विचार
शुरू में हर कार्य कठिन लगता है पर समय बिताने पर आसान होता जाता है

पर्यावरण की उपेक्षा मानव जीवन के लिए खतरनाक : सुखेंदर रेड्डी

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काउंसिल फॉर ग्रीन रिवोल्यूशन और भारत बीज़ स्वराज मंच द्वारा आयोजित तेलंगाना द्वितीय वार्षिक बीज महोत्सव का समापन समारोह रंगारेड्डी जिले के कड़ताल मंडल, अन्मासुपल्ली के अर्थ सेंटर में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने शिरकत की। सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि यदि हम पर्यावरण की उपेक्षा करेंगे, तो इसके परिणाम मानव जीवन के लिए खतरनाक होंगे। उन्होंने किसानों और आम जनता से अपील की कि पुराने पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर न केवल भूमि और स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी संभव है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पशुधन और कृषि उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई, तो आने वाले पांच वर्षों में हमारी जमीन और खेती हमें लाभ नहीं दे पाएगी। समापन कार्यक्रम में पूर्व आरटीआई कमिश्नर दिलीप रेड्डी की अध्यक्षता रही। साथ ही राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष अचलेन्द्र रेड्डी सहित कई प्रमुख अतिथि मौजूद थे। पद्मश्री पुरस्कार विजेता चिंतल वेंकट रेड्डी ने कहा कि देशी बीजों का ग्रेडिंग और उनका उपयोग प्राकृतिक कृषि में उच्च पैदावार दिला सकता है। नलगोंडा के पूर्व विधायक नंद्याल नरसिंह रेड्डी ने जोर देकर कहा कि देशी बीज राष्ट्रीय संपदा हैं, और उनका व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध सरकारी नीतियां आवश्यक हैं। ये नीतियां सीधे किसानों और जनता के हित में बननी चाहिए। एपी मास संस्थापक सीएस रेड्डी ने कहा कि कृषि-संबंधी क्षेत्रों को उचित प्राथमिकता देने से ही प्राकृतिक कृषि पद्धतियों का उपयोग बढ़ेगा। उन्होंने किसानों के उत्पादक संघों की इस आंदोलन में अहम भूमिका बताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि देशी बीजों के उपयोग से मिट्टी और मानव स्वास्थ्य को लाभ होता है और पैदावार घटने का डर केवल भ्रांति है। पर्यावरण विशेषज्ञ दोंती नरसिंह रेड्डी ने कहा कि वर्तमान में देश में हाइब्रिड और देशी बीजों के बीच संघर्ष चल रहा है। कई राज्यों में किसान, कॉर्पोरेट हितों से प्रभावित बीज प्रणालियों के खिलाफ खड़े होकर प्राकृतिक कृषि प्रयास कर रहे हैं। काउंसिल फॉर ग्रीन रिवोल्यूशन की अध्यक्ष लीला लक्ष्मीर रेड्डी ने कहा कि किसानों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बीज महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है और स्पष्ट कार्य योजना के साथ आगे बढ़ेंगे।

श्री कल्याण वेंकटेश्वरस्वामी ने वैकुंट नारायण अलंकरण में दर्शन दिए

तिरुपति , 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कल्याण वेंकटेश्वरस्वामी ने श्रीदेवी और भूदेवी के साथ पेड्डा शेष वाहन पर वैकुंट नारायण अलंकरण में प्रथम दिन के वार्षिक ब्रह्मोत्सवम् में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। यह भव्य आयोजन श्रीनिवास मंगापुरम में रविवार शाम को सम्पन्न हुआ। इस वाहन यात्रा को मंदिर की चारों माडा गलियों में संगीत, भक्ति मंत्रों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ निकाला गया, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं में श्रद्धा और आनंद का अद्भुत वातावरण बना। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के संयुक्त कार्यकारी अधिकारी श्री वीरब्रह्मम, मंदिर अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस भव्य वाहन सेवा में शामिल हुए।

सिद्दिपेट के गांवों में बाघ का हमला जारी, जंगल अधिकारी सतर्क

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट मंडल के गांवों में बाघ ने शनिवार रात को एक बार फिर मवेशियों पर हमला किया, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। इस दौरान घनापुर, अक्केणापल्ली और बसवापुरम गांवों में बाघ ने मवेशियों को मार डाला।

घनपुर में बाघ ने किसान बाल रेड्डी का एक बछड़ा मार डाला, जिसे उन्होंने पिछली शाम अपने खेत के पास बांधा हुआ था। रविवार सुबह जब वे पशुशाला पहुंचे, तो उन्हें एक बछड़ा मृत और एक गंभीर रूप से घायल मिला। इसके बाद बाघ उत्तर की ओर अक्केणापल्ली और बसवापुरम गांवों की ओर बढ़ गया और वहां मवेशियों को भी निशाना बनाया। सूचना मिलने पर जंगल अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाघ के पगचिह्नों का पता लगाने में जुट गए। अधिकारी कैमरा ट्रैप लगाकर आगे मवेशियों को नुकसान पहुंचाने से रोकने के उपाय कर रहे हैं। जंगल विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी है।

मौजूदा जिलों को समाप्त करने का कोई योजना नहीं: रेवंत रेड्डी

श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की , मुख्यमंत्री ने भूपालपल्ली जिले का दौरा किया

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार का मौजूदा जिलों को समाप्त करने का कोई इरादा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का कोई भी जिला समाप्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, नए जिलों की स्थापना करने की कोई योजना भी नहीं है। भूपालपल्ली जिला अपनी पूरी तरह से अस्तित्व में रहेगा। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए गलत सूचना फैलाना हो रहा है। अपने चुनाव प्रचार के तहत, रेवंत रेड्डी ने रविवार को भूपालपल्ली जिले का दौरा किया। रेजोंडा मंडल के कोडवतानचा में पहुंचकर, मुख्यमंत्री ने श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर का दौरा किया और पास के बालालयम (बाल मंदिर)में विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर में चल रहे पुनर्निर्माण और विकास कार्यों की समीक्षा की, जिनके लिए 12.15 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने इस योजना के तहत निर्मित गेस्टहाउस का उद्घाटन किया। बाद में, उन्होंने घनापुरम मंडल के चेलस्टर क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार सिंगरेनी कर्मचारियों के खिलाफ कोई भी निर्णय नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के अस्तित्व में सिंगरेनी कर्मचारियों का योगदान महत्वपूर्ण है। रेवंथ रेड्डी ने चेताया कि कुछ लोग सरकार के खिलाफ हानिकारक प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आयोजित सामक्का सारलम्मा जातरा को दक्षिण भारतीय कुंभ मेला समान महत्वपूर्ण आयोजन बताते हुए, बसर से भद्राचलम तक के मंदिरों को पर्यटन स्थलों में विकसित करने और वन क्षेत्रों में रिसॉर्ट बनाने की योजनाओं का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेताओं पर चुनावी बॉन्ड के माध्यम से व्यापारियों से 1500 करोड़ रुपए की वसूली करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'बीआरएस का मतलब है ब्लैकमेल राजकीय समिति, और यह पार्टी लगातार काले कार्यों में डूबती जा रही है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कालवाकुंटला किशन राव में तब्दील होकर बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव और उनके पुत्र के.टी. रामाराव की गिरफ्तारी में बाधा डाली।'

उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी नेता गांधी परिवार को परेशान कर रहे हैं, जिन्होंने महत्वपूर्ण बलिदान दिए हैं, जिनकी जांच सीबीआई और ईडी द्वारा हो रही है। उन्होंने पूछा कि कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार में शामिल केसीआर को अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया और फ़ॉर्मूला-ई कार रेस मामले में केटीआर को सुरक्षा क्यों दी गई। कार्यक्रम में मंत्री श्रीधर बाबू, कोन्डा सुरेखा, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित कई अन्य उपस्थित थे।

गांजा तस्करी का भंडाफोड़

एसटीएफ ने 5.24 किलोग्राम गांजा किया जब्त, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 'ऑपरेशन धूलपेट' के तहत निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग की एसटीएफ टीम ने शनिवार को जुम्मेरात बाजार स्थित एक मकान पर छापेमारी कर 5.24 किलोग्राम गांजा बरामद किया। प्राप्त सूचना के आधार पर टीम ने विकास सिंह उर्फ विक्की के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान एक कमरे में छिपाकर रखा गया 5.24 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। अधिकारियों के अनुसार विकास सिंह कुछ लोगों से गांजा खरीदकर अपने साथियों की मदद से शहर में ग्राहकों को बेचता था। इस मामले में विकास सिंह, मिथिलाल सिंह, आकाश सिंह और विशाल सिंह को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी के दौरान टीम ने चार मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। मामले में शामिल चार अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

नगर पालिका चुनाव में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ा

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी 11 फरवरी को होने वाले पूर्व मेदक जिले के नगर पालिका चुनावों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। इस बार महिलाओं ने पुरुषों को नामांकन में पीछे छोड़ दिया।

जिले की 19 नगर पालिकाओं में कुल 403 वार्ड हैं। इन वार्डों में कुल 1,657 नामांकन दाखिल हुए हैं, जिनमें से 885 नामांकन महिलाओं द्वारा और 772 नामांकन पुरुषों द्वारा दाखिल किए गए। यद्यपि 50 प्रतिशत वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, इसके बावजूद महिलाओं के नामांकन संख्या आरक्षण की सीमा से अधिक रही, जो जिले में उनकी बढ़ती राजनीतिक रुचि को दर्शाती है। 19 नगर पालिकाओं में से 12 नगर पालिका अध्यक्ष पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। उदाहरण के लिए, संगारेड्डी नगर पालिका, जो सामान्य श्रेणी में महिलाओं के लिए आरक्षित थी, में महिलाओं ने 101 नामांकन दाखिल किए, जबकि पुरुषों ने केवल 75।

इसी तरह, इस्नापुर नगर पालिका, महिलाओं के लिए आरक्षित, में 61 महिलाओं ने नामांकन किया, जबकि पुरुष केवल 40। वहीं, सामान्य श्रेणी में आरक्षित नगरपालिका (जहाँ पुरुष और महिलाएं अलग-अलग श्रेणी में अध्यक्ष बन सकते हैं) में पुरुषों के नामांकन अधिक रहे। जैसे, गुम्मदिदला नगर पालिका, जो बीसी सामान्य श्रेणी में आरक्षित थी, में पुरुषों के नामांकन 59 और महिलाओं के 34 रहे। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी केवल उम्मीदवारों तक सीमित नहीं है। कई नगर पालिकाओं में महिला मतदाता पुरुषों से अधिक हैं। 19 नगर पालिकाओं में कुल 5.03 लाख मतदाता दर्ज हैं, जिनमें महिला मतदाता पुरुषों से लगभग 6,000 अधिक हैं। इस बार के परिणाम यह संकेत देते हैं कि पूर्व मेदक जिले में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लगातार बढ़ रही है, और वे चुनावी राजनीति में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

जहीराबाद में बीआरएस नेता के आवास पर पुलिस छापा

पार्टी नेताओं ने उत्पीड़न का लगाया आरोप

संगारेड्डी, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात पुलिस की एक विशेष कार्य बल टीम ने जहीराबाद स्थित भारत राष्ट्र समिति के नेता देवी प्रसाद के आवास पर छापा मारा। उस समय देवी प्रसाद अन्य पार्टी नेताओं, विधायक के. माणिक राव और पूर्व डीसीएमएस अध्यक्ष मलकापुरम शिव कुमार के साथ चर्चा कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार तलाशी अभियान रविवार तड़के लगभग दो बजे तक चला, लेकिन पुलिस को वहां से कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर पुलिस के माध्यम से उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया। नेताओं का कहना है कि जहीराबाद नगर निगम चुनावों में भारत राष्ट्र समिति की संभावित जीत की आशंका के चलते यह कदम उठाया गया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि तीनों वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री टी. हरीश राव की सोमवार को प्रस्तावित चुनावी प्रचार बैठक की तैयारियों को लेकर एकत्रित हुए थे।

सबूत नष्ट करने के लिए सीएम रेवंत ने रचा एफएसएल अग्निकांड : के.टी. रामाराव

बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने लगाए कई गंभीर आरोप

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष, के.टी. रामाराव ने रविवार को गंभीर आरोप लगाए कि नंपल्ली स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में हाल ही में हुई आग कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा लंबे समय से लंबित 'वोट-के-लिए-नोट' मामले से जुड़े महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने के लिए जानबूझकर रची गई साजिश थी। हनमकोंडा में के.टी. रामाराव ने दावा किया कि यह घटना अंतिम चरण में पहुँच चुके मामले में फोरेंसिक सामग्री को स्थायी रूप से नष्ट करने के लिए मंच-निर्मित थी। उन्होंने आग की परिस्थितियों पर गंभीर संदेह व्यक्त किया, जिसमें सर्दियों में अत्यंत सुरक्षित सुविधा में आग लगना, 24 घंटे कार्यरत होने वाली प्रयोगशाला में कर्मियों का अनुपस्थित होना, और राज्य सरकार द्वारा नुकसान की मात्रा को लेकर विरोधाभासी बयान शामिल थे। प्रारंभ में अधिकारियों ने दावा किया कि नुकसान न्यूनतम था। लेकिन बाद में प्रथम सूचना रिपोर्ट से पता चला कि 2015 से दस वर्षों के सबूत पूरी तरह नष्ट हो गए। यह अचानक बदलाव केवल साजिश के संदेह को और मजबूत करता है। उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि तीन मंजिला इमारत में आग बुझाने में ढाई घंटे से अधिक समय कैसे लगा, जबकि आग कथित रूप से केवल पहली मंजिल तक सीमित थी। उनके अनुसार, संगणक, सर्वर और डिजिटल अभिलेख भी जलकर नष्ट हो गए, लगभग पचास प्रणाली नष्ट हो गईं, जिससे महत्वपूर्ण फोरेंसिक डेटा मिट गया। के.टी. रामाराव ने चिंता व्यक्त की कि इस घटना में हजारों गंभीर आपराधिक मामलों से जुड़े सबूत खो गए, जिससे खतरनाक अपराधियों को न्याय से बचने का अवसर मिल सकता है। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री दिल्ली के प्रभावशाली व्यक्तियों के मौन समर्थन के साथ कार्य कर रहे हैं और इस मामले की गहन जांच की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने और अपने प्रमुख विभागों के माध्यम से निष्पक्ष, उच्च-स्तरीय जांच आदेश देने का अनुरोध किया।

साइबर अपराध पर बड़ी कार्रवाई, 117 मामले दर्ज

71.91 लाख की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई गई

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद ने जनवरी 2026 के दौरान साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 117 एफआईआर दर्ज की हैं। विशेष अभियानों के तहत पुलिस ने 7 राज्यों से 37 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो 26 मामलों में संलिप्त पाए गए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, क्राइम्स एवं एसआईटी, हैदराबाद सिटी, एम. श्रीनिवासुलु के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की संलिप्तता देशभर में 86 साइबर अपराध मामलों में पाई गई है और उनके बैंक खातों में करीब 65 करोड़ रुपये के लेनदेन का पता चला है। कार्रवाई के दौरान 71,91,371 की राशि सफलतापूर्वक पीड़ितों को वापस दिलाई गई। अपराध के प्रकारों में निवेश धोखाधड़ी 15, डिजिटल अरेस्ट 2, सोशल मीडिया अपराध 4, बिजनेस फ्रॉड 1, गेमिंग फ्रॉड 1, जॉब फ्रॉड 3 के तीन मामले शामिल है। जनवरी 2026 में ज़ोनल साइबर सेल्स को 1706 एनसीआरपी याचिकाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 315 एफआईआर दर्ज की गईं। यह वृद्धि सी -मित्र पहल के कारण हुई है। ज़ोनल साइबर सेल ने देशभर में 13 मामलों में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर 10,65,003 की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई। महत्वपूर्ण मामलों में एक हैदराबाद निवासी युवक की शिकायत पर दर्ज मामले में सामने आया कि एक महिला ने खुद को यूके स्थित एज़्योर डेवऑप्स इंजीनियर बताकर मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए संपर्क किया। महिला ने पीड़ित का विश्वास जीतकर उसे बिट्क्वाइन नामक क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में निवेश के लिए प्रेरित किया। शुरुआत में 2,663 का फर्जी मुनाफा दिखाकर भरोसा बनाया गया। बाद में पीड़ित से यूपीआई, बैंक ट्रांसफर और बाइनेंस यूएसडीटी के जरिए 11,20,500 की रकम निवेश करवाई गई। जब पीड़ित ने राशि निकालने का प्रयास किया, तो उसे और पैसा लगाने के लिए दबाव डाला गया। कुल मिलाकर पीड़ित को 11,17,834 का नुकसान हुआ। इस मामले में अपराध संख्या 2085/2025 के तहत आईटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने गज्जुवाका (आंध्र प्रदेश) निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 5 मोबाइल फोन और 10 सिम कार्ड जब्त किए हैं। साइबर क्राइम पुलिस ने आम जनता से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि ठग लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं।

तीन मल्टी-लेवल फ्लाईओवर का निर्माण तेज़ गति से जारी

आईआईटी जंक्शन पर चल रहा है कार्य

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद आईटी बेल्ट में यातायात की गंभीर समस्या को दूर करने के लिए आईआईटी जंक्शन, खजागुड़ा और विप्रो जंक्शन पर तीन मल्टी-लेवल फ्लाईओवर का निर्माण तेजी से जारी है। यह जानकारी ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने दी। जीएचएमसी के अनुसार, परियोजना का उद्देश्य इस क्षेत्र में सिग्नल-रहित कॉरिडोर बनाना है, जिससे आईटी पेशेवरों और आम यात्रियों की यात्रा समय में भारी कटौती होगी। परियोजना के तहत आईआईटी जंक्शन पर गहरी खुदाई और पिलर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारी मशीनरी तैनात कर दी गई है और पिछले कुछ महीनों में मिट्टी की जांच भी पूरी कर ली गई है। वर्तमान में, इस क्षेत्र में सुबह 8 बजे से 11 बजे और शाम 4 बजे से 10 बजे तक यात्रियों को भारी जाम का सामना करना पड़ता है। पिछले वर्ष की बारिशों के दौरान स्थिति और बिगड़ गई थी, जब लगातार बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं और यातायात ठप हो गया। जीएचएमसी इस बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार में 800 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। योजना में तीन फ्लाईओवर के साथ-साथ आईआईटी जंक्शन पर विशेष अंडरपास भी शामिल है। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद यात्री एक भी ट्रैफिक सिग्नल से परेशान नहीं होंगे। इससे यात्रा का समय कम होगा और ईंधन की खपत भी घटेगी। परियोजना मई 2028 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

ड्राइविंग लाइसेंस में पता अद्यतन न कराने से बढ़ सकती हैं परेशानियां

परिवहन अधिकारियों ने दी ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाने की सलाह

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पड़ोसी राज्यों और तेलंगाना के विभिन्न जिलों से हजारों लोग रोजगार और व्यवसाय के लिए हैदराबाद में आकर बस गए हैं। इनमें से कई लोग अब भी अपने पुराने गृहनगर के पते वाला ड्राइविंग लाइसेंस उपयोग कर रहे हैं, जो वर्षों पहले जारी किया गया था। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ड्राइविंग लाइसेंस में वर्तमान पते को अद्यतन न कराने से लाइसेंस नवीनीकरण और आधिकारिक सत्यापन के समय जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान आवासीय पते वाला ड्राइविंग लाइसेंस एक महत्वपूर्ण पहचान पत्र है और इससे परिवहन से जुड़ी कई सेवाएं प्राप्त करना आसान होता है।

कागजी कार्यवाही और सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम करने के लिए सड़क परिवहन प्राधिकरण ने पता परिवर्तन की प्रक्रिया को ऑनलाइन माध्यम से सरल बना दिया है।

यह सुविधा केंद्र सरकार के परिवहन पोर्टल पर उपलब्ध है, जिससे अन्य राज्यों से तेलंगाना आए निवासियों को सुविधा मिल रही है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बिजली बिल या गैस बिल जैसे वैध पते के प्रमाण के साथ मूल ड्राइविंग लाइसेंस जमा करना अनिवार्य है। 40 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को चिकित्सा फिटनेस प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। ऑनलाइन आवेदन और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में दस्तावेजों के सत्यापन के बाद अद्यतन स्मार्ट कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस आवेदक के वर्तमान पते पर डाक के माध्यम से भेज दिया जाता है। परिवहन अधिकारियों ने अपने मूल स्थान से बाहर रह रहे सभी निवासियों को सलाह दी है कि वे किसी भी कानूनी या प्रशासनिक परेशानी से बचने के लिए अपने ड्राइविंग लाइसेंस में वर्तमान पता अवश्य दर्ज कराएं।

प्रियंका चोपड़ा हैदराबाद की यादें साथ लेकर लौटीं

जल्द फिर जुड़ेंगी फिल्म 'वाराणसी' से

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी आने वाली नाट्य फिल्म 'वाराणसी' के नए कार्यक्रम की शूटिंग पूरी कर ली है। हैदराबाद से लॉस एंजिल्स लौटते समय वह अपने साथ हैदराबाद की एक खास याद भी ले गईं। प्रियंका ने अपने सामाजिक माध्यम पर हैदराबाद के प्रसिद्ध बन मस्का की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि वह हैदराबाद की एक यादगार चीज अपने साथ ले जा रही हैं और जल्द ही फिर मिलेंगी।

इससे पहले प्रियंका ने बताया था कि निर्देशक एस.एस. राजामौली की फिल्म के लिए हैदराबाद में यह उनका इस महीने का अंतिम कार्य दिवस था। उन्होंने कहा कि वह अपनी अंग्रेजी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लफ' के प्रचार के लिए लॉस एंजिल्स जा रही हैं और प्रचार पूरा होते ही दोबारा 'वाराणसी' के सेट पर लौटेंगी। प्रियंका चोपड़ा फिल्म 'वाराणसी' में मुख्य भूमिका मंदाकिनी निभा रही हैं। यह फिल्म लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में उनकी वापसी मानी जा रही है। फिल्म के पहले पोस्टर में प्रियंका पीले रंग की साड़ी में पिस्तौल पकड़े नजर आई थीं।

इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र की भूमिका में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के किरदार में दिखाई देंगे। इसी बीच महेश बाबू ने फिल्म 'द ब्लफ' के ट्रेलर की सराहना की है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा के अभिनय को मजबूत और प्रभावशाली बताया तथा फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। फिल्म 'द ब्लफ' में प्रियंका एक खतरनाक समुद्री डाकू के रूप में नजर आएंगी। यह फिल्म 25 फरवरी को दर्शकों के सामने आने की उम्मीद है।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 314 आरोपी गिरफ्तार

तीन व्यक्तियों को जुर्माने के साथ जेल की सजा

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में विशेष शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रंक ड्राइविंग) की जांच अभियान चलाया, जिसमें 314 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया कि शराब के प्रभाव में वाहन चलाना गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे में वाहन चलाकर दुर्घटना करता है और किसी की मौत हो जाती है, तो ऐसे व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (हत्या का दोष जो हत्या नहीं माना जाएगा) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के तहत अधिकतम 10 वर्षों की जेल और जुर्माना लगाया जा सकता है। पिछले सप्ताह में कुल 266 ड्रंक ड्राइविंग मामलों को न्यायालय में निपटाया गया, जिनमें 3 व्यक्तियों को जुर्माने के साथ जेल की सजा हुई। इसके साथ ही 19 व्यक्तियों को जुर्माना के साथ सामाजिक सेवा की सजा मिली। 244 व्यक्तियों को सिर्फ जुर्माना लगाया गया।

सीएम ने अचानक लिया कार्यों का जायजा

कहा– गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा के भीतर पूरा हो काम

पटना, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज फिर अचानक अपने आवास से निकले बिदुपुर पहुंच गए। वहां उन्होंने कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के निर्माण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए चल रही सभी योजनाओं को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि बचे हुये कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

आवागमन के साथ-साथ कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का तेजी से होगा विकास

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के बचे हुये कार्यों को तेजी से पूर्ण कर लीजिए। साथ ही पहुँच पथ का भी निर्माण कार्य पूर्ण कर लीजिए ताकि आवागमन निर्बाध और सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने कहा कि कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से निर्बाध सड़क संपर्कता मिलेगी। इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का और तेजी से विकास होगा। आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में इलाज के लिये पटना पहुँचने में मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना के प्रथम चरण के लोकार्पण के बाद पटना से राघोपुर तक की सम्पर्कता बहाल हो चुकी है। इस परियोजना के निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण करते रहे हैं और इसे जल्द पूरा करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित करते रहे हैं।

महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का भार होगा कम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से महात्मा गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम होगा तथा उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार की सम्पर्कता के लिये लोगों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिलेगा, जिससे आवागमन और सुगम होगा। इस पुल के निर्माण से पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी के साथ आवागमन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आमस-दरभंगा एक्सप्रेस-वे से कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल परियोजना जुड़ेगा, जिससे समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी की तरफ जानेवाले लोगों को काफी सहूलियत होगी और समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की थी ड्रीम प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 जून 2025 को कच्ची दरगाह, पटना से राघोपुर दियारा, वैशाली तक नवनिर्मित पथांश का उद्घाटन किया था। पटना जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सख्या-103 पर अवस्थित बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 कि०मी० लम्बाई के 6 लेन ग्रीन फिल्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 9.76 कि०मी० लम्बा पुल तथा 10 कि0मी0 लम्बा पहुंच पथों का निर्माण कार्य होना है। प्रथम चरण में कच्ची दरगाह, पटना से राघोपुर दियारा, वैशाली का उद्घाटन हो चुका है। यह कुल कुल लम्बाई 4.57 कि०मी० है। द्वितीय चरण में हाजीपुर-महनार पथ से चकसिकन्दर तक तथा तृतीय चरण में राघोपुर दियारा से हाजीपुर-महनार पथ का निर्माण किया जा रहा है।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र 11 फरवरी को पेश होगा

9 लाख करोड़ के बजट का है अनुमान

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार का बजट सत्र आज से शुरू होने जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से 11 फरवरी को पेश होने वाले बजट का आकार इस बार करीब 9 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। सरकार का मुख्य ध्यान प्रदेश के विकास और आम लोगों की सुविधाओं पर रहेगा। खासतौर पर सड़क, पुल, शहरों के विकास और बुनियादी ढांचे पर बड़ा खर्च किए जाने की संभावना है।

पिछले वित्तीय वर्ष में यूपी का बजट करीब 8.08 लाख करोड़ रुपये था, जो उससे पहले के साल से 9.8 प्रतिशत ज्यादा था। अब आने वाला बजट इससे भी बड़ा होगा और इसमें जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। सरकार युवाओं के रोजगार, किसानों की मदद और गरीब व जरूरतमंद वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाओं के लिए अच्छी खासी रकम रख सकती है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को और मजबूत करने की तैयारी है, ताकि हर नागरिक तक इनका लाभ सही तरीके से पहुंच सके। बजट में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी ध्यान रहेगा।

अनुमान है कि कुल बजट का करीब 25 प्रतिशत हिस्सा इंफ्रास्ट्रक्चर, 15 प्रतिशत शिक्षा, 12 प्रतिशत कृषि, 8 प्रतिशत स्वास्थ्य और 5 प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य विकास के साथ-साथ वित्तीय संतुलन बनाए रखना भी है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बीते दिनों विधानमंडल के वर्ष 2026 के प्रथम सत्र के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सत्र के दौरान किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों के बारे में भी जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सत्र के दौरान किसी भी स्तर पर सुरक्षा में चूक न हो तथा समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं।

विधानसभा अध्यक्ष ने क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) की तैनाती, एंटी एक्सप्लोसिव एवं एंटी सबोटाज जांच व्यवस्था, सभी प्रवेश द्वारों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा विधायकों के साथ आने वाले सुरक्षा कर्मियों के बैठने की समुचित व्यवस्था के बारे में जाना और आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा विधान भवन परिसर में सदस्यों के निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन, सुरक्षा जांच की प्रभावी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक गरिमा एवं संसदीय परंपराओं की रक्षा के लिए सुरक्षा एवं सुविधा संतुलन अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे, पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा से 'शुभ' संकेत की तलाश, 29 मार्च को दादरी से हुंकार भरेंगे अखिलेश

क्या फिर दोहराएगा 2012 का इतिहास?

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अभी भले ही दूर हों, लेकिन सियासी गलियारों में हलचल अभी से तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने 2027 की सत्ता हासिल करने के लिए अपनी रणनीति का खुलासा कर दिया है। यूपी की सियासत में 'अशुभ' माने जाने वाले नोएडा से अखिलेश यादव अपने चुनावी अभियान का आगाज करने जा रहे हैं। 28-29 मार्च को नोएडा के दादरी से 'समाजवादी समानता भाईचारा रैली' और 'पीडीए भागीदारी यात्रा' की शुरुआत होगी, जो धीरे-धीरे पूरे प्रदेश के हर जिले में पहुंचेगी। नोएडा (गौतमबुद्धनगर) से इस अभियान की शुरुआत को सियासी गलियारों में एक बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, कमजोर किले को फतह करने की रणनीति सपा के लिए नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का यह इलाका चुनावी लिहाज से हमेशा कठिन रहा है। 2022 के चुनाव में बीजेपी ने यहां क्लीन स्वीप किया था। अब अखिलेश यादव इसी 'कमजोर कड़ी' को अपनी ताकत बनाना चाहते हैं। पार्टी का मानना है कि यदि इस इलाके में संगठन को मजबूत कर लिया गया, तो पूरे प्रदेश के चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। इस पूरी मुहिम की कमान सपा के तेजतर्रार प्रवक्ता राजकुमार भाटी को सौंपी गई है।

नोएडा के 'अशुभ' मिथक को चुनौती

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दशकों से एक मिथक रहा है कि जो भी मुख्यमंत्री नोएडा जाता है, उसकी कुर्सी चली जाती है। इसी डर से अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्री काल (2012-2017) के दौरान कभी नोएडा का दौरा नहीं किया था। हालांकि, 2017 और 2022 में नोएडा से दूरी बनाने के बावजूद उन्हें सत्ता नहीं मिली। अब अखिलेश ने इस अंधविश्वास को पीछे छोड़ते हुए 2012 के उस 'शुभ संकेत' को चुना है, जब उन्होंने नोएडा से ही साइकिल यात्रा शुरू की थी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी।

'संविधान बचाओ- पीडीए बचाओ' का बुलंद नारा

सपा प्रमुख अपने विशेष रथ (बस) पर सवार होकर पूरे प्रदेश का भ्रमण करेंगे। इस यात्रा का मुख्य नारा 'संविधान बचाओ- पीडीए बचाओ' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) होगा। लोकसभा चुनाव 2024 में मिली बड़ी सफलता के बाद सपा अब इसी पीडीए फॉर्मूले को विधानसभा स्तर पर और अधिक विस्तार देने में जुटी है।

कमजोर किले को फतेह करने की तैयारी

नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा का प्रदर्शन पिछले चुनावों में निराशाजनक रहा था। 2022 के चुनाव में बीजेपी ने गौतमबुद्धनगर की सभी सीटों पर कब्जा किया था। अखिलेश यादव की रणनीति इस बार साफ है कि मार्च के पहले हफ्ते में दादरी में बड़ा गुर्जर सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें 142 विधानसभाओं के प्रतिनिधि जुटेंगे। पश्चिमी यूपी में यादव वोटर कम होने के कारण पार्टी गुर्जर, मुस्लिम और दलित गठजोड़ को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। पार्टी हर सीट पर सर्वे करा रही है और 'एसआईआर' में सक्रिय नेताओं को तरजीह दी जाएगी।

कफ सिरप कांड : शुभम जायसवाल का सहयोगी अमित गिरफ्तार

दिवेश जायसवाल समेत पांच और गिरफ्तार, तीन पर 25–25 हजार का इनाम

वाराणसी, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी करने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है।

थाना कोतवाली कमिश्नरेट वाराणसी पर दर्ज मुकदमा संख्या 235/2025 से संबंधित वांछित पांच अभियुक्तों को एसआईटी टीम ने गिरफ्तार किया है। इनमें तीन अभियुक्त 25-25 हजार रुपये के इनामी और वारंटी हैं। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे फर्जी व कूटरचित जीएसटी इनवॉइस और ई-वे बिल के जरिए रांची (झारखंड) स्थित शैली ट्रेडर्स के माध्यम से कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की भारी खेप मंगवाते थे। इस सिरप को औषधीय उपयोग के बजाय नशे के लिए देश के विभिन्न राज्यों में मेडिकल फर्मों के जरिए खपाया जाता था।

गिरोह के सदस्य शुभम जायसवाल के केबीएन प्लाजा स्थित कार्यालय में बैठक कर पूरी साजिश रचते थे। यहीं तय होता था कि पैसा कैसे बैंकों में जमा कराना है और फर्मों को नकद भुगतान कैसे करना है। अभियुक्तों ने कबूल किया कि अब तक करीब 25 लाख बोतलों की तस्करी कर हवाला के जरिए 40 करोड़ रुपये का अवैध कारोबार किया गया, जिसमें से करीब आठ करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक लाभ उन्हें मिला। पश्चिम बंगाल, बिहार और त्रिपुरा में भी उनकी खेप पकड़ी गई थी, जिसके बाद ई-वे बिल बनाकर जवाब भेजे गए। पुलिस ने अभियुक्तों को भोरसर लिंक रोड, मिर्जापुर बाईपास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त अमित जायसवाल (25 हजार का इनामी, दिवेश जायसवाल (25 हजार का इनामी) अभिनव कुमार यादव, घनश्याम मौर्य, अंकुश सिंह (25 हजार का इनामी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद आज पहली बार बिहार दौरे आएंगे नितिन नवीन, पटना में जबर्दस्त तैयारी

पटना, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार सोमवार यानी कल बिहार दौरे पर आ रह हैं। वह दो दिन पटना में रहेंगे।

बिहार भाजपा की ओर से सारी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। वह दो दिन कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सोमवार को बापू सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में अभिनंदन समारोह का आयोजन होगा। इसे लेकर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह भी है।

10 फरवरी को लौट जाएंगे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नौ फरवरी को पटना आएंगे और 10 फरवरी को वापस लौट जाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने दो दिनों के पटना प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

बैठक में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में घोषित होने के बाद नितिन नवीन का पटना में पहला आगमन हो रहा है, यह हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का विषय है।

चार सदस्यीय एक टीम गठित की गई है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि सभी लोगों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पटना प्रवास के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों और सफल संचालन के लिए चार सदस्यीय एक टीम गठित की गई है, जिसमें प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा, लाजवंती झा, शिवेश राम और प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु शामिल हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पटना आगमन और उनके स्वागत तथा अभिनंदन के लिए उस दिन विभिन्न जिलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में पटना पहुंचेंगे।

4 डांसर्स ने पिया जहर 3 की मौत

सहरसा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नशा करने के लिए कीटनाशक को पानी में मिलाकर पीने से 4 दोस्तों की हालत बिगड़ गई। इसमें तीन युवकों की मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। घटना शनिवार की कनरिया थाना क्षेत्र के फरेवा गांव की है। मृतकों की पहचान फरेवा गांव निवासी मुरारी सदा (18), राजा कुमार (20) और सनी देओल कुमार (20) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक का नाम सनोज कुमार (18) है। चारों गांव में लौंडा डांस का कार्यक्रम करते थे। परिजनों ने बताया कि राजा कुमार अपने पीछे दो बेटियों को छोड़ गए हैं, जबकि सनी देओल कुमार की करीब छह महीने पहले शादी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस तारीख के बाद हो सकता है बड़ा ऐलान

पंचायत चुनाव को लेकर मंत्री ओपी राजभर ने दिया बिग अपडेट

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण सियासत में हलचल तेज हो गई है। 'गांव की सरकार' कब चुनी जाएगी? क्या चुनाव टल जाएंगे? इन तमाम कयासों और सियासी चर्चाओं पर पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सुल्तानपुर में पूर्णविराम लगा दिया है। मंत्री राजभर के तेवरों से साफ है कि चुनावी मशीनरी अब 'गियर' बदल चुकी है और यूपी में पंचायत चुनावों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

राजभर ने चुनावी तैयारियों का कच्चा चिट्ठा खोलते हुए बताया कि अब पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, चुनाव के लिए जरूरी मतपत्रों की छपाई पूरी हो चुकी है। इतना ही नहीं, यूपी के सभी 75 जिलों में मतपत्रों की खेप भेजी जा चुकी है। प्रशासन ने अपनी तरफ से सारी बाधाएं दूर कर ली हैं। वोटर लिस्ट को लेकर चल रही उत्सुकता पर राजभर ने बड़ा अपडेट दिया। उन्होंने एलान किया कि 28 तारीख को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

दरोगा के होटल में देह व्यापार

शादीशुदा महिलाएं करती थी जिस्मफरोशी का गंदा काम, आपत्तिजनक हालत में पकडे गए 7 लोग, ग्राहक देखकर होती थी वसूली

बरेली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में बड़ा बाइपास पर स्थित "अपना ढाबा" में देह व्यापार का मामला सामने आया है। सीओ हाईवे ने पुलिस टीम के साथ छापा मारकर इस अवैध धंधे का खुलासा किया। मौके से ढाबा मैनेजर समेत चार युवक और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। ढाबा संचालक फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, सीओ हाईवे शिवम आशुतोष को काफी दिनों से ढाबे में गलत काम होने की सूचना मिल रही थी। रात उन्होंने इंस्पेक्टर भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह और पुलिस टीम के साथ ढाबे पर छापा मारा। पुलिस ने ढाबे के कमरों की तलाशी ली, जहां तीन महिलाएं और तीन युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। सभी को पकड़कर थाने लाया गया।

दरोगा का है ढाबा

पुलिस ने मौके से ढाबा मैनेजर कुंवरपाल यादव को भी गिरफ्तार किया है, जो रामपुर जिले के शहजादनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। बताया गया कि यह ढाबा एक दरोगा का है, जिसे गजेंद्र सिंह ने किराये पर ले रखा था। छापे के दौरान गजेंद्र सिंह फरार हो गया। पुलिस को ढाबे से एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल, सात मोबाइल फोन, 2200 रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। सीओ हाईवे की ओर से सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया है।

ग्राहकों से होती थी सौदेबाजी

पूछताछ में तीनों महिलाओं ने बताया कि उन्हें कुंवरपाल और गजेंद्र बुलाते थे। ग्राहक से 500 से 2000 रुपये तक लिए जाते थे। जो ग्राहक कुंवरपाल के जरिए आते थे, उनमें से वह अपना कमीशन काट लेता था।

एक्सयूवी कार से 76.5 किलो गांजा बरामद

भोजपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय गांजा तस्कर गिरोह का खुलासा किया।

एक्सयूवी कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। ओडिशा से खेप लाई जा रही थी।

जब्त गांजा का कुल वजन करीब 76.500 किलोग्राम है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपए में आंकी जा रही है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी, पकड़ी मोहल्ला निवासी अविनाश कुमार, अरमान तिवारी और विजेन्द्र कुमार के तौर पर हुई है।

पुलिस के अनुसार, अविनाश कुमार वाहन चालक की भूमिका में था, जबकि विजेन्द्र कुमार सहचालक बताया गया है। इस मामले में इंस्पेक्टर सह नवादा थानाध्यक्ष विपिन बिहारी के बयान पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में गोढ़ना रोड निवासी जितेन्द्र कुमार और वाहन मालिक को भी नामजद किया गया है।

जितेन्द्र कुमार को इस गिरोह का मुख्य सरगना है।

भारत-अमेरिका टैरिफ समझौता यूपी के लिए अवसर

अर्थव्यवस्था को देगा नई गति : सीएम योगी

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत जारी टैरिफ ज्वाइंट स्टेटमेंट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताते हुए कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करेगा।

उन्होंने कहा कि समझौते में किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों को पूर्ण रूप से संरक्षित रखा गया है, साथ ही 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी और युवाओं व महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

एमएसएमई इकाइयों की सीधे निर्यात में भागीदारी बढ़ने की संभावना

मुख्यमंत्री योगी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में प्रस्तावित कटौती से उत्तर प्रदेश के निर्यात-आधारित क्लस्टर्स को संरचनात्मक बढ़त मिलेगी। भदोही-मिर्जापुर कार्पेट, वाराणसी सिल्क, कानपुर-आगरा लेदर, मेरठ-मुरादाबाद होम डेकोर तथा पूर्वांचल के टेक्सटाइल उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धा में लाभ होगा। चुनिंदा कृषि उत्पादों और प्रोसेस्ड फूड पर शून्य शुल्क से मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, जबकि फार्मा, मशीनरी और ऑटो कंपोनेंट्स को वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे एमएसएमई इकाइयों की सीधे निर्यात में भागीदारी बढ़ने की संभावना है।

'सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर निवेश को भी इस समझौते से प्रोत्साहन मिलेगा। संवेदनशील कृषि क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखते हुए किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के लिए निर्यात, निवेश और रोजगार सृजन के लिहाज से दीर्घकालिक अवसर करार देते हुए कहा कि यह समझौता राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

नहीं मिला एक भी घुसपैठिया कई माह चलाया अभियान

मेयर ने कहा था लखनऊ में दो लाख बांग्लादेशी और रोहिंग्या

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कई माह के सर्च ऑपरेशन के दौरान लखनऊ में पुलिस को एक भी बांग्लादेशी नहीं मिला। सत्यापन के दौरान ऐसा कोई व्यक्ति नहीं पाया गया, जो अवैध रूप से राजधानी आकर बसा हो। पुलिस ने सभी के दस्तावेज खंगाले हैं। ऑपरेशन अभी जारी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था के अनुसार, शासन के निर्देश पर राजधानी के पांचों जोन में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया है। अलग-अलग इलाकों में पुलिस टीम ने झुग्गी झोपड़ियों में जाकर छापा मारा था। इस दौरान वहां रहने वाले लोगों से उनका पहचान पत्र मांगा गया था। छानबीन में सामने आया कि झुग्गियों में रहने वाले ज्यादातर लोग असम के हैं।

ईडी ने तैयार किया सीजीएसटी के घूसखोर अधिकारियों की संपत्तियों का ब्योरा, कसेगा मददगारों पर भी शिकंजा

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। घूसखोरी के आरोप में पुलिस की गिरफ्त में आए सीजीएसटी के झांसी कार्यालय के अधिकारियों की मुश्किलें और बढ़ने वाली है। ईडी ने आरोपित अधिकारियों की संपत्तियों का ब्योरा तैयार कर लिया है। ईडी के अधिकारी जल्द ही अदालत की अनुति के बाद तीनों आरोपितों से पूछताछ करेंगे।

सीबीआइ ने 31 दिसंबर को झांसी में छापेमारी कर सीजीएसटी की डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी, कर अधीक्षक अनिल तिवारी व अजय शर्मा सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके ठिकानों से 70 लाख रुपये, गहने और कई संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए गए थे। इसके बाद ईडी ने इस मामले में मनी लांड्रिंग को लेकर जांच शुरू की थी। ईडी की अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपितों के बैंक खातों से बड़ी रकम दूसरे खातों में स्थानांतरित की गई थी। झांसी के कुछ व्यापारियों ने सीजीएसटी कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार के सबूत भी सीबीआइ को दिए थे। इन सबूतों को सीबीआइ ने ईडी के साथ साझा किया है। साथ ही आरोपित कर्मियों की तीन आडियो रिकार्डिंग भी जांच करने वाले अफसरों को उपलब्ध कराई गई हैं।

देशभर में साइबर ठगी करने में शामिल गिरोह का भंडाफोड़

12 गिरफ्तार, व्हाटसऐप ग्रुप से चलता था पूरा खेल

अलीगढ़, 8 फरवरी (एजेंसियां)। साइबर पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर देश भर में साइबर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उत्तर प्रदेश सहित छह राज्यों से उसके कथित 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि गिरोह के विदेश से भी संबंध होने के संकेत मिले हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अमृत जैन ने कहा कि आरोपियों को पिछले 24 घंटों में ओडिशा, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। गिरोह देशभर में व्हाटसऐप ग्रुप के जरिए शेयर बाजार में निवेश के नाम पर साइबर ठगी करने में संलिप्त था। जैन ने कहा कि दूरसंचार मंत्रालय के साथ समन्वय कर अलीगढ़ पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने लगभग 600 व्हाटसऐप ग्रुप की पहचान की, जिनका इस्तेमाल देश भर के निवेशकों को प्रलोभन देने और ठगी करने में होता था। पुलिस ने दावा किया कि समय पर कार्रवाई से लगभग 500 करोड़ रुपये के अनुमानित धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिली, जिससे देश भर में 1.5 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हो सकते थे। एसपी ने कहा कि यह मामला तब सामने आया जब पंजाब नेशनल बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक दिनेश शर्मा ने 31 जनवरी को साइबर अपराध प्रकोष्ठ से संपर्क किया और व्हाटसऐप ग्रुप-आधारित निवेश योजना के जरिये 11 लाख रुपये की ठगी की शिकायत की। पुलिस के मुताबिक, शर्मा को कथित तौर पर हर हफ्ते 40 प्रतिशत तक मुनाफा दिलाने का प्रलोभन दिया गया था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए साइबर अपराध प्रकोष्ठ शर्मा से ठगे गए 5.64 लाख रुपये वापस पाने में सफल रही और जांच के दौरान एक बड़े गिरोह के शामिल होने की जानकारी मिली। साइबर अपराध प्रकोष्ठ विदेश से काम कर रहे सरगना का पता लगाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और इंटरपोल से मदद मांगेगी। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

गैंगस्टर अमित गूलिया को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत, मां की सर्जरी के लिए मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। 27 संगीन मामलों के साथ मकोका के तहत आरोपित गैंगस्टर अमित गूलिया को दिल्ली हाई कोर्ट ने चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि आरोपित की मां के गुठने की सर्जरी द्वारका स्थित एक अस्पताल में होनी है। ऐसे में आरोपित को 11 फरवरी से चार मार्च तक के लिए 50 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया जाता है। अदालत ने साथ ही चेतावनी दी कि इस दौरान किसी गवाह को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेगा। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि आरोपित के खिलाफ 27 मामले दर्ज है। याचिका ने अंतरिम जमानत की मांग करते हुए कहा कि उसकी मां के गुठने का ऑपरेशन 12 फरवरी को होना है, ऐसे में चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए उसे अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए।

कर्नाटक कांग्रेस महात्मा गांधी को राम से अलग करने की कोशिश कर रही: बसवराज बोम्मई

गदग (कर्नाटक), 8 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर महात्मा गांधी को भगवान राम से अलग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने 'जी राम जी' योजना के फायदों को गिनाने के लिए एक बड़े जागरूकता अभियान का आह्वान किया। इसके साथ ही, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में कथित भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए। बसवराज बोम्मई ने एक कार्यक्रम में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्र की आत्मा हैं। साथ ही, भगवान राम गांधी की आत्मा थे।

उन्होंने आरोप लगाया, दोनों को अलग करना असंभव है, लेकिन राज्य सरकार ऐसा करने की कोशिश कर रही है। बोम्मई ने कहा कि देश ने महात्मा गांधी से 'सत्यमेव जयते' और 'सत्य की खोज में उपवास' दो मुख्य सिद्धांत सीखे। उन्होंने कांग्रेस पर 'गांधी' के नाम का दुरुपयोग करने और उनके आदर्शों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का महात्मा गांधी से कोई वंश संबंध नहीं था। कांग्रेस ने ऐतिहासिक रूप से गांधी के मूल्यों का पालन किए बिना उनके नाम पर राजनीति की है। भाजपा सांसद ने कांग्रेस पर भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर को चुनाव में हराया गया। उन्हें कैबिनेट से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया और उनकी मृत्यु के बाद दिल्ली में उनके स्मारक के लिए जमीन नहीं दी गई।

इसके विपरीत जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के स्मारक मौजूद हैं। वर्तमान राज्य सरकार को 'शून्य-उपलब्धि वाली सरकार' बताते हुए बोम्मई ने कहा कि एनडीए के तहत मनरेगा के लिए आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने 2013 में 33 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए थे, जबकि वर्तमान केंद्र सरकार ने फंडिंग बढ़ाकर 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर दी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जहां केंद्र 100 दिनों के लिए मजदूरी प्रदान करता है, वहीं राज्य सरकार अतिरिक्त धन की मांग करती है, लेकिन प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में विफल रहती है। बोम्मई ने 'मनरेगा' में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने अपने जिला प्रभारी मंत्री के कार्यकाल के दौरान बेलगावी और कालाबुरागी के मामलों का हवाला दिया, जहां अधिकारियों को जेल भेजा गया था और सीबीआई जांच के आदेश दिए गए थे। उन्होंने फर्जी बिलों और एजेंटों के माध्यम से दुरुपयोग का दावा किया। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू किए गए तकनीकी सुधारों ने ऐसी प्रथाओं को रोकने में मदद की है।

कांग्रेस पर झूठे डेटा से लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार आवास लाभार्थियों, जल जीवन मिशन और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फंड जारी करने में फेल रही है। उन्होंने अल्पसंख्यक लोन पर चुनिंदा ब्याज माफी की भी आलोचना की। भाजपा सांसद ने कहा कि पिछड़े वर्गों, दलितों, महिला स्वयं सहायता समूहों और किसानों को नजरअंदाज किया गया।

'सत्ता हमारे लिए जनता की सेवा का माध्यम', दिल्ली सरकार का एक साल पूरा होने पर बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में सरकार का एक साल पूरा होने पर रेखा गुप्ता सरकार का राम लीला मैदान में कार्यक्रम हो रहा है। इसमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद हैं। कार्यक्रम के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सत्ता हमारे लिए सुख भोगने के लिए नहीं बल्कि जनता की सेवा का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 8 फरवरी 2025 का दिन ऐतिहासिक था क्यो की इस दिन दिल्ली की सत्तर में से 48 सीट पर बीजेपी के विधायक जीताकर सरकार बनाने का रास्ता पूरी तरफ से साफ कर दिया।

और ये राम लीला मैदान कई संघर्ष और आंदोलन का गवाह है और ये वही राम लीला मैदान है जहां अन्ना आंदोलन हुआ और इसी राम लीला मैदान में कसम खाई थी की राजनीति में नहीं जाएँगे गाड़ी घर नहीं लेंगे। सीएम ने ये भी कहा, इसी राम लीला मैदान ने उन्हें सत्ता तक पहुंचाया लेकिन दिल्ली की जानता ने उतार कर दिल्ली में कमल खिला दिया। 27 साल बाद दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनी और उसी दिन से दिल्ली विश्वास का पनपना शुरू हुआ और उसी दिन से दिल्ली में हमारे 48 विधायक जनता की सेवा में जुट गए। दिल्ली की जितनी लटकी भटकी समस्याए है उनका हल किया जाए। उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम भी एक बड़ा कार्यक्रम है जिसमे 500 नई ई बसे जनता को समर्पित की जा रही है और 2028 तक दिल्ली में 14000 हज़ार बसे दिल्ली की सड़को पर दौड़ती नजर आये। दिल्ली की जो समस्या है पर्यावरण की उसमे भी ये बसे बहुत सहयोगी साबित होगी। हम मेट्रो का विस्तार कर रहे है और दिल्ली मेट्रो के लिए हमने पांच हजार करोड़ का बजट तय किया।

पाकिस्तान की जेल में मृत पाए गए भारतीय मछुआरे का शव लाया गया भारत

अहमदाबाद, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में पिछले महीने मृत पाए गए एक भारतीय मछुआरे का शव भारत लाया गया। शनिवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले स्थित उसके पैतृक गांव में शव पहुंचा तो परिजन बिलख-बिलख के रोने लगे। इस बीच, ये भी बात सामने आई कि भारतीय मछुआरे की पाकिस्तान के जेल में मौत कैसे हुई है? जाफराबाद के मत्स्य अधिकारी ओए मकरानी ने बताया कि जिले के ऊना तालुका के चिखली गांव निवासी भगभाई बंभानिया की 16 जनवरी को कराची की एक जेल में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी। मकरानी ने कहा कि उनका शव वाघा सीमा (पंजाब) पर मत्स्य विभाग की एक टीम को सौंपा गया था। बंभानिया के पार्थिव शरीर को हवाई जहाज से अहमदाबाद लाया गया और फिर सड़क मार्ग से पैतृक गांव पहुंचाया गया।

बंभानिया को पाकिस्तानी अधिकारियों ने 18 फरवरी, 2022 को उस समय गिरफ्तार कर लिया था, जब उनकी नौका 'बुराक' भटक कर अनजाने में अंतरराष्ट्रीय जल सीमा पार कर गई थी। पाकिस्तान की कोर्ट ने बाद में उन्हें दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई। हालांकि, 2022 में अपनी सजा पूरी करने के बाद भी वे लंबे समय तक जेल में ही रहे। अधिकारियों ने बताया कि जेल में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। काफी देरी के बाद और दोनों देशों की सरकारों के बीच प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद, मछुआरे का शव भारत वापस लाया गया।

बलद्वाड़ा में भाजपा पदाधिकारी बिजली चोरी करते हुए पकड़ा एक लाख रुपये जुर्माना

मंडी, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के गृह जिला मंडी के बलद्वाड़ा क्षेत्र में बिजली चोरी का एक मामला सामने आया है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी को बिजली बोर्ड की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है। जांच में बिजली चोरी के स्पष्ट प्रमाण मिलने के बाद आरोपी पर करीब एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जिसे मौके पर ही डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से विभाग को जमा करवा दिया गया। जानकारी के अनुसार, रोपड़ी गांव निवासी वर्तमान में पार्टी में जिला उपाध्यक्ष के पद पर तैनात हैं, बीते लगभग एक वर्ष से अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे थे। बिजली विभाग को लंबे समय से उनके परिसर में लगे मीटर की खपत को लेकर संदेह था, क्योंकि खपत का ग्राफ लगातार असामान्य रूप से कम दर्ज हो रहा था। जबकि 125 यूनिट मुफ्त बिजली सुविधा के बावजूद मीटर रीडिंग शून्य के आसपास बनी हुई थी। इसी आधार पर बिजली विभाग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने निरीक्षण किया।

देश से गद्दारी: कौन है रानी काकड़े? जिसने आईएसआई को दी एयरफोर्स स्टेशन हलवारा की खुफिया जानकारी; एजेंसियां अलर्ट

लुधियाना, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस और खुफिया एजेंसियों को लुधियाना के कस्बा सुधार बाजार नई आबादी अकालगढ़ की रानी काकड़े पर वायु सेना केंद्र हलवारा आईएसआई एजेंट को देने का शक है। इसकी गहनता से जांच शुरू कर दी गई है। रानी और उसके साथी राजस्थान के ट्रैवल एजेंट रवि कुमार के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संबंधों का खुलासा होने पर हड़कंप मच गया है। रानी और रवि पर मिलकर पंजाब और अन्य राज्य को लोगों को विदेश भेजने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी करने और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। पंजाब की खुफिया एजेंसियों ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। रानी के पिता किशन लाल काकड़े भारतीय वायु सेना केंद्र हलवारा से (सिविलियन मुलाजिम) सेवामुक्त हुए थे। रानी के पिता और मां की मौत हो चुकी है। रानी काकड़े का एक भाई वायु सेना केंद्र में सफाई सेवक है। पुलिस और खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि वायु सेना केंद्र की महत्वपूर्ण जानकारी, फोटो और वीडियो भी रानी काकड़े द्वारा आईएसआई एजेंट मेहमूद भट्टी को उपलब्ध करवाए हो सकते हैं। रानी का लुकआउट नोटिस भी जारी किया जा रहा ताकि उसे भारत आने की सूरत में गिरफ्तार किया जा सके।

नेपाल से लगते सभी भारतीय बॉर्डर फोर्स को भी अलर्ट रहने को कहा गया है। भारतीय वायु सेना केंद्र हलवारा कस्बा सुधार नई आबादी अकालगढ़ से सटा है। रानी के परिवार की भारतीय वायु सेना से नाते ने केंद्रीय और पंजाब की खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। रानी काकड़े के रायकोट विधानसभा के बड़े कांग्रेस नेताओं और मुख्यमंत्री पद के दावेदार कांग्रेस नेता से करीबी संबंध रहे हैं। रानी कांग्रेस की इंटरनल विजिलेंस कमेटी की स्थानीय प्रधान भी रही हैं। वे महिला एवं दलित संगठनों में विभिन्न पदों पर काम कर चुकी हैं। रानी दुबई में रह चुकी हैं और एक स्थानीय ब्यूटी पार्लर मालिक महिला के साथ मिलकर कई लड़कियों और लड़कों को दुबई में नौकरी के लिए भेज चुकी हैं। सुधार बाजार के एक दूकानदार ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पिछली बार अजरबैजान से आई रानी ने उसे भी धंधे में शामिल करने के लिये रुपयों का लालच दिया था। रानी लुधियाना अदालत में चल रहे मुकदमे में पीओ है। जगरांव अदालत में भी उसके खिलाफ केस चल रहा है।

रानी के सभी बैंक खाते अटैच

रानी के आईएसआई के संबंध होने की खबर से उसके रिश्तेदारों कई स्थानीय कांग्रेस नेताओं कार्यकर्ताओं और उसके साथ रुपयों का लेनदेन करने वालों की नींद उड़ गई है। 42 वर्षीय रानी ने शादी नहीं की है और अपने पिता की सरकारी पेंशन भी ले रही है। रानी के एसबीआई, एक्सिस, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक में खाते हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां इन सभी बैंक खातों को खंगाल रही हैं। वो सभी बैंक खाते भी राडार पर आ गए हैं जिनके साथ रानी का लेनदेन चल रहा था। उसके सभी बैंक खाते अटैच कर दिए गए हैं।

इन दिनों रेस्टोरेंट में कर रही काम

काउंटर इंटेलिजेंस के एडीजीपी द्वारा लिखे पत्र में बताया गया है कि रानी अजरबैजान में आईएसआई एजेंट मेहमूद भट्ट के रेस्टोरेंट शाह-इन में काम कर रही है। वह भारत के लोगों खासकर युवाओं को अजरबैजान से कनाडा इंग्लैंड और अन्य देशों में भेजने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ रही है। साथ ही उन्हें आईएसआई के लिए काम करने को मजबूर किया जाता है। आईएसआई एजेंट मेहमूद भट्ट भारतियों को देश विरोधी काम के लिए बरगला रहा है और न कहने पर जुल्म ढहाया जाता है।

जिसे अनाथ आश्रम में छोड़ा, वो लड़का बना नीदरलैंड में मेयर
40 साल बाद मां को खोजता हुआ क्यों आया नागपुर

नागपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अपनी जड़ों से जुड़ने की तड़प और अपनी जन्म देने वाली मां को एक बार देख लेने की चाहत इंसान को सात समंदर पार खींच लाती है। यह कहानी है नीदरलैंड के हीम्स्टेडे शहर के मेयर फाल्गुन बिन्नेंडिज्क की, जो 40 साल बाद अपनी असली पहचान की तलाश में महाराष्ट्र के नागपुर लौटे हैं। फाल्गुन का जन्म 10 फरवरी 1985 को नागपुर मेडिकल कॉलेज में हुआ था। उनकी मां उस समय मात्र 21 वर्ष की थीं और अविवाहित थीं। सामाजिक लोक-लाज और बदनामी के डर से उन्होंने अपने तीन दिन के कलेजे के टुकड़े को नागपुर की संस्था 'मातृसेवा संघ' को सौंप दिया था। बाद में, एक डच दंपति ने उन्हें गोद लिया और वे नीदरलैंड चले गए।

आज नीदरलैंड में एक सफल जीवन और राजनीतिक सम्मान पाने के बावजूद, फाल्गुन के मन में अपनी मां के प्रति कोई कड़वाहट नहीं है। वे कहते हैं, महाभारत में कर्ण और कुंती की कहानी ने मेरे मन पर गहरा प्रभाव डाला। मेरा मानना है कि दुनिया के हर 'कर्ण' को उसकी 'कुंती' से मिलने का पूरा अधिकार है।

उनकी इस भावना का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम भी अपनी जैविक मां के नाम पर रखा है।

फाल्गुन की यह तीसरी भारत यात्रा (2017 और 2024 के बाद) एक मायने में बहुत खास रही। उनकी मुलाकात मंगला भुसारी से हुई, जो मातृसेवा संघ की पूर्व अधीक्षिका हैं। यह मंगला भुसारी ही थीं, जिन्होंने 40 साल पहले इस अनाथ बच्चे का नाम 'फाल्गुन' रखा था। अपने नामकरण करने वाली महिला से मिलना फाल्गुन के लिए बेहद भावुक रहा, हालांकि मां का पता अब भी एक रहस्य बना हुआ है।

नाबालिग समेत दो सगी बहनों से रेप

ग्वालियर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में नाबालिग समेह दो सगी बहनों से रेप की घटना में साढ़े चार महीने बाद मामला दर्ज किया गया है। 22 साल की विवाहिता और उसकी नाबालिग बहन के साथ उसके ही मौसेरे भाई ने अपने दोस्त के साथ दुष्कर्म किया है। चार महीने पहले 26 सितंबर 2025 को शीतला मंदिर पर वह अपने दोस्त के साथ उनको मिला था। रात अधिक होने पर घर छोड़ने गए। मौसेरा भाई और उसका दोस्त वहीं रुके और रात को गंदी हरकत की। घटना बिजौली थाना स्थित एक गांव की है। सुबह दोनों बहनों को लेकर वह स्टेशन पहुंचे। यहां उनसे शादी का झांसा देकर 40 हजार रुपए और चांदी की पायल लेकर भाग गए। डरी सहमी बहनों ने अब जाकर मामले की शिकायत की है। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दुष्कर्म केस में आरोपित बरी

नाबालिग बोली-पहली बार मिली थी, अदालत में साबित हुआ पहले से जानती थी

चंडीगढ़, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म केस में युवक को जिला अदालत से बड़ी राहत मिली है। शिकायत में नाबालिग ने कहा कि वह पहली बार मिली थी, जबकि अदालत में यह साबित हुआ कि युवक और नाबालिग एक-दूसरे को पहले से जानते थे। ऐसे में दुष्कर्म केस साबित नहीं हो पाया और अदालत ने अंबाला का रहने वाले रोहित कुमार को बरी कर दिया।

इस मामले में चंडीगढ़ के सेक्टर-36 थाना पुलिस ने तीन साल पहले आईपीसी की धारा 376, 376(2)(एन), 506 और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। नाबालिग ने शिकायत दी कि रोहित उसे होटल में ले गया और दुष्कर्म किया। आपत्तिजनक तस्वीरें ली और बाद में ब्लैकमेल करने लगा। वहीं, रोहित का केस लड़ने वाले वकील दविंदर सिंह ने अदालत में कहा कि आरोपित को इस केस में फंसाया गया है। उसे नहीं पता था कि लड़की नाबालिग है।

वह दोनों एक-दूसरे को काफी समय से जानते थे। दोनों के बीच सहमति से संबंध बने थे। लड़की ने शिकायत में कहा था कि वह पहली बार 16 अगस्त 2023 को चंडीगढ़ में मिले और वहां उसने एक होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। जबकि अदालत में यह साबित हो गया कि दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते थे। ऐसे में अदालत ने माना कि लड़की बार-बार अपने बयान बदल रही थी, इसलिए उसकी गवाही पर संदेह जाता है। ऐसे में अदालत ने आरोपित को बरी करार दे दिया।

'मेरी शादी कहीं और तय हो गई है' गर्लफ्रेंड ने की सगाई तो बेंगलुरु के बॉडी बिल्डर ने किया सुसाइड

बेंगलुरु, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक 26 साल के बॉडी बिल्डर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। कहा जा रहा है कि उसने यह कदम तब उठाया, जब गर्लफ्रेंड ने उसे बताया कि उसकी शादी किसी दूसरे आदमी से तय हो गई है। पेश से जिम ट्रेनर और बॉडी बिल्डर किरण पिछले तीन सालों से एक लड़की के साथ रिलेशनशिप में था। शनिवार को जब वो गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा तो उसने बताया कि उसकी शादी किसी और व्यक्ति से तय कर दी गई है। यह सुनकर वो अपसेट हो गया और अपने महालक्ष्मी लेआउट वाले घर लौट आया। बताया गया है कि वह काफी परेशान दिख रहा था और खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद कथित तौर पर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पत्नी की गोली मारकर हत्या

ग्वालियर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में रात एक शख्स ने पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी से किसी बात को लेकर बहस हुई थी, जिसके बाद गुस्से में उसने कट्टा निकालकर तीन-चार गोलियां चला दीं। गोली सीधे सीने पर लगने से महिला मौके पर ही गिर गई और उसकी मौत हो गई। यह घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र की दर्पण कॉलोनी के पास स्थित मॉडल स्कूल के पास हुई। मृतका का नाम रूचि तोमर (45 वर्ष) है।

आरोपी पति सोनू तोमर है। जानकारी के अनुसार, शाम लगभग 11 बजे दोनों के बीच घरेलू बहस हुई, जो धीरे-धीरे हाथापाई और गुस्से में बदल गई। बहस के दौरान सोनू ने कट्टा निकालकर पत्नी पर फायर कर दिया। गोली की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे, लेकिन तब तक सोनू घर से भाग चुका था। महिला फर्श पर लहूलुहान पड़ी मिली। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक रूचि की जान नहीं बचाई जा सकी।

दिल्ली से जैसलमेर जा रही स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस में लगी आग, लोको पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर में रविवार को एक चलती ट्रेन में आग लगने से यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, रेलवे अधिकारियों की सतर्कता से आग पर जल्द काबू पा लिया गया और इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह आग स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस के एक कोच के नीचे लगी, जो दिल्ली से जैसलमेर जा रही थी। यह घटना जैसलमेर के जेठा चंदन रेलवे स्टेशन के पास हुई। अधिकारियों के अनुसार, लोको पायलट ने समय रहते खतरे को भांप लिया और ट्रेन को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रोक दिया।

रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई

ट्रेन रुकते ही रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। फायर एक्सटिंग्विशर और उपलब्ध संसाधनों की मदद से कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान यात्रियों में थोड़ी देर के लिए घबराहट जरूर हुई, लेकिन स्थिति जल्द सामान्य हो गई। रेलवे अधिकारियों ने साफ किया है कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। आग बुझने के बाद ट्रेन को दोबारा जांचा गया और फिर उसे जैसलमेर के लिए रवाना कर दिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

हाल ही घटी थी की एक और घटना

यह घटना उस मामले के कुछ हफ्तों बाद सामने आई है, जब 14 जनवरी को पोखरण रेलवे स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के एक कोच में आग लग गई थी। उस समय ट्रेन प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी और धुआं उठता देखा गया था। रेलवे स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। उस घटना में भी किसी के घायल होने या जान जाने की खबर नहीं थी और सुरक्षा जांच के बाद ट्रेन को आगे जाने की अनुमति दे दी गई थी।

कश्मीर विधानसभा में दिखा अनोखा नजारा, उमर के बजट की धज्जियां उड़ा रही थीं भाजपा विधायक

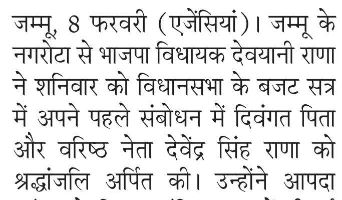

जम्मू, 8 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू के नगरोटा से भाजपा विधायक देवयानी राणा ने शनिवार को विधानसभा के बजट सत्र में अपने पहले संबोधन में दिवंगत पिता और वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए आवंटित बजट में की गई भारी कटौती सहित कई महत्वपूर्ण जनहित मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा प्रस्तुत किए गए 2026-27 के बजट पर चर्चा करते हुए देवयानी राणा ने कहा कि आपदा प्रबंधन के फंड में कटौती चिंताजनक है, विशेषकर जब जम्मू-कश्मीर जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज राहत व्यवस्था, बेहतर तैयारी और मजबूत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

बांग्लादेश आईएसआई का कठपुतली, वीएचपी नेता विनोद बंसल: जेलों में कितने हिंदू सड़ रहे होंगे

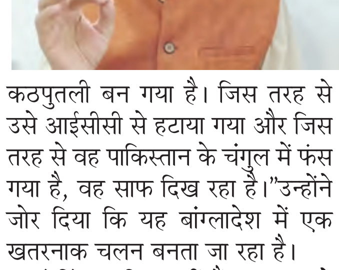

ढाका, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। पड़ोसी देश में लगातार अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ रही हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बांग्लादेश के हिंदू नेता और पूर्व मंत्री रमेश चंद्र सेन की जेल में मौत की खबरों ने एक बार फिर इस चिंता को बढ़ा दिया है। हिंदू नेता की हत्या पर वीएचपी नेता विनोद बंसल ने कहा, "अगर एक पूर्व मंत्री के साथ ऐसा हो सकता है, तो सोचिए कितने और हिंदू बांग्लादेश की जेलों में सड़ रहे हैं। वहां लगातार मौतें हो रही हैं, हाल ही में 2-3 घटनाएं सामने आई हैं और पिछले 2 महीनों में, लगभग 2 दर्जन हिंदुओं को इन चरमपंथियों और आतंकवादियों ने बेरहमी से मार डाला है।" विनोद बंसल ने कहा, "यह बर्बरता का काम है और यह बहुत निंदनीय है।

बांग्लादेश सरकार, खासकर चुनाव नज़दीक होने के कारण, ऐसा लगता है कि हिंदुओं को मारकर वे जिहादियों को खुश कर सकते हैं। उन्हें इस मानसिकता से बाहर निकलने की ज़रूरत है। बांग्लादेश आईएसआई का कठपुतली बन गया है। जिस तरह से उसे आईसीसी से हटाया गया और जिस तरह से वह पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया है, वह साफ दिख रहा है।"उन्होंने जोर दिया कि यह बांग्लादेश में एक खतरनाक चलन बनता जा रहा है।

वहां हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, सरकार को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और दुनिया को भी इस पर ध्यान देना चाहिए। रमेश चंद्र सेन बांग्लादेश की पूर्व हसीना सरकार में मत्री थे। 85 साल के सेन को हत्या समेत तीन मामलों में 2024 में गिरफ्तार किया गया था। जेल में ही वह लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। शुरुआती खबरों में नकी मौत की वजह बीमारी को बताया गया है, हालांकि एक्टिस्ट और खई उन से जुड़ों लोग इसे जेल में हत्या मान रहे हैं।

ईरान से डील की तैयारी!

ट्रंप और नेतन्याहू की बुधवार को वॉशिंगटन में महा-बैठक

वॉशिंगटन, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में मचे घमासान के बीच अब बातचीत का दौर शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को वॉशिंगटन में मुलाकात करेंगे। इस मीटिंग का सबसे बड़ा मुद्दा ईरान के साथ होने वाली न्यूक्लियर डील (परमाणु समझौता) है। द जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, पीएम नेतन्याहू इस मीटिंग से पहले अपनी कैबिनेट और गठबंधन के नेताओं के साथ बड़ी बैठक करेंगे। 'वल्ला' की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू का मानना है कि ईरान के साथ कोई भी समझौता तब तक अधूरा है, जब तक उसमें उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों पर रोक न लगे और ईरान द्वारा दूसरे देशों में चलाए जा रहे 'सशस्त्र गुटों' को मिलने वाली मदद बंद न हो।

ट्रंप बोले- ईरान डील चाहता है

ट्रंप ने एयरफोर्स वन (राष्ट्रपति विमान) में पत्रकारों को बताया कि पिछले ओमान की राजधानी मस्कट में हुई बातचीत 'बहुत अच्छी' रही। ट्रंप के अनुसार, ईरान के तेवर अब ढीले पड़ते दिख रहे हैं और वे समझौता करना चाहते हैं। ट्रंप ने साफ कर दिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाएंगे। इस बातचीत में खास बात यह रही कि इसमें ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ के साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची मौजूद थे। हालांकि यह बातचीत इनडायरेक्ट (परोक्ष) थी, लेकिन अरागची ने अल जजीरा को बताया कि उन्होंने अमेरिकी डेलीगेशन से हाथ मिलाया और सीधी बातचीत भी की।

ईरान का पलटवार: 'मिसाइलों पर बात नहीं होगी'

भले ही अमेरिका और इजरायल दबाव बना रहे हों, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने दो टूक कह दिया है कि ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम पर न अभी बात करेगा और न ही भविष्य में। दोहा में उन्होंने इजरायल पर निशाना साधते हुए कहा कि दुनिया का नजरिया 'दोहरा' है। उनका आरोप है कि इजरायल को तो हथियारों का जखीरा बढ़ाने की छूट है, लेकिन ईरान से निशस्त्रीकरण की मांग की जाती है।

तनाव के बीच बातचीत: अमेरिका ने भेजी समुद्री फौज

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब पिछले साल अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हवाई हमले किए थे। एक तरफ बातचीत चल रही है, तो दूसरी तरफ ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका का एक बड़ा समुद्री बेड़ा (यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप) ईरान की तरफ बढ़ रहा है। ट्रंप ने इसे 'अरमाडा' (जंगी जहाजों का बेड़ा) कहा है, जो किसी भी स्थिति के लिए तैयार है।

कैलिफोर्निया में तेज रफ्तार का कहर, बेकाबू कार ने चार को रौंदा; हादसे के बाद ड्राइवर को लेकर बड़ा खुलासा

कैलिफोर्निया, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया के एक खूबसूरत पहाड़ी शहर कार में एक डरावना हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति ने जानबूझकर कार को ट्रकी के सेफवे गोरसरी स्टोर के सामने घुसा दिया और वहां मौजूद पैदल यात्रियों को घायल कर दिया। इस घटना में चार लोग घायल हुए, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने बताया 49 साल का ड्राइवर, जो सैन जोआक्विन वैली के कोलिंग्का का रहने वाला है, जानबूझकर पैदल यात्रियों और स्टोर को टक्कर मार रहा था। पुलिस ने इस बात की भी जानकारी दी इस घटना में किसी को भी गंभीर की चोटें नहीं आई है। वहीं घटनास्थल पर मौजूद 39 वर्षीय स्कॉटी मैथ्यूसन ने बताया कि वो अपनी पत्नी के साथ खरीदारी कर रहे थे, तभी उन्होंने जोर की आवाज और चीख-पुकार सुनी। उनकी पत्नी ने तुरंत 911 को फोन किया।

4 भारतीय छात्रों समेत कई घायल, रूस के यूनिवर्सिटी हॉस्टल में सनसनी! चाकू से किया हमला

मास्को, 8 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। राजधानी ऊफा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के विदेशी छात्रों के छात्रावास में अचानक हिंसा भड़क उठी। छात्रावास के खेल कक्ष में एक किशोर के चाकू से किए गए हमले में 4 भारतीय छात्रों समेत कम से कम आठ लोग घायल हो गए। इस हमले में ड्यूटी पर पहुंचे दो पुलिस अधिकारी भी जख्मी हुए हैं। रूसी गृह मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि चाकू लेकर एक किशोर छात्रावास में घुसा और वहां मौजूद छात्रों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

अचानक हुए इस हमले से हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर ने गिरफ्तारी का विरोध किया और इसी दौरान उसने दो पुलिसकर्मियों पर भी चाकू से वार कर दिया। रूस में भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि ऊफा में हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में चार भारतीय छात्र घायल हुए हैं। दूतावास लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में है।

वहीं, काजान स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी घायल छात्रों की मदद के लिए ऊफा रवाना हो चुके हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर की पहचान 15 वर्षीय किशोर के रूप में हुई है। पुलिस कार्रवाई के दौरान वह खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे बच्चों के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, घायल छात्रों और पुलिसकर्मियों का इलाज स्थानीय क्लिनिकल अस्पताल में चल रहा है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर घायलों की पहचान और उनकी राष्ट्रीयता सार्वजनिक नहीं की गई है। कुछ रूसी टेलीग्राम चैनलों का दावा है कि पीड़ितों में कम से कम चार भारतीय छात्र शामिल हैं। जांच एजेंसियों ने मामला दर्ज कर पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

क्यूबा-वेनेजुएला मुद्दे पर अमेरिका को लूला की दो टूक, कहा- वेनेजुएला का फैसला वहां के लोग करेंगे

क्यूबा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने क्यूबा और वेनेजुएला के आंतरिक मामलों में अमेरिका की भूमिका पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश की समस्याओं का समाधान वहां के लोगों को ही करना चाहिए, न कि किसी बाहरी ताकत को दखल देना चाहिए। शनिवार को बहिया राज्य के साल्वाडोर शहर में वर्कर्स पार्टी की 46वीं वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति लूला ने कहा कि ब्राजील क्यूबा के लोगों के साथ पूरी एकजुटता में खड़ा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्यूबा की जनता एक ऐसी त्रासदी का सामना कर रही है, जिसे अमेरिकी नीतियों और अटकलों ने ज्यादा गंभीर बना दिया है। राष्ट्रपति लूला ने कहा, 'हमारा देश क्यूबा के लोगों के साथ खड़ा है, और एक राजनीतिक दल के रूप में हमें उनके लिए मदद के रास्ते तलाशने चाहिए।' लूला ने वेनेजुएला के मुद्दे पर भी अमेरिका को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, 'वेनेजुएला की समस्या का समाधान वेनेजुएला के लोग खुद करेंगे, न कि संयुक्त राज्य अमेरिका या ट्रंप।' इस बीच, अमेरिका और क्यूबा के बीच बातचीत को लेकर भी बयानबाजी तेज हो गई है। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने क्यूबा के नेतृत्व की ओर से जताई गई शंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीति के लिए भी तैयार हैं और दोनों देशों के बीच संवाद पहले से ही चल रहा है।

एक पत्रकार ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि क्यूबा अमेरिका से बातचीत तभी करेगा जब वह बिना दबाव, बिना शर्त, बराबरी के स्तर पर और संप्रभुता के सम्मान के साथ हो। साथ ही, क्यूबा सरकार ने डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को भी नकारा कि दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। इस पर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि क्यूबा सरकार आखिरी दौर में है और देश के हालात बेहद खराब हैं, इसलिए उसे अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ बयान देने में समझदारी दिखानी चाहिए।

हालांकि, उन्होंने यह भी दोहराया कि राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा कूटनीतिक बातचीत के लिए तैयार रहते हैं। लेविट ने आगे दावा किया कि अमेरिका और क्यूबा सरकार के बीच बातचीत वास्तव में इस समय भी चल रही है।

भर्ती परीक्षाओं में नकल पर दस साल तक की जेल एक करोड़ जुर्माना भी लगेगा

शिमला, 8 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम 2025 को 9 फरवरी से प्रभावी करने की अधिसूचना जारी कर दी है। अब परीक्षाओं में नकल, प्रश्नपत्र लीक, फर्जीवाड़ा और संगठित परीक्षा अपराधों पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा। भर्ती परीक्षा में नकल करने और करवाने वालों को कम से कम पांच और अधिकतम दस साल की कैद और एक करोड़ रुपये का जुर्माना होगा।

इस अपराध को गैर जमानती और संज्ञेय बनाया गया है। अन्य संलिप्त व्यक्ति के लिए कम से कम तीन साल और अधिकतम पांच साल सजा का प्रावधान किया गया है और जुर्माना 10 लाख रुपये होगा। कार्मिक विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल ने अधिनियम के प्रवर्तन की तिथि घोषित की है।

जेलेंस्की ने शांति समझौते को लेकर कर किया बड़ा दावा! अमेरिका की बताई असली मंशा

यूक्रेन, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका चाहता है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर जून महीने तक शांति समझौता हो जाए। उन्होंने यह बात पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

जेलेंस्की के अनुसार, अमेरिका ने बातचीत के लिए एक साफ समय सीमा तय करने का सुझाव दिया है। जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका का कहना है कि वह जून तक सभी जरूरी बातचीत पूरी करना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर तय समय पर समझौता नहीं होता है, तो अमेरिका दोनों देशों पर दबाव बना सकता है। यह संकेत है कि ट्रंप प्रशासन शांति प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है। हाल ही में अमेरिका की मध्यस्थता में अबू धाबी में यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन इसमें किसी बड़े मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई। जमीन के बंटवारे और सुरक्षा की गारंटी जैसे अहम विषय अब भी उलझे हुए हैं।

रूस चाहता है पूर्वी डोनबास इलाके पर नियंत्रण

रूस अब भी यूक्रेन के पूर्वी डोनबास इलाके पर अपना नियंत्रण चाहता है, जिसे यूक्रेन ने साफ तौर पर खारिज कर दिया है। इसके अलावा, जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र को लेकर भी दोनों देशों के बीच कोई समझ नहीं बन सकी है, जो इस समय रूस के कब्जे में है।जेलेंस्की ने यह भी बताया कि अमेरिका ने अगली दौर की बातचीत अमेरिका में कराने का प्रस्ताव दिया है। संभावना है कि यह बैठक अगले हफ्ते मियामी में हो सकती है। यूक्रेन ने इस बैठक में शामिल होने की पुष्टि कर दी है।

रूस के ड्रोन हमले में कई मौतें

रूस की ओर से यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों की वजह से परमाणु बिजली संयंत्रों को उत्पादन कम करना पड़ा है और सर्दियों के दौरान देश में बिजली की भारी कमी हो गई है। अमेरिका ने एक बार फिर ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए युद्धविराम का सुझाव दिया है। यूक्रेन ने इस पर सहमति जता दी है, लेकिन रूस की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के पावलोहराद इलाके में खदान कर्मियों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाया गया। इस हमले में 15 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। हमले के बाद बस में आग लग गई, जिसे दमकल कर्मियों ने बुझाया।

भारी छंटनी के बाद वाशिंगटन पोस्ट के सीईओ विल लुईस ने दिया इस्तीफा, विवादों से रहा पुराना नाता

वॉशिंगटन, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के पब्लिशर और सीईओ विल लुईस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अखबार में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है। लुईस ने कहा कि अखबार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए कठिन फैसले लेने पड़े। वॉशिंगटन पोस्ट ने बताया कि विल लुईस अखबार छोड़ रहे हैं। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि उनके कार्यकाल में अखबार के लंबे समय तक टिके रहने के लिए मुश्किल फैसले जरूरी थे। लुईस ने कहा कि उनका मकसद यह था कि अखबार आने वाले कई सालों तक

लाखों पाठकों तक निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता की पत्रकारिता पहुंचाता रहे। विल लुईस को 2023 में सीईओ बनाया गया था, जब अखबार को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा था। उन्होंने फ्रेड रयान की जगह ली थी, जो करीब एक दशक तक इस पद पर रहे।

अखबार के मुख्य वित्त अधिकारी जेफ डी'ओनोफ्रियो को अंतरिम पब्लिशर और सीईओ बनाया गया है। वॉशिंगटन पोस्ट के मालिक अमेजन संस्थापक जेफ बेजोस हैं। डी'ओनोफ्रियो पिछले साल जून में अखबार से जुड़े थे। इससे पहले वह गूगल और याहू जैसी कंपनियों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कर्मचारियों को भेजे ईमेल में कहा कि आगे के फैसले पाठकों के डेटा के आधार पर लिए जाएंगे, ताकि पाठकों को वही दिया जा सके जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है।

वॉशिंगटन पोस्ट के कर्मचारियों की यूनियन ने लुईस के इस्तीफे का स्वागत किया। यूनियन ने कहा कि उनका जाना बहुत पहले हो जाना चाहिए था। यूनियन का आरोप है कि लुईस के कार्यकाल में अखबार को नुकसान पहुंचा और अब भी हालात सुधारे जा सकते हैं। यूनियन ने जेफ बेजोस से छंटनी वापस लेने या अखबार बेचने की मांग की। वहीं, जेफ बेजोस ने नेतृत्व में बदलाव को अखबार के लिए एक बड़ा अवसर बताया और कहा कि पाठक ही सफलता का रास्ता दिखाते हैं। विल लुईस का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब अखबार ने अपने लगभग एक-तिहाई कर्मचारियों की छंटनी की। यह छंटनी सभी विभागों में हुई। छंटनी के दौरान लुईस की गैरमौजूदगी को लेकर आलोचना हुई। अखबार के पूर्व कार्यकारी संपादक मार्टी बैरन ने इसे अखबार के इतिहास के सबसे अंधेरे दिनों में से एक बताया। लुईस के कार्यकाल में अखबार ने बड़ी संख्या में सब्सक्राइबर भी खोए।

'अमेरिका को खत्म कर रहा इस्लामी प्रवास', रिपब्लिकन सांसद बोले- पाकिस्तान जैसा लगता है डलास

न्यूयॉर्क, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास राज्य से रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने डलास और उसके आसपास के इलाकों में 'इस्लामीकरण' को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि कुछ जगहों पर हालात ऐसे हो गए हैं कि वहां जाने के बाद लगता है कि जैसे आप डलास नहीं, पाकिस्तान में है।' ब्रैंडन गिल ने यह बयान एक इंटरव्यू में दिया।

उन्होंने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के कई लोग उनसे बार-बार शिकायत कर रहे हैं। रिपब्लिकन सांसद के मुताबिक, उनके इलाके में तेजी से मस्जिदें बन रही हैं, कई मस्जिदें ऐसी जमीनों के पास बन रही हैं, जो पीढ़ियों से स्थानीय अमेरिकी परिवारों की रही हैं, पूरे-पूरे

समुदाय 'तेजी से बदल' रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोग बताते हैं कि जब वे अपने स्थानीय मॉल जाते हैं, तो चारों तरफ देखने पर ऐसा लगता है जैसे वे पाकिस्तान में हों, न कि डलास, टेक्सास में।' ब्रैंडन गिल ने सोशल मीडिया पर भी बयान देते हुए कहा कि 'बड़े पैमाने पर इस्लामी प्रवास उस अमेरिका को खत्म कर रहा है, जिसे हम जानते और प्यार करते हैं।' ब्रैंडन गिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में टेक्सास के 26वें कांग्रेस जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे 2024 में चुने गए थे। वे अमेरिकी संसद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका, बजट, निगरानी समितियों के सदस्य हैं। वे डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी सब-कमेटी में भी हैं, जहां उनका फोकस सीमा सुरक्षा, सरकारी खर्च में कटौती और आर्थिक मजबूती पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयान अमेरिका में धार्मिक विविधता, प्रवास और सामाजिक बदलाव को लेकर चल रही बहस को और तेज कर सकते हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी और मानवाधिकार संगठनों की ओर से इस बयान पर प्रतिक्रिया आने की संभावना है।

तैश में आकर भारत से वैक्सीन खरीदना किया बंद दुनिया ने भी फ्री सप्लाई रोकी, मुश्किल में फंसे शहबाज

इस्लामाबाद, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान वैक्सीन संकट में फंस गया है। दरअसल, पिछले साल मई संघर्ष के बाद पाकिस्तान ने तैश में आकर भारत से सस्ती वैक्सीन खरीदना बंद कर दिया था, लेकिन अब उसे दूसरे देशों से फ्री वैक्सीन भी मिलना बंद गया है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने चेतावनी दी है कि पिछले साल के मिलिट्री संघर्ष के बाद भारत से सस्ती वैक्सीन की सप्लाई में रुकावट आने से पाकिस्तान की इकोनॉमी पर भारी दबाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत से सस्ती वैक्सीन सप्लाई बंद होने के बाद उसे अब वैक्सीन खरीदने के लिए तीन गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। पाकिस्तान हर साल करीब 400 मिलियन डॉलर की लागत से वैक्सीन खरीदता है।

जिसमें से 49 प्रतिशत गावी के जरिए काम करने वाले इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन कवर करते हैं, जबकि बाकी 51 प्रतिशत खर्च सरकार को उठाना पड़ता है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सीनियर अधिकारियों का कहना है कि अगर पाकिस्तान में वैक्सीन का स्थानीय उत्पादन शुरू नहीं होता है तो साल 2031 तक सालाना खर्च 1.2 अरब डॉलर से ज्यादा हो जाएगा। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने कहा है कि वैक्सीन देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मदद 2031 तक खत्म हो जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान पारंपरिक रूप से गावी के जरिए इम्यूनाइजेशन के लिए सस्ती वैक्सीन खरीदता रहा है, जो भारत से आती थीं। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध होने के बावजूद गावी लागू रहीं और कोविड संकट के दौरान भी गावी के जरिए ही भारतीय वैक्सीन पाकिस्तान भेजी गईं। भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियों ने गावी के जरिए सस्ती और अच्छी अच्छी क्वालिटी की वैक्सीन पाकिस्तान को उपलब्ध करवाई। लेकिन पिछले साल मई महीने में संघर्ष के बाद भारत से होने वाली सप्लाई बंद हो गई है।

पाकिस्तान की सरकार अपने नागरिकों को कुल 13 तरह की वैक्सीन उपलब्ध करवाती है, लेकिन इनमें से एक भी वैक्सीन देश में नहीं बनती है। जबकि देश की आबादी लगातार बढ़ रही है। पाकिस्तान दुनिया का पांचवां सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है, जिसकी आबादी करीब 24 करोड़ है। पाकिस्तान में हर साल करीब 62 लाख बच्चे पैदा होते हैं, जिन्हें वैक्सीन की जरूरत होती है, इसलिए देश में वैक्सीन की डिमांड लगातार बढ़ती रहती है।

चीन का कमाल! बनाया 28 किमी का समुद्री कॉरिडोर, 20 मिनट में तय होती है 2 घंटे की दूरी

बीजिंग, 8 फरवरी (एजेंसियां)। चीन ने शेन्जेन-झोंगशान लिंक का अनावरण किया है। यह 28 किलोमीटर लंबा एक जबरदस्त समुद्री कॉरिडोर है और इसमें 6.8 किलोमीटर लंबी पानी के अंदर सुरंग भी शामिल है। इंजीनियरिंग की बेजोड़ मिसाल पेश करता यह सी लिंक दो शहरों के बीच यात्रा के समय को लगभग दो घंटे से घटाकर सिर्फ 20 मिनट कर देता है, जिससे ग्रेटर बे एरिया में कनेक्टिविटी बेहतर होती है। इसकी खासियत यह है कि इस कॉरिडोर में प्रीफैब्रिकेटेड सुरंग सेक्शन औरचीन का कमाल! बनाया 28 किमी का समुद्री कॉरिडोर, 20 मिनट में तय होती है 2 घंटे की दूरी एडवांस्ड वेंटिलेशन शामिल है।

खास क्यों है इसकी डिजायन?

तूफानों और तेज लहरों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया यह लिंक इंफ्रास्ट्रक्चर इनोवेशन के लिए एक नए मानक तय करता है। ऊपर से देखने पर यह लिंक पानी के ऊपर उड़ते हुए विशाल पक्षी या समुद्र के ऊपर उड़ती हुई पतंग जैसा जैसा दिखता है।

टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल

इस लिंक पर सुरक्षित यात्रा के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट को ऑप्टिमाइज किया गया है, जिसके लिए बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित कई इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, इंटेलिजेंट रोबोट का इस्तेमाल रोजाना इंस्पेक्शन के लिए समुद्र के नीचे बनी सुरंगों में भी किया जाता है।

बनने में लगा 14 साल से ज्यादा का वक्त

यह लगभग 137,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है, जो लगभग 19 फुटबॉल मैदानों के आकार का है और लिंगडिंगयांग के पानी में स्थित है। शेन्जेन-झोंगशान लिंक का पश्चिमी आर्टिफिशियल आइलैंड बे एरिया में एक नया समुद्री लैंडमार्क बन गया है। इस प्रोजेक्ट में पुल, द्वीप, सुरंगें और पानी के नीचे इंटरचेंज शामिल हैं। इसे पूरा होने में 14 साल से ज्यादा का समय लगा, जिसमें 15,000 से ज्यादा मजदूरों ने काम किया।

बंदूकधारियों का आतंक, 3 लोगों को किया गोलियों से छलनी, पादरी समेत 11 लोग हुए किडनैप

अबुजा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नाइजीरिया में शनिवार को एक बार फिर बंदूकधारियों का आतंक देखने को मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तरी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने तड़के एक गांव पर हमला किया जिसमें 3 ग्रामीणों की मौत हो गई। चर्च के अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने इसके अलावा 11 लोगों को अगवा भी कर लिया, जिसमें एक कैथोलिक पादरी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बंदूकधारी सुबह करीब 3 बजे कडुना राज्य के कौरू इलाके में पादरी के घर पर घुस आए थे। कडुना के कैथोलिक डायोसिस ऑफ कफनचन ने एक बयान में इसे 'आतंकवादियों का हमला' करार दिया है। यह हमला देश के उत्तरी हिस्से में जारी हिंसा की ताजा घटना है, जहां लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। जनवरी में कडुना के दूसरे हिस्से में 3 चर्चों से 150 से ज्यादा ईसाईयों का अपहरण हुआ था, जिन्हें इस हफ्ते रिहा किया गया था।

वहीं, क्वारा राज्य में इस्लामिक चरमपंथियों ने अपनी बात मानने से इनकार करने पर 160 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी। इस घटना में मारे जाने वाले ज्यादातर मुसलमान थे, लेकिन चरमपंथियों की बातों से असहमति की कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ी।

अधिकारियों ने कडुना के इस ताजा हमले पर अभी कोई ब्योरा नहीं दिया है। कडुना कैथोलिक चर्च ने पीड़ितों के लिए प्रार्थना करने और अगवा लोगों की सुरक्षित रिहाई की अपील की है। बता दें कि उत्तरी नाइजीरिया में सुरक्षा की स्थिति बहुत खराब है। यहां इस्लामिक चरमपंथी और फिरौती के लिए अपहरण करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। 2023 में देश के राष्ट्रपति चुने गए नेता बोला टिनुबू ने इस संकट को खत्म करने का वादा किया था, लेकिन वे अब तक इसमें सफल नहीं हो पाए हैं। ये सशस्त्र समूह पहले उत्तरी इलाकों तक सीमित थे, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि सेना के दबाव और गुटों के बीच संघर्ष के कारण वे अब दक्षिण की ओर बढ़ रहे हैं।

बता दें कि पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की सरकार ने नाइजीरिया पर आरोप लगाया है कि वह ईसाईयों की रक्षा नहीं कर रहा, हालांकि देश में हो रहे इन हमलों की चपेट में ईसाई और मुसलमान दोनों आते रहे हैं।

शिव : देव नहीं, दृष्टि व भविष्य हैं...

सुरेश गांधी

भारतीय दर्शन में शिव किसी सीमित परिभाषा में बंधे देव नहीं हैं। वे सृष्टि के आरंभ और अंत, दोनों के साक्षी हैं। ऋग्वेद के रुद्र से लेकर कश्मीरी शैव दर्शन के 'परमशिव' तक, शिव एक विकासमान अवधारणा हैं। वे भस्मधारी भी हैं और नटराज भी; वैराग्य भी और गृहस्थ भी। यही द्वंद्व शिव को आज के मनुष्य के सबसे निकट लाता है। आधुनिक जीवन भी इसी द्वंद्व से भरा है, उपभोग और त्याग, गति और ठहराव, उपलब्धि और रिक्तता। शिव इन विरोधों को मिटाते नहीं, स्वीकार करते हैं। भारतीय पर्व प्रायः 'दिवस' होते हैं, दीपावली, होली, दशहरा। लेकिन शिव की आराधना रात्रि में क्यों? क्योंकि रात्रि प्रतीक है, अज्ञान की, शून्य की, अनंत की। योग परंपरा मानती है कि महाशिवरात्रि वह समय है जब उत्तरी गोलार्द्ध में ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है कि मानव चेतना स्वाभाविक रूप से ऊपर उठने को प्रवृत्त होती है। यह वैज्ञानिक दावा नहीं, लेकिन अनुभूति आधारित सत्य है कि मौन, अंधकार और एकांत में मन अधिक गहराई से स्वयं को सुनता है। यह वहीं क्षण है जब स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा संभव होती है। यह वही रात्रि है जब साधक जागता है, क्योंकि अज्ञान सोता है। कहते हैं, इस रात ध्यान, मौन और जागरण करने से मनुष्य अपने भीतर छिपे शिवत्व से साक्षात्कार कर सकता है। साधकों को आत्मबोध की अनुभूति होती है।

कुंवारी कन्याओं के लिए यह मनचाहे वर की कामना है, विवाहित स्त्रियों के लिए अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद और साधकों के लिए, बंधन से मुक्ति का द्वार। पर शिव को केवल वरदाता मान लेना शिव को सीमित कर देना है। शिव सृजन, पालन और संहार, तीनों के प्रतीक हैं। वे आरंभ भी हैं और अंत भी। देवों के देव महादेव, जिन्हें शिव, शंकर, भोलेनाथ, नीलकंठ और महेश्वर जैसे असंख्य नामों से पुकारा गया, इस रात्रि सृष्टि, पालन और संहारकृतीनों के केंद्र में प्रतिष्ठित दिखाई देते हैं। संस्कृत, अवधी, ब्रज, हिंदी, हर भाषा में शिव साहित्य के केंद्र में रहे हैं। कालिदास का 'कुमारसंभव', तुलसी का 'रामचरितमानस' (जहाँ शिव रामभक्ति के आदर्श हैं), आधुनिक हिंदी कविता में अज्ञेय, केदारनाथ सिंह, और धूमिल तक, शिव प्रतीक बनकर उपस्थित हैं। शिव साहित्य में 'कहना' कम, 'संकेत' अधिक है। शायद इसलिए कि शिव को कहा नहीं जा सकता, केवल जिया जा सकता है। धार्मिक और योगिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि की रात्रि में ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर होता है। यही कारण है कि इस रात्रि जागरण, ध्यान और साधना को विशेष महत्व दिया गया है। यह केवल व्रत या कर्मकांड नहीं, बल्कि चेतना की दिशा बदलने का अवसर है।

शिव और जाति-विमर्श : भस्म समानता का प्रतीक

शिव का शरीर भस्म से लिप्त है, यह कोई श्रृंगार नहीं, यह संदेश है। भस्म सबको समान कर देती है। शैव परंपरा में जाति, वर्ण, लिंग, सब गौण हैं। नाथ पंथ, वीरशैव, लिंगायत आंदोलन, सभी ने शिव को सामाजिक समता के प्रतीक के रूप में देखा। आज जब समाज फिर से विभाजनों की ओर बढ़ रहा है, शिव की भस्म हमें स्मरण कराती है, अंततः सब राख हैं।

शिव और विज्ञान : नटराज का ब्रह्मांड

सर्न परिसर में स्थापित नटराज की प्रतिमा केवल सांस्कृतिक प्रतीक नहीं। यह इस बात की स्वीकारोक्ति है कि भारतीय दर्शन ने सृष्टि को 'नृत्य' के रूप में देखा, ऊर्जा का सतत प्रवाह। आधुनिक भौतिकी भी कहती है, कुछ भी स्थिर नहीं। शिव का तांडव इसी गतिशीलता का रूपक है।

स्त्री और शिव : शक्ति के बिना शून्य

शिव बिना शक्ति के शव हैं, यह कथन केवल धार्मिक नहीं, दार्शनिक है। पार्वती, काली, दुर्गा, शक्ति के रूपों के बिना शिव

निष्क्रिय हैं। यह स्त्री को पूज्य बनाने की नहीं, आवश्यक मानने की परंपरा है।

महाशिवरात्रि : उपवास या उपस्थिति?

उपवास का अर्थ केवल भोजन त्याग नहीं। 'उप' यानी निकट, 'वास' यानी ठहरना, अपने निकट ठहरना। महाशिवरात्रि आत्म-समीक्षा की रात्रि है।

'शव ही शिव है' : चेतना का दर्शन

आज मनुष्य की स्थिति उस गुब्बारे जैसी हो गई है जो स्वयं हवा से भरा होकर भी बाहर हवा खोज रहा है। हम धर्म को सैद्धान्तिक, कर्मकांड को औपचारिकता और जीवन को केवल भौतिक उपलब्धियों का उत्सव मान बैठे हैं। इसी भ्रम में सत्य हमारी पकड़ से दूर होता चला गया। सनातन दर्शन का एक अत्यंत गूढ़ सूत्र है, "शव ही शिव है और शिव ही शव भी।" अंतर केवल एक है, ईश्वरीय तत्व की अनुभूति। जिस शरीर में चेतना जागृत नहीं, वह शव है। और जिस चेतना ने शरीर को साधन बना लिया, वह शिव है। आज का मनुष्य इसी द्वंद्व में फंसा है। हम संसाधनों से घिरे हैं, लेकिन अनुभूति से वंचित। हम शरीर को ही स्वयं मान बैठे हैं, जबकि शरीर केवल उपकरण है। महाशिवरात्रि इसी बोध की रात्रि है कि हम शिव बनकर जिएं या शव बनकर, यह हमारा चयन है। विज्ञान भी स्वीकार करता है कि हर ऊर्जा शरीर तक सीमित नहीं होती, पर उसकी तरंगें और आवृत्तियां उसका अस्तित्व सिद्ध करती हैं। गुरुत्वाकर्षण, विद्युत-चुंबकीय बलकृये सभी बिना शरीर के भी अनुभव किए जाते हैं। ठीक इसी प्रकार शिव भी जैविक चेतना की उस अवस्था का नाम हैं, जहां शरीर और ब्रह्मांड के बीच की रेखा मिट जाती है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग : जहां शिव स्वयं प्रकट हुए यद्यपि शिव सर्वत्र हैं, किंतु पृथ्वी पर बारह ऐसे पवित्र स्थान माने गए हैं जहां भगवान शिव स्वयं ज्योति के रूप में प्रकट हुए, इन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पृथ्वी पर 12 ऐसे स्थान हैं जहां भगवान शिव स्वयं ज्योति के रूप में प्रकट हुए। इन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग कहा जाता है। इनका स्मरण मात्र भी मोक्षदायी माना गया है।

1. सोमनाथ : पृथ्वी का प्रथम ज्योतिर्लिंग। श्रापग्रस्त चंद्रमा की तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर धारण किया। यह ज्योतिर्लिंग पुनरुत्थान का प्रतीक है।

2. मल्लिकार्जुन : यह पिता - पुत्र और पारिवारिक प्रेम का प्रतीक है, जहां शिव - पार्वती पुत्र कार्तिकेय के वियोग में स्वयं ज्योति बन गए।

3. महाकालेश्वर : एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग। समय पर विजय का प्रतीक। यहां शिव काल के भी काल हैं।

4. ओंकारेश्वर : नर्मदा के ॐ आकार प्रवाह में स्थित यह लिंग नाद ब्रह्म का प्रतीक है।

5. केदारनाथ : जहां पांडवों के पाप भी हिमालय में गल गए।

6. भीमाशंकर : अत्याचार पर धर्म की विजय का प्रतीक।

7. काशी विश्वनाथ : शिव और शक्ति का अद्वैत स्वरूप :जहां शिव स्वयं तारक मंत्र देते हैं। काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि शिव-शक्ति का जीवंत दर्शन है। यहां शिव और शक्ति एक साथ विराजमान हैं, दाहिने भाग में शक्ति स्वरूपा भगवती और वाम भाग में सौम्य शिव। यही अद्वैत भाव काशी को विश्व में अद्वितीय बनाता है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में काशी विश्वनाथ वह एकमात्र ज्योतिर्लिंग है, जिसके दर्शन मात्र से शेष 11 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का पुण्य प्राप्त होता है। यही कारण है कि महाशिवरात्रि पर देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

8. त्र्यंबकेश्वर : जहां ब्रह्मा, विष्णु और महेश एक ही लिंग में समाहित हैं।

9. वैद्यनाथ : जहां शिव स्वयं वैद्य बनते हैं।

10. नागेश्वर : भय और विष से मुक्ति का प्रतीक।

11. रामेश्वरम : जहां राम भी शिव के शरणागत हैं।

12. घृष्णेश्वर : जहां भक्ति मृत्यु पर भी विजय पा लेती है।

शिव : रोग, भय और मृत्यु से परे का तत्व

सनातन मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना से रोग, कष्ट, दरिद्रता और अकाल मृत्यु का भय नष्ट होता है। शिव किसी एक रूप में सीमित नहीं, वे कण-कण में व्याप्त चेतना हैं। यही कारण है कि शिव को केवल देव नहीं, तत्व कहा गया। यह तत्व जब जागृत होता है, तो जीवन में शांति स्वतः उतर आती है।

भक्ति से बोध तक

हिंदू धर्म ने भक्ति, प्रेम और कल्पना के माध्यम से ईश्वर को मूर्त रूप दिया, ताकि परिवर्तनशील परिस्थितियों में भी सत्य पर विश्वास अडिग रहे। किंतु दुर्भाग्यवश हम मूर्ति की आराधना में उलझ गए और अपने भीतर बसे ईश्वर को पहचानना भूल गए। जब चेतना शरीर की सीमाओं से परे जाएगी, तभी कर्म के माध्यम से वास्तविक धर्म की स्थापना संभव होगी, और तभी हम शव नहीं, शिव बनकर जी पाएंगे। महाशिवरात्रि आत्म-जागरण का पर्व है।

गौतम बुद्ध की ऐसी परख, आपके जीने का नजरिया बदल देगा

गौतम बुद्ध एक बार अपने शिष्यों को उपदेश दे रहे थे। उनके शिष्यों में एक ऐसा शिष्य भी था जो किसी से कोई बात नहीं किया करता था। शांति बैठ जाया करता था। कुछ शिष्यों ने गौतम बुद्ध से एकांत में रहने वाले इस शिष्य की शिकायत कर दी। यहां पढ़ें गौतम बुद्ध की खास सीख।

गौतम बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनके शिष्यों में से एक शिष्य ऐसा भी था जो किसी से ज्यादा बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देता था। काम पूरा होने के बाद वह एकांत में चला जाता और ध्यान में बैठ जाया करता था।

कुछ शिष्यों ने गौतम बुद्ध से एकांत में रहने वाले इस शिष्य की शिकायत कर दी। जब धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी, तब बुद्ध ने सोचा कि उससे बात करनी चाहिए। एक दिन उस शिष्य से बुद्ध ने पूछा,'तुम अन्य शिष्यों से ऐसा व्यवहार क्यों करते हो? सभी शिष्य तुम्हारी शिकायत कर रहे हैं।' शिष्य ने ध्यान से महात्मा बुद्ध की बात सुनी, फिर क्षमा प्रार्थना के स्वर में उनसे बोला, 'तथागत, मैंने यह तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं।

आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा?'उस शिष्य की ये बातें सुनकर बुद्ध को भी आश्चर्य हुआ। वह उसका आशय तो तत्काल समझ गए, उसकी साधना और लगन की गहराई से प्रभावित भी हुए, लेकिन उससे कुछ और नहीं बोले। उसके जाने के बाद बुद्ध ने अन्य शिष्यों को समझाया, 'तुम सबने इस एकांतप्रिय शिष्य की गलत शिकायत की है। तुम लोगों ने उसे जाने बिना उसके बारे में अपनी गलत राय बना ली। तुमने देखा कुछ और, समझा कुछ और। हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। पहले उस व्यक्ति से मिलें, उसकी गतिविधियों को देखें। हो सके तो उससे संवाद के जरिए उसकी गतिविधियों के पीछे के भाव को समझें। उसकी बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।' बुद्ध की बातें सुनकर सभी शिष्यों को अपनी गलती पर पश्चाताप हुआ। उन सभी ने एकांतप्रिय शिष्य से माफी भी मांगी।

नागपुर के जंगलों में छुपी 1000 साल पुरानी कर्पूर बावड़ी जिसका पानी कभी नहीं सूखता!

महाराष्ट्र के रामटेक के नजदीक जंगलों और पहाड़ियों के बीच एक ऐसा रहस्यमयी बावड़ी (कुआं) हैं, जो 10वीं और 12वीं शताब्दी के बीच का माना जाता है। जानिए करपुर बावड़ी नागपुर के सबसे इस कुएं के बारे में।

महाराष्ट्र के रामटेक के पास जंगलों और छोटी-छोटी पहाड़ियों के बीच बसा, करपुर बावड़ी नागपुर के सबसे कम सराहे गए धरोहर स्थलों में शामिल है।

यह प्राचीन सीढ़ीदार कुआं प्राचीन और स्थानीय लोककथाओं से घिरी हुई है, शहर के आम पर्यटक पर्यटक मार्गों से दूर इस इलाके के समृद्ध इतिहास की झलक पेश करती है।

करपुर बावली कहां हैं?

करपुर बावड़ी का निर्माण 10वीं से 12वीं शताब्दी के बीच का माना जाता है, जो रामटेक मंदिर परिसर के अंदर स्थित है। भारत में बावड़ियां कभी दैनिक जीवन का अहम हिस्सा हुआ करती थीं, जिनका इस्तेमाल पीने, धार्मिक अनुष्ठानों और खेती के लिए पानी जमा करने के लिए किया जाता था।

इस बावड़ी की खास बात ये है कि, माना जाता है कि, इसके निर्माण के दिन से लेकर आज तक किसी भी मौसम चाहे वर्षा ही क्यों न हो इसका जल स्थिर रहा है। आज यह बावड़ी घने जंगलों से घिरी पहाड़ियों की तलहटी में स्थित है।

इसे कर्पूर बावली क्यों कहते हैं?

कर्पूर का मतलब कपूर होता है, जबकि बावड़ी का अर्थ पानी की टंकी या सीढ़ीदार कुआं होता है। स्थानीय लोककथाओं की माने तो, यहां के पानी में कभी कपूर जैसी सुंगध हुआ करती थी और माना जाता था कि, इसमें औषधीय गुण हैं। हालांकि अब वह सुगंध महसूस नहीं होती है, फिर भी यह नाम सालों से प्रचलित है।

कर्पूर बावड़ी मात्र एक जल संरचना नहीं, बल्कि एक पूजा स्थल भी है। यह स्थल 6 देवियों मां चामुंडा, इंगलाज, काली, रणचंडी और कपूरता को समर्पित है। सीढ़ीदार कुएं के किनारे एक छोटा काली मंदिर आज भी मौजूद है।

वास्तुकला के नजरिए से बावड़ी में तीनों ओर स्तंभों वाला गलियारा है और आंशिक रूप से ढह चुके गर्भगृह के अवशेष भी हैं, जिसमें कभी एक देवी विराजती थीं। समय के साथ-साथ इसकी संरचना जर्जर होते चली गई, लेकिन फिर भी अपने युग की ये बेहतरीन शिल्पकारी थी।

कर्पूर बावली का निर्माण किसने किया?

इतिहासकारों की मानें तो इस सीढ़ीदार कुएं का निर्माण यादव वंश के शासन काल में हुआ था, जिसने 10वीं से 13वीं शताब्दी के बीच वर्तमान समय के महाराष्ट्र के बड़े क्षेत्र पर शासन किया था। इसकी स्थाप्य शैली और बनावट उस काल के मंदिर से जुड़े जल संरचनाओं के अनुरूप है। अपनी प्राचीनता के बावजूद यह स्थल काफी हद तक अज्ञात है, जहां आज भी काफी कम लोग आते हैं।

यह बावड़ी रामटेक में श्री शांतनाथ दिगंबर जैन मंदिर से करीब 1 किलोमीटर दूर पर स्थित है। बावड़ी और उसके आसपास के इलाको में घूमने में आतौर पर 1 घंटे का समय लगता है। यहां कोई औपचारिक सुविधाएं नहीं, बल्कि आंगतुकों को अपनी योजना के मुताबिक बनानी चाहिए और इस स्थान का सावधानीपूर्वक ध्यान रखना चाहिए।

आप नजदीक के ही पहाड़ी पर स्थित रामटेक किले का दौरा भी कर सकते हैं, जहां से आसपास के ग्रामीण इलाकों का मजेदार दृश्य देखने को मिलता है। यहां आप खिंडसी झील भी देख सकते हैं, जो नौका विहार या पिकनिक मानने के लिए बेहतरीन जगह है।

कैलाश मानसरोवर का पुराना पैदल मार्ग हो रहा विलुप्त

कैलाश मानसरोवर यात्रा का 400 किलोमीटर लंबा मार्ग, जिस पर कभी भक्तों के कदमों की आहट और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजते थे, अब सिमटता जा रहा है। यह मार्ग कहीं सड़क निर्माण में कट गया तो कहीं जंगलों में गुम हो गया है। यात्रियों और व्यापारियों के ठहरने के लिए बनी करीब 500 धर्मशालाएं भी खंडहर में बदल रही हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा हिंदुओं की प्रमुख और पवित्र यात्राओं में गिनी जाती है। सड़कें न होने के दौर में पूरी यात्रा पैदल तय की जाती थी। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु सहित देश भर के श्रद्धालु हल्द्वानी के काठगोदाम से अल्मोड़ा, बागेश्वर या टनकपुर-चंपावत होते हुए पिथौरागढ़ पहुंचते थे। वहां से अस्कोट, धारचूला और गुंजी के रास्ते लिपुलेख दर्रे से तिब्बत (चीन) में प्रवेश करते थे। यह मार्ग सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर भी रहा है। कल्चरल एक्सपर्ट के मुताबिक इसका संरक्षण होना चाहिए, वरना अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।

अब 3 प्वाइंट्स में जानिए आखिर क्यों सिमट रहा मार्ग...

1. सड़क आने से पहले यही था एकमात्र रास्ता जब कुमाऊं का पहाड़ी इलाका सड़क से नहीं जुड़ा था, तब कैलाश यात्रा पूरी तरह पैदल होती थी। करीब 400 किलोमीटर लंबे इस दुर्गम मार्ग पर पहाड़, नदियां और घने जंगल यात्रियों की परीक्षा लेते थे।

2. सड़कें बढ़ीं, पैदल रास्ते सिमटते गए

1960 में पिथौरागढ़ तक सड़क पहुंची और 1970 के दशक में टनकपुर-तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग बना। यात्री धारचूला तक वाहन से पहुंचने लगे, लेकिन आगे का सफर पैदल ही होता था। बाद में सड़क तवाघाट और फिर नजंग तक बन गई। हर नए सड़क खंड के साथ पैदल मार्ग छोटा होता चला गया।

3. 2020 के बाद पैदल मार्ग इतिहास बनने लगा वर्ष 2020 में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सड़क को सीधे लिपुलेख दर्रे तक जोड़ दिया, जिसका ऑनलाइन उद्घाटन तत्कालीन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। दिल्ली से लिपुलेख तक वाहन पहुंचने लगे और परंपरागत पैदल मार्गों का उपयोग लगभग बंद हो गया। कई जगह रास्ते सड़क निर्माण में कट गए, जबकि कुछ हिस्सों में अब केवल निशान ही बचे हैं।

दानवीर जसुली देवी ने बनवाई थी धर्मशालाएं

धारचूला के दारमा क्षेत्र के दातू गांव निवासी जसुली देवी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर धर्मशालाओं का निर्माण कराया था। पति जम्बू सिंह के निधन के बाद उन्होंने अपनी अपार संपत्ति गंगा में दान करने का फैसला किया, लेकिन अंग्रेज अधिकारियों ने धन को जनहित में लगाने की सलाह दी।

इसके बाद जसुली देवी ने धारचूला से पिथौरागढ़, अल्मोड़ा और काठगोदाम तक धर्मशालाएं बनवाईं। नेपाल में भी उन्होंने यात्रियों के लिए ठहरने की व्यवस्था कराई। आज लोग उन्हें दानवीर जसुली देवी बुढ़ि सौक्याणी के नाम से याद करते हैं। उपयोग बंद होने से अब गिने-चुने ही बचे करीब 1900 के आसपास इस यात्रा मार्ग पर लगभग 500 धर्मशालाएं बनी थीं, जहां कैलाश यात्री और व्यापारी विश्राम करते थे। 94 वर्षीय सेवानिवृत शिक्षक केदार दत्त पांडेय बताते हैं कि उस दौर में जब सड़क नहीं थी पूरी यात्रा पैदल होती थी।

जगह-जगह पड़ाव थे इन्हीं पड़ावों में देश के कोने-कोने से आने-जाने वाले यात्री विश्राम करते थे। सड़क बनने के बाद इनका उपयोग बंद हो गया और अब बहुत कम धर्मशालाएं सुरक्षित बची हैं।

धारचूला-पिथौरागढ़-टनकपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कनालीछीना के सतगढ़ गांव की धर्मशाला अभी अच्छी स्थिति में है। पिथौरागढ़-चंडाक पैदल मार्ग की एक धर्मशाला का हाल ही में नगर निगम ने सुधार कराया है, जबकि बाकी अधिकांश खंडहर बन चुकी हैं।

पांच पड़ावों में पूरी होती थी यात्रा

आधार शिविर धारचूला से वाहन से नजंग तक पहुंचने के बाद यात्री मालपा होते हुए बूंदी जाते थे। यहां पड़ाव के बाद यात्रा छियालेख, गर्ब्यांग होते हुए गुंजी पहुंचती थी, जहां दो दिन रुककर मेडिकल जांच कराई जाती थी। अनुमति मिलने पर यात्री कालापानी और फिर अंतिम पड़ाव नाविढांग पहुंचते थे। यहां से लिपुलेख पार करने के बाद भारतीय सुरक्षा बल यात्रियों को चीन के अधिकारियों को सौंपते थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 9 फरवरी - 2026

व्यापार की नई धुरी

बहुप्रतीक्षित अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से सहमति बनना न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि रणनीतिक स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस सहमति के पीछे बीते कई महीनों से अनिश्चितता के बादल छाए हुए थे, जिसे अब हटा दिया गया है। इसने यह संकेत दिया है कि दोनों देश अब व्यापारिक रिश्तों को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं। इस समझौते की सबसे बड़ी राहत यह है कि भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ में जबर्दस्त कटौती की गई है। पहले जहां भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगने की आशंका जताई जा रही थी, वहीं अब इसे सिर्फ 18 प्रतिशत तक सीमित करने की सहमति बनी है। इसके साथ ही रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत शुल्क को हटाया जाना भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक सफलता मानी जा सकती है। समझौते की रूपरेखा के अनुसार भारत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों, सूखे अनाज, पशु आहार, सेब-नाशपाती जैसे फल, सोयाबीन तेल, शराब, स्पिरिट और अन्य कृषि-खाद्य उत्पादों पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। यह कदम अमेरिकी निर्यातकों को भारतीय बाजार तक बेहतर पहुंच देगा। इसके बदले अमेरिका भी भारत से आयात होने वाली जेनेरिक दवाइयों, रत्न-आभूषण, हीरे, विमान कल-पुर्जों और अन्य उत्पादों पर शुल्क शून्य या न्यूनतम करेगा। पहले यह माना जा रहा था कि भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाले लगभग सभी उत्पादों पर 18 प्रतिशत टैरिफ लागू किया जाएगा। अब स्पष्ट हो गया है कि वार्ता बराबरी के स्तर पर हुई है और भारत अपने हितों की रक्षा करने में सफल रहा है। अमेरिकी टैरिफ में कमी से भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प और मशीनरी जैसे क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा। इस समझौते को लेकर यह आशंका भी जताई जा रही थी कि अमेरिका के दबाव में भारत को अपने कृषि और डेयरी सेक्टर से समझौता करना पड़ सकता है। लेकिन, समझौते की भाषा यह संकेत देती है कि भारत इन संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखने में सक्षम रहा है। दोनों देशों के संयुक्त बयान में यह साफ कहा गया है कि भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम करने का निर्णय आपसी सहमति और अनुरोध के आधार पर होगा, न कि किसी एकतरफा दबाव में। व्यापार समझौते की यह रूपरेखा दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच को बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यदि इस अंतरिम समझौते को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाता है, तो 2030 तक भारत-अमेरिका के बीच 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को हासिल करना संभव हो सकता है। यह समझौता 'मेक इन इंडिया' अभियान को नई ऊर्जा देने वाला साबित हो सकता है। निर्यात बढ़ने से न केवल घरेलू उत्पादन को बल मिलेगा, बल्कि भारत की वैश्विक सप्लाई चेन में भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। ऐसे समय में जब दुनिया के प्रमुख देश चीन पर निर्भरता कम करना चाहते हैं, भारत के पास खुद को एक भरोसेमंद वैकल्पिक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह अभी केवल एक रूपरेखा है, अंतिम समझौता नहीं। असली परीक्षा इसके क्रियान्वयन में होगी। यदि भारत इस अवसर का सही उपयोग करता है, तो यह समझौता न केवल व्यापार बढ़ाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने की दिशा में भी निर्णायक कदम साबित होगा।

सस्ती शिक्षा की महंगी कीमत

आरके जैन

छात्रावास की शांत गलियों में अचानक गूंजती चीखें, फर्श पर बहता खून और भय से जमी आंखें-7 फरवरी 2026 की वह रात रूस के ऊफा शहर स्थित बश्कीर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के इतिहास पर एक काले अध्याय की तरह दर्ज हो गई। एक 15 वर्षीय किशोर परिसर में घुसा, सीधे डॉर्मिट्री पहुंचा और वहां मौजूद छात्रों पर बिना चेतावनी चाकू से हमला कर दिया। जहां कुछ देर पहले तक पढ़ाई, बातचीत और आराम का माहौल था, वहां पलभर में आतंक और अफरा-तफरी फैल गई। हमले में चार भारतीय छात्रों सहित छह लोग घायल हुए, जबकि दो पुलिसकर्मी भी इसकी चपेट में आए। शांत वातावरण देखते ही देखते भय के रणक्षेत्र में बदल गया। घायल छात्र अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ते रहे और हजारों किलोमीटर दूर भारत में उनके परिवार सदमे और बेचैनी में डूब गए। यह घटना केवल हिंसा नहीं थी, बल्कि उन सपनों पर किया गया क्रूर प्रहार थी, जिन्हें संजोकर हजारों युवा विदेश पढ़ने निकलते हैं।

अचानक गूंजती चीखों और भागते कदमों के बीच वह भयावह दृश्य सामने आया, जिसे प्रत्यक्षदर्शी शायद जीवन भर नहीं भुला पाएंगे। हमला पूरी तरह अप्रत्याशित और निर्दय था।

कुछ छात्र खेल में मग्न थे, कोई घर बात कर रहा था, तो कोई परीक्षा की चर्चा में जुटा था। तभी किशोर ने चाकू निकालकर बिना चेतावनी हमला शुरू कर दिया। पलभर में अफरा-तफरी मच गई-कोई गिर पड़ा, कोई दीवार से टकराया, तो कोई घायल मित्र को संभालने में जुट गया। फर्श पर खून बहने लगा और हवा में दहशत घुल गई। चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। प्रारंभिक रिपोर्टों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी—गार्ड देर से पहुंचे और आपात इंतजाम नाकाम रहे। इस लापरवाही ने छात्रों के मन में गहरा भय भर दिया। अब वही छात्रावास, जो कभी घर जैसा लगता था, उन्हें असुरक्षित पिंजरा प्रतीत होता है। हजारों किलोमीटर दूर भारत में बैठे माता पिता के लिए यह खबर किसी वज्रपात से कम नहीं थी। जिन हाथों ने बच्चों को आशीर्वाद देकर विदा किया था, वे अब हर पल प्रार्थना में जुड़े रहते हैं। कई परिवारों ने खेत बेचे, गहने गिरवी रखे और कर्ज लेकर बच्चों की फीस भरी थी। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि रूस में शिक्षा सुरक्षित, सस्ती और भविष्य निर्माण का मजबूत रास्ता है। लेकिन इस हमले ने उनके विश्वास को चकनाचूर कर दिया। अब हर फोन कॉल डर पैदा करता है और हर सुबह नई चिंता लेकर आती है। माता पिता यह सोचकर कांप उठते हैं कि कहीं अगली खबर और भी दर्दनाक न हो। विदेश में पढ़ाई का सपना अब उनके लिए आशा नहीं, बल्कि अनिश्चितता और भय का प्रतीक बन गया है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारतीय मेडिकल छात्रों का बड़ा ठिकाना बन गया। कम फीस, आसान दाखिला और एनएमसी मान्यता ने हजारों युवाओं को आकर्षित किया। नीट की ऊंची कटऑफ और सरकारी सीटों की कमी ने उन्हें मजबूरी में विदेश भेजा। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां एमबीबीएस करने पहुंचते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सहयोग पर कभी गंभीर ध्यान नहीं दिया गया। नस्लीय टिप्पणियां, रैगिंग, मारपीट और संदिग्ध मौतें पहले ही चेतावनी दे रही थीं। यह चाकू हमला उसी उपेक्षा का सबसे भयावह रूप बन गया। आज कई छात्र कहते हैं कि वे पढ़ाई से ज्यादा अपनी जान की चिंता करते हैं। एफएमजीई का कम पास प्रतिशत पहले ही दबाव बढ़ा रहा था, और अब भय ने उनके मनोबल को और कमजोर कर दिया है।

घूसकोर पंडित : अभिव्यक्ति की आड़ में आस्था पर हमला

सुरेश गांधी

भारतीय सिनेमा को लंबे समय से समाज का दर्पण कहा जाता रहा है। यह माध्यम केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक विमर्श और वैचारिक प्रवाह का महत्वपूर्ण मंच भी रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में फिल्म उद्योग की दिशा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। विशेष रूप से कुछ विवादित फिल्म शीर्षकों और कथानकों ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को निशाना बनाया जा सकता है?

हाल ही में चर्चाओं में आई फिल्म "घुस्कोर पंडित" इस बहस के केंद्र में है। फिल्म का शीर्षक सामने आते ही समाज के एक बड़े वर्ग में असंतोष देखने को मिला। इसके ट्रेलर ने इस विवाद को और गहरा कर दिया। फिल्म में धार्मिक पहचान से जुड़े शब्दों को भ्रष्टाचार और सामाजिक विडंबना से जोड़कर प्रस्तुत करने के प्रयास ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सिनेमा अब समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक टकराव का माध्यम बनता जा रहा है?

फिल्म "घुस्कोर पंडित" का ट्रेलर सामाजिक व्यंग्य और राजनीतिक नाटक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। ट्रेलर में एक ऐसे कथित धार्मिक व्यक्ति का चित्रण दिखाया गया है, जो समाज में प्रभाव और सत्ता हासिल करने के लिए धार्मिक पहचान का उपयोग करता है।

संवादों और दृश्यों में धार्मिक प्रतीकों को भ्रष्टाचार और सामाजिक दोहरेपन से जोड़ा गया है। फिल्म निर्माता इसे सामाजिक कुरीतियों को उजागर करने का प्रयास बता रहे हैं, लेकिन आलोचकों का कहना है कि व्यंग्य के नाम पर यदि किसी धार्मिक पहचान को लगातार नकारात्मक प्रतीकों के रूप में प्रस्तुत किया जाए तो यह संतुलित अभिव्यक्ति नहीं बल्कि वैचारिक पक्षपात माना जा सकता है। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या सामाजिक सुधार के नाम पर केवल उन प्रतीकों को निशाना बनाया जा रहा है, जिनके खिलाफ विरोध अपेक्षाकृत कम होता है।

क्या सिनेमा अब दर्पण कम और विचारधारात्मक प्रयोगशाला ज्यादा बनता जा रहा है? क्या रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर किसी धर्म, परंपरा और सांस्कृतिक प्रतीकों का अपमान करना वैध माना जा सकता है? फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद जिस तरह से धार्मिक पहचान से जुड़े शब्दों को भ्रष्टाचार और सामाजिक विकृति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, उसने बड़े वर्ग को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराएं ही बार-बार व्यंग्य और विवाद का केंद्र क्यों बनती हैं।

शीर्षक से उपजा आक्रोश

"घूसकोर" शब्द भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों का प्रतीक माना जाता है, जबकि "पंडित" शब्द भारतीय संस्कृति में ज्ञान, परंपरा और धार्मिक सम्मान का प्रतीक है। ऐसे में दोनों शब्दों का संयोजन कई लोगों के लिए आस्था और सांस्कृतिक पहचान पर प्रहार जैसा प्रतीत हो रहा है। धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों का कहना है कि जब किसी धार्मिक पहचान को नकारात्मक संदर्भ में प्रस्तुत किया जाता है, तो इससे समाज में भ्रम और असंतोष पैदा होता है। उनका तर्क है कि फिल्म उद्योग को यह समझना होगा कि भारत में धर्म केवल व्यक्तिगत विश्वास नहीं बल्कि सामाजिक संरचना का आधार है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अधिकार बनाम जिम्मेदारी

भारतीय संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। अनुच्छेद 19(1)(ए) इस अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देता है। लेकिन अनुच्छेद 19(2) यह भी स्पष्ट करता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और सामाजिक सद्भाव के आधार पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। राष्ट्रवादी विचारधारा के समर्थकों का कहना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन यदि इस स्वतंत्रता का उपयोग सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बार-बार निशाना बनाने के लिए किया जाए तो यह सामाजिक संतुलन को कमजोर कर सकता है। मतलब साफ है भारतीय संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। लेकिन यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरंकुश नहीं है। संविधान स्पष्ट करता है कि अभिव्यक्ति का अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, सामाजिक सद्भाव और धार्मिक सम्मान की सीमाओं में ही मान्य है। राष्ट्रवादी विचारधारा के समर्थकों का तर्क है कि यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी विशेष धर्म या सांस्कृतिक पहचान का लगातार उपहास किया जाए, तो यह लोकतांत्रिक संतुलन को कमजोर करता है। यह भी सवाल उठता है कि जब किसी अन्य धर्म या समुदाय से जुड़े विषयों पर टिप्पणी होती है, तो अक्सर तीखी प्रतिक्रिया और बड़े स्तर पर विरोध देखने को मिलता है। ऐसे में फिल्म उद्योग का चयनात्मक साहस भी बहस का विषय बनता जा रहा है।

क्या फिल्म उद्योग में चयनात्मक साहस है?

यह आरोप लंबे समय से लगाया जाता रहा है कि फिल्म उद्योग धार्मिक विषयों को लेकर समान दृष्टिकोण नहीं अपनाता। कई समीक्षक मानते हैं कि भारतीय परंपराओं और धार्मिक प्रतीकों को अक्सर रूढ़िवाद और अंधविश्वास के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जबकि अन्य धार्मिक विषयों पर अपेक्षाकृत सावधानी बरती जाती है। "घुस्कोर पंडित" जैसे शीर्षक इस बहस को और गहरा करते हैं कि क्या फिल्म उद्योग केवल उन विषयों पर साहस दिखाता है, जहां विरोध की संभावना कम होती है। यह सवाल सामाजिक विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है।

सेंसर बोर्ड की भूमिका : निष्पक्षता या औपचारिकता? केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का उद्देश्य फिल्मों को प्रमाणित करते समय सामाजिक संतुलन बनाए रखना होता है। लेकिन विवादित शीर्षकों और कथानकों को लेकर सेंसर बोर्ड की भूमिका पर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

राष्ट्रवादी चिंतकों का कहना है कि सेंसर बोर्ड को केवल तकनीकी प्रमाणन संस्था नहीं बल्कि सांस्कृतिक संतुलन की जिम्मेदारी निभाने वाली संस्था के रूप में कार्य करना चाहिए। यदि किसी फिल्म का शीर्षक ही धार्मिक पहचान को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करता है, तो उस पर गंभीर विचार आवश्यक है।

सांस्कृतिक आत्मसम्मान और राष्ट्र की पहचान

भारत केवल एक राजनीतिक राष्ट्र नहीं बल्कि हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक सभ्यता है। यहां धर्म और परंपरा केवल पूजा पद्धति नहीं बल्कि जीवन शैली और सामाजिक पहचान का हिस्सा हैं। जब फिल्मों में इन प्रतीकों को व्यंग्य या उपहास के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो यह केवल धार्मिक भावनाओं का मुद्दा नहीं रहता बल्कि सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रश्न बन जाता है।

सऊदी ने अमेरिका से दोगुने भारतीयों को डिपोर्ट किया

स्नेहा सिंह

सऊदी अरब द्वारा पिछले वर्ष 13,256 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इनमें रियाद से 4,335 भारतीयों को और जेद्दाह से 8,921 भारतीयों को डिपोर्ट करने की कार्रवाई की गई थी। यूएई द्वारा अबूधाबी से 1,662 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इसके अलावा दुबई से 7,896 भारतीयों को वापस भेजा गया था। वहीं अमेरिका द्वारा वर्ष 2025 में 3,800 अवैध भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। पिछले दिसंबर में वॉशिंगटन द्वारा अवैध रूप से रह रहे 3,414 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था, जिनका भी उपरोक्त आंकड़ों में समावेश था। इनमें ह्यूस्टन से 234, सैन फ्रांसिस्को से 49, न्यूयार्क से 47, अटलांटा से 31 और सिएटल से 31 भारतीयों को वापस भेजा गया था। पिछले वर्ष अमेरिका में 1,993 भारतीयों की गिरफ्तारी भी की गई थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह पकड़े गए लगभग 2,000 लोगों में से 1,669 लोगों के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता संभालने के समय उन्होंने कहा था कि जल्द ही अवैध प्रवासियों पर सख्ती की जाएगी और उनके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इस बात को सार्थक करते हुए पिछले वर्ष कई भारतीयों को डिपोर्ट किया। हालांकि अमेरिका द्वारा वापस भेजे गए भारतीयों की संख्या बहुत कम है। दुनिया में ऐसे छोटे-छोटे देश हैं, जहां से बड़ी संख्या में भारतीयों को बाहर निकाला गया है और डिपोर्ट किया गया है। अमेरिका द्वारा भारतीयों को हथकड़ी पहनाकर, जंजीरों में बांधकर, मानो वे आतंकवादी हों, इस तरह डिपोर्ट किया गया था, जिसके कारण पूरी दुनिया में हंगामा मच गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि खुद को विश्वगुरु कहने वाला विदेश मंत्रालय इस मामले में पूरी तरह निष्क्रिय रहा। ट्रम्प और अमेरिका द्वारा खुलेआम भारतीयों का अपमान किए जाने के बावजूद विदेश मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। एक और चौंकाने वाली तथा चिंताजनक बात यह है कि हाल ही में सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि पिछले वर्ष हजारों की संख्या में भारतीयों को विभिन्न देशों द्वारा डिपोर्ट किया गया था। इनमें अमेरिका का आंकड़ा छोटा है। अमेरिका से जितने भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, उससे दोगुनी संख्या में सऊदी अरब ने भारतीयों को बाहर निकाला है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में राज्यसभा में इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इसमें बताया गया था कि अमेरिका द्वारा वर्ष 2025 में 3,800 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सरकार ने कहा कि अमेरिका से लगभग चार हजार भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया कि सऊदी अरब और यूएई से डिपोर्ट किए गए भारतीयों की संख्या अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों से कहीं अधिक है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सवाल किया था कि पिछले पांच वर्षों में अमेरिका तथा अन्य देशों द्वारा कितने भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। भारत सरकार द्वारा अवैध रास्तों से भारतीयों के विदेश जाने को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। खासतौर पर उत्तरी अमेरिका में घुसपैठ के लिए 'डंकी रूट' का उपयोग करने वाले कितने भारतीयों को रोका गया है या इस रूट को आपरेट करने वाले एजेंटों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। अवैध इमिग्रेशन को लेकर भारत सरकार ने क्या कदम उठाए हैं। विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जवाब देते हुए बताया कि अमेरिका द्वारा वर्ष 2025 में 3,800 अवैध भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। पिछले दिसंबर में वाशिंगटन द्वारा अवैध रूप से रह रहे 3,414 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था, जिन्हें भी इसी आंकड़े में शामिल किया गया है। इनमें ह्यूस्टन से 234, सैन फ्रांसिस्को से 49, न्यूयार्क से 47, अटलांटा से 31 और सिएटल से 31 भारतीयों को वापस भेजा गया था। इसके अलावा अन्य राज्यों और शहरों से भी छिटपुट तौर पर लोगों को ढूंढकर भारत भेजा गया। उल्लेखनीय है कि 2025 में अमेरिका द्वारा भारतीयों को डिपोर्ट करने का यह आंकड़ा छोटा है। पिछले वर्ष सऊदी अरब और यूएई द्वारा सबसे अधिक भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इनमें भी सऊदी अरब सबसे आगे रहा। सऊदी अरब द्वारा पिछले वर्ष 13,256 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। रियाद से 4,335 भारतीयों को और जेद्दाह स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से 8,921 भारतीयों को वापस भेजा गया। वहीं यूएई द्वारा अबूधाबी से 1,662 और दुबई से 7,896 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। इसके अलावा मलेशिया, म्यांमार और पड़ोसी देश चीन द्वारा भी कई भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, भारत सरकार का विदेश मंत्रालय अमेरिका सहित सभी देशों के साथ भारतीयों के डिपोर्टेशन के मुद्दे पर बातचीत कर रहा है। खासतौर पर अमेरिका द्वारा जिस तरह से भारतीयों को वापस भेजा गया, उस पर चर्चा की जा रही है। वास्तविकता यह है कि अमेरिका ने खुलेआम भारतीयों का अपमान करते हुए उन्हें डिपोर्ट किया था। उस समय न तो विदेश मंत्री, न ही विदेश मंत्रालय और न ही वहां स्थित भारतीय दूतावास ने कोई ठोस कदम उठाया या आपत्ति दर्ज कराई। अमेरिका ने बच्चों और महिलाओं को भी जंजीरों में बांधकर डिपोर्ट किया और फिर भी बयानबाजी करने वाले विदेश मंत्रालय की ओर से कुछ नहीं हुआ।

एक और चिंताजनक आंकड़ा यह है कि अमेरिका में भारतीयों की गिरफ्तारी भी बड़े पैमाने पर की जा रही है। पिछले वर्ष 1,993 भारतीयों को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) द्वारा गिरफ्तार किया गया। इनमें से लगभग 2,000 लोगों में से 1,669 के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था। जांच करने पर सामने आता है कि कैलिफोर्निया में सबसे अधिक 643 भारतीयों की गिरफ्तारी हुई, इसके बाद टेक्सास में 237 और न्यूयॉर्क में 115 भारतीयों को पकड़ा गया। यानी कुल गिरफ्तारियों का आधा हिस्सा इन्हीं तीन राज्यों में हुआ। इसके अलावा नवंबर में 3,258 भारतीयों को हिरासत में लिया गया था, जो नवंबर, 2024 की तुलना में लगभग 1,400 अधिक था। जानकारों के अनुसार मार्च, 2025 में आईसीई द्वारा हजारों विदेशी छात्रों के वीजा रद्द और टर्मिनेट किए गए थे। दूसरी ओर कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि देश में अवैध रूप से काम कर रहे एजेंटों की तलाश तेज कर दी गई है। सरकार द्वारा शुरू किए गए 'ईमाइग्रेट' पोर्टल के माध्यम से विदेश भेजने वाली एजेंसियों और संस्थाओं की जांच की जा रही है। दिसंबर तक 3,505 ऐसे एजेंटों की पहचान की गई है, जिनकी न तो पंजीकरण है और न ही लाइसेंस। सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। भविष्य में यदि इनके माध्यम से भेजे गए भारतीय डिपोर्ट होते हैं, तो अवैध नेटवर्क के और भी तथ्य सामने आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा अन्य देशों के लोगों को भी बड़ी संख्या में डिपोर्ट किया गया है। जनवरी, 2026 के आंकड़ों के अनुसार, आईसीई द्वारा हर महीने 920 वेनेजुएला, 560 निकारागुआ, 130 तुर्की, 840 कोलंबिया, 2,600 होंडुरास और 3,100 ग्वाटेमाला के नागरिकों को डिपोर्ट किया गया।

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आख़िरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें-सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से "चलने दो" कहकर नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ काग़ज़ों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ "मैनेज" कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है-ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन-लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं-कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है-जाँच के आदेश, मुआवज़े की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक। सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है? प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ़ ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है। असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को "अतिरिक्त खर्च" समझा जाता है और मुनाफ़े को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग।

दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवज़े की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवज़ा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है?

सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए "लक आज़माने" की जगह बन चुके हैं-जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है।

अब ज़रूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और ज़रा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात—हादसे की स्थिति में सिर्फ़ मुआवज़ा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए। आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँदे रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं।

गडबडाया प्रशासनिक ढांचा

डॉ. सुरेश कुमार

महोदया, सादर निवेदन है कि जब से आपने इस कार्यालय के धूल-धूसरित गलियारों में अपनी सैंडलों की 'टिक-टिक' के साथ आमद दी है, यहाँ का प्रशासनिक ढांचा किसी ढीले पड़े तंबू की तरह डगमगा गया है। नियमानुसार एक कनिष्ठ कर्मचारी की दृष्टि केवल सरकारी पंजियों के मलबे में दबी होनी चाहिए, किंतु आपकी आँखों का 'रडार' पिछले कई पखवाड़ों से लगातार मेरी 'स्थापना प्रभारी' वाली कुर्सी की ओर ही लक्षित पाया गया है। आपकी आँखों का यह अनधिकृत संचरण उस गुप्तचर की भांति है जो सीमा पार की गतिविधियों पर नजर रखता है, जबकि मेरा हृदय कोई प्रतिबंधित क्षेत्र नहीं है। आपके इस निरंतर 'दृष्टि-आक्रमण' ने मेरे भीतर के अनुशासन को वैसे ही छिन्न-भिन्न कर दिया है, जैसे कोई आवारा सांड लहलहाती फसल को तहस-नहस कर देता है। आपके इस कृत्य से मेरे कार्य-निष्पादन की क्षमता में गिरावट आई है और मेरी गंभीरता किसी फटे हुए ढोल की तरह बजने लगी है। आपके टाइपिंग करने की शैली भी किसी सामान्य लिपिक जैसी नहीं, बल्कि किसी युद्धघोष जैसी प्रतीत होती है। जब आप की-बोर्ड पर उंगलियाँ चलाती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे हृदय के किसी कोने में कोई 'नोटशीट' टाइप हो रही हो। टाइपिंग से अधिक समय आप मेरी भाव-भंगिमाओं के 'निरीक्षण' और 'समीक्षा' में व्यतीत कर रही हैं, जो सीधे तौर पर राजकीय समय का दुरुपयोग है। वरिष्ठ अधिकारी के चेहरे को इतनी गहराई से पढ़ना, जितना कि आप पढ़ रही हैं, केवल 'इंटेलिजेंस ब्यूरो' का काम है, किसी कनिष्ठ सहायक का नहीं। आपकी इस खोजी दृष्टि ने मुझे इस कदर विचलित कर दिया है कि कल मैंने आकस्मिक अवकाश की अर्जी पर हस्ताक्षर करने के बजाय गलती से 'आई लव यू' लिखकर डिस्पैच कर दिया। यह स्थिति किसी भी लोक सेवक के लिए वैसी ही लज्जास्पद है जैसे किसी पटवारी का रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा जाना।अब बात करते हैं उस 'मुस्कराहट' की, जो आपकी लबों पर किसी सरकारी वादे की तरह अधूरी और रहस्यमयी बनी रहती है। यह मुस्कराहट न तो पूर्णतः 'साधारण शिष्टाचार' की श्रेणी में आती है और न ही इसे 'विभागीय सौजन्य' माना जा सकता है। यह तो उस सूक्ष्म भ्रष्टाचार की तरह है जो फाइल के साथ नत्थी होकर आता है और हृदय की तिजोरी में सेंध लगा देता है। आपके इस अधर-प्रदर्शन से मेरे रक्तचाप में वह 'उछाल' दर्ज किया गया है, जो शेयर बाजार के सेंसेक्स में भी विरल ही देखा जाता है। दफ्तर में हंसी-मजाक की एक सीमा होती है, किंतु आपकी मुस्कराहट तो उस 'परमिट' की तरह है जो बिना किसी जांच के सीधे दिल के रास्ते को ग्रीन सिग्नल दे देती है। यदि यही स्थिति रही, तो मुझे आशंका है कि हमारे विभाग का बजट घाटा कम हो न हो, मेरे हृदय का सुकून जरूर दिवालिया घोषित हो जाएगा।

अतः आपको इस 'कारण बताओ नोटिस' के माध्यम से निर्देशित किया जाता है कि आप आगामी तीन कार्यदिवसों के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करें। आपकी इस मुस्कराहट को 'शिष्टाचार' के बस्ते में डालकर रद्दी में फेंक दिया जाए या इसे 'शुद्ध प्रेम' की श्रेणी में वर्गीकृत कर एक नया रजिस्टर खोल दिया जाए? इसलिए वस्तुस्थिति का स्पष्टीकरण अनिवार्य है। यदि यह प्रेम है, तो इसे मौखिक या लिखित रूप से 'सबमिट' करने में इतनी देरी क्यों? क्या आप भी किसी सरकारी टेंडर की तरह 'लोएस्ट बिडर' का इंतजार कर रही हैं? प्रेम का आवेदन यदि समय पर नहीं मिला, तो मैं इसे 'लैप्स' (व्यपगत) मान लूंगा और फिर आपको अपील करने के लिए कलेक्ट्रेट के चक्कर काटने पड़ेंगे, जहाँ का बाबू मुझसे भी बड़ा सनकी है।

नई तकनीक पैदा कर रही है रोजगार, मिल रहे अवसर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी, संधारणीय ऊर्जा और डिजिटल फाइनें उभरते क्षेत्र न केवल नए अवसर पैदा कर रहे हैं, बल्कि उद्योग जगत को नया आकार भी दे रहे हैं। इसीलिए फ्रेशर्स और कॉलेज के छात्र लगातार ऐसे अवसरों की खोज में रहते हैं, जो भारत में उभरते कॅरिअर ट्रेंड के साथ मेल खाते हों। ऐसे में इन क्षेत्रों में कॅरिअर बनाकर आप नवाचार, वास्तविक समस्याओं को सुलझाने और नई तकनीक सीखने में बाकियों से चार कदम आगे रहेंगे। इसके अलावा उभरते हुए क्षेत्रों में नौकरी करना आपकी रचनात्मकता, जिज्ञासा, शोध और कौशल को दर्शाती है। ऐसे कुछ बेहतरीन क्षेत्र हैं, जिनके विशेषज्ञों की मांग दुनिया भर में है।

वीआर और एआर

वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) दो सबसे आशाजनक तकनीकें हैं, जिनकी मांग दुनिया में सर्वाधिक है।

गेमिंग और मनोरंजन क्षेत्रों से लेकर 3डी मॉडलिंग और सोशल नेटवर्किंग तक, एआर और वीआर हर जगह अपनी जगह बना रहे हैं। यूआई और

यूएक्स डिजाइनर इंजीनियर, वीआर गेम इंजीनियर, वर्चुअल रियलिटी डिजाइनर आदि के रूप में आप अपना कॅरिअर बना सकते हैं।

कंप्यूटर फोरेंसिक

कंप्यूटर फोरेंसिक विशेषज्ञ का कार्य डिजिटल साक्ष्य ढूंढना और तैयार करना है, जिसका उपयोग किसी भी अदालती कार्यवाही, परीक्षण और आपराधिक जांच में किया जा सकता है।

कंप्यूटर फोरेंसिक के क्षेत्र में जाने के लिए कंप्यूटर विज्ञान, साइबर सुरक्षा, आपराधिक न्याय या अन्य क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री होना जरूरी है। कंप्यूटर फोरेंसिक से संबंधित कई ग्लोबल इंफॉर्मेशन एश्योरेंस सर्टिफिकेशन (जीआईएसी) कोर्स हैं, जिसे आप निजी संगठनों और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी जैसी सरकारी संस्थाओं से कर सकते हैं।

इसके बाद विभिन्न शोध संस्थानों, सीबीआई, एनआईए आदि सरकारी विभागों में नौकरी के रास्ते खुल जाते हैं।

एनएलपी इंजीनियर

एनएलपी इंजीनियर मशीनों को मानव भाषा की पहचान करने, व्याख्या करने और उत्पन्न करने में बनाते होते हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, डाटा साइंस या कंप्यूटर साइंस जैसे क्षेत्र में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। एनएलपी इंजीनियर बनकर आप अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, आईबीएम जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी कर सकते हैं।

फिनटेक

फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी या फिनटेक शब्द का उपयोग आर्थिक क्षेत्र में विकसित की जा रही नई तकनीकों के लिए किया जाता है। इसमें पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं में नई और तेज सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

फिनटेक पेशेवर वित्त उद्योग को नया आकार देने के लिए डिजिटल भुगतान, ब्लॉकचेन और वित्तीय विश्लेषण में नवाचार करते हैं। आप एक्सेंचर, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज आदि में वेब डेवलपर, ब्लॉकचेन डेवलपर और एनालिस्ट के रूप में कॅरिअर बना सकते हैं।

आईटीआई के बाद रोजगार के कई अवसर, ये ट्रेंड बन रहा है युवाओं की पसंद

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान. यह एक कोर्स है, जिसे करने के बाद आप सरकारी या प्राइवेट क्षेत्र में नौकरी पा सकते हैं। आईटीआई में 6 महीने से लेकर 2 साल तक की डिप्लोमा कोर्स होते हैं। एडमिशन के लिए, योग्यता परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। आईटीआई करने के बाद, आपको कई तरह की नौकरियों के लिए मौका मिल सकता है, जैसे कि भारतीय रेलवे, भारतीय सेना, पीडब्ल्यूडी सिचाई विभाग, और टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट। इसमें प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास है। हर राज्य में ढेरों आईटीआई संस्थान मौजूद हैं।

इंटीरियर डिजाइनर

इंटीरियर डिज़ाइनर के तौर पर, आपको लेआउट, फर्नीचर, रंग योजनाओं, बनावट, और अन्य तत्वों को डिजाइन करना होता है। आप ग्राहक की जरूरतों और नजरिए से मेल खाने वाली जगह बनाते हैं। यह कोर्स इन दिनों युवाओं को काफी भा रहा है। यह एक गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम है।स

मैकेनिक एग्रीकल्चर मशीनरी

कृषि उपकरण मैकेनिक, कृषि उपकरणों की मरम्मत, रखरखाव, और सर्विसिंग से जुड़े काम करते हैं। कृषि मशीनरी, जैसे कि ट्रैक्टर, कंबाइन, स्प्रेयर, हार्वेस्टर, वगैरह को कुशलतापूर्वक और प्रभावी तरीके से चलाने के लिए कृषि उपकरण मैकेनिक ज़िम्मेदार होते हैं। ये दो वर्षीय वोकेशनल कोर्स है।

डेस्कटॉप पब्लिशिंग ऑपरेटर कोर्स

यह एक साल का कोर्स है और इसे सीटीएस के तहत पढ़ाया जाता है। यह कोर्स एनएसटीआई और आईटीआई के नेटवर्क के जरिए देश भर में पढ़ाया जाता है। डीटीपी कोर्स में, ग्राफ़िक्स जैसे कि विज़िटिंग कार्ड, पत्रिकाएं, लोगो, कार्टून, और समाचार पत्र वगैरह को डिज़ाइन करने का तरीका सिखाया जाता है।

मार्केटिंग एग्ज़ीक्यूटिव

मार्केटिंग एग्ज़ीक्यूटिव में डिप्लोमा कोर्स करने के लिए, 10वीं पास होना चाहिए। एक वर्षीय इस पाठ्यक्रम में कुल 18 क्रेडिट होते हैं। कंपनी के उत्पादों और सेवाओं को लक्षित दर्शकों तक पहुंचाना, टेलीविज़न स्पॉट या पत्रिका में विज्ञापन करना, डिजिटल मार्केटिंग के ज़रिए विपणन करना, विज्ञापन और संचार अभियान का आयोजन करना, प्रदर्शनियां और प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करना, बाज़ार अनुसंधान और विश्लेषण करना आदि करना होता है।

रेडियोलॉजी टेक्नीशियन

यह कोर्स दो साल का डिप्लोमा कोर्स होता है। इस कोर्स में थ्योरी के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज में भी ट्रेनिंग कराई जाती है। इस कोर्स में एंजियोग्राफ़ी, फ़्लोरोस्कोपी, एमआरआई, एक्स-रे, पीईटी, और सीटी स्कैन जैसी तकनीकों के बारे में पढ़ाया जाता है। रेडियोलॉजी टेक्नीशियन को रेडियोलॉजिक टेक्नोलॉजिस्ट भी कहा जाता है।

कंप्यूटर हाईवेयर और नेटवर्किंग

आईटीआई में कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क मेंटेनेंस कोर्स, एनसीवीटी द्वारा संचालित किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद, आप कंप्यूटर हार्डवेयर तकनीशियन, हार्डवेयर इंजीनियर, डेस्कटॉप/लैपटॉप सपोर्ट तकनीशियन, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, नेटवर्क सपोर्ट तकनीशियन जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक

आईटीआई इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक कोर्स की अवधि दो साल की होती है, जिसमें 4 सेमेस्टर होते हैं। इस कोर्स के दौरान छात्रों को कई विषयों से परिचित कराया जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत, मैकेनिकल इंस्ट्रूमेंट्स, इंडिकेटर इत्यादि जैसे विषय। इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक एक इंस्टालेशन, समस्या निवारण और इंस्ट्रूमेंटेशन की मरम्मत करने वाला व्यावसायिक ट्रेड है।

सफलता की पहली सीढ़ी है 'आत्मविश्वास'

प्रतिभा, योग्यता, सफलता के बीज प्रत्येक मानव के अंदर छुपे होते हैं । जरूरत है उन्हें अंकुरित करने, पुष्पितपल्लवित करने की। इसके लिए जो कला आवश्यक है, वह है परिश्रमशीलता और आत्मविश्वास ।

यदि हमें खुद पर विश्वास है तो हम जरूर मंजिल तक पहुंच सकते हैं । कोई काम कितना भी कठिन क्यों न हो, दृढ़ आत्मविश्वास से पूरा किया जा सकता है। जीवन में कामयाब होने के लिए सबसे जरूरी है कि हमें अपने आप पर भरोसा होना चाहिए।

जिनके पास आत्मविश्वास है, वे विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं । से बड़ी चुनौती का सामना करके सफलता की बुलंदियों को छू सकता है। दुनिया के महान से महान कार्य साधारण व्यक्तियों ने अपने आत्मविश्वास के बल पर ही पूरे किए हैं। के शिक्षकों की आइंस्टीन राय उनके बारे में बहुत अच्छी न थी, लेकिन तमाम कमियों, तीखी टिप्पणियों के बावजूद आइंस्टीन निराश नहीं हुए। जीवन के प्रति उनमें आशा बनी रही क्योंकि उन्होंने अपना आत्मविश्वास नहीं खोया । उन्होंने किसी टीचर की टिप्पणी से आहत होकर आत्महत्या नहीं की, बल्कि अपने परिश्रम और अपनी प्रतिभा आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्ति बड़ी से नोबेल पुरस्कार तक प्राप्त किया।

इंडियन ऑयल में अप्रेंटिस की 637 नौकरियां, 12वीं पास भी कर सकते हैं आवेदन; बिना परीक्षा होगा चयन

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अप्रेंटिस भर्ती 2026 की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस भर्ती के तहत पानीपत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में विभिन्न ट्रेड और विषयों में 637 अप्रेंटिस पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

योग्य उम्मीदवार 7 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती 1961/1973 के अनुदेशक अधिनियम के तहत की जा रही है।

आवेदन के लिए जरूरी योग्यता?

इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों के पास नियमित और पूर्णकालिक पदों के लिए निम्नलिखित योग्यताओं में से कोई एक होना आवश्यक है: बीएससी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित या औद्योगिक रसायन विज्ञान), रासायनिक/यांत्रिक/विद्युत/इंस्ट्रुमेंटल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, एनसीवीईटी/एससीवीटी से आईटीआई (फिटर), बीए/बीएससी/बीकॉम या 12वीं पास (डेटा एंट्री ऑपरेटर के लिए)।

ध्यान दें कि बी.टेक, एमबीए, एमसीए, सीए जैसी उच्च योग्यताएँ रखने वाले उम्मीदवार इस भर्ती के लिए पात्र नहीं हैं।

आयु सीमा की शर्तें

इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 24 वर्ष होनी चाहिए। यह आयु सीमा 20 फरवरी 2026 को अंतिम तिथि के अनुसार लागू होगी।आयु सीमा में छूट भी निर्धारित की गई है। एससी उम्मीदवारों को 5 वर्ष की छूट, ओबीसी (एनसीएल) उम्मीदवारों को 3 वर्ष की छूट और PwBD (दिव्यांग) उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

इस भर्ती में कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी। उम्मीदवारों का चयन उनके अंकों के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार किया जाएगा। इसके अलावा, पहली बार अप्रेंटिस बनने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। अगर दो या अधिक उम्मीदवारों के अंक समान हों, तो टाई-ब्रेकिंग नियम लागू होगा।

पीएनबी में निकली बंपर भर्ती, यूपी और एचपी समेत कई राज्यों में 5000+ पदों पर होगा चयन

पीएनबी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अप्रेंटिस भर्ती के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया है। किसी भी विषय में स्नातक डिग्री प्राप्त पात्र उम्मीदवार 8 से 24 फरवरी 2026 तक पोर्टल (bf-sissc.com) पर पीएनबी अप्रेंटिस भर्ती 2026 के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सरकारी नौकरियां का कुल योग 5138

आवेदन की सभी शर्तें

पीएनबी अप्रेंटिस भर्ती के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री होना आवश्यक है। स्नातक का परिणाम 31 दिसंबर 2025 तक घोषित होना चाहिए था। एनएटीएस में पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए स्नातक की डिग्री प्राप्त करने की तिथि 1 जनवरी 2026 से अधिक 4 साल पुरानी नहीं होनी चाहिए।

उम्मीदवार की आयु 01 जनवरी 2026 को न्यूनतम 20 वर्ष और अधिकतम 28 वर्ष होनी चाहिए। अर्थात जन्म तिथि 02.01.1998 से पहले और 01.01.2006 के बाद नहीं होनी चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और PWD उम्मीदवारों को सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी। एनएपीएस के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 01.01.2026 को 34 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इतना मिलेगा स्टाइपेंड

पीएनबी अप्रेंटिस भर्ती 2026 में चयनित प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान मासिक वजीफा मिलेगा। ग्रामीण, अर्ध-शहरी और शहरी शाखाओं में 12,300 रुपये प्रति माह और मेट्रो शाखाओं में 15,000 रुपये प्रति माह मिलेगा। इस दौरान कोई अन्य भत्ता या लाभ लागू नहीं होगा।

पीएनबी अप्रेंटिस का प्रशिक्षण कुल एक वर्ष (12 महीने) का होगा। इसमें पहले 2 सप्ताह का बुनियादी प्रशिक्षण और उसके बाद 50 सप्ताह का कार्य-प्रशिक्षण शामिल होगा।

इस तरह से कर सकेंगे आवेदन

आवेदन और परीक्षा शुल्क ऑनलाइन (डेबिट/क्रेडिट कार्ड या नेट बैंकिंग से) जमा करें।

उसी ईमेल और मोबाइल नंबर का उपयोग करके NAPS पोर्टल (apprenticeshipindia.gov.in) पर पंजीकरण करें।

NATS पोर्टल (nats.education.gov.in) पर भी पंजीकरण करें।

अपना NAPS अप्रेंटिस कोड और NATS नामांकन संख्या BFSI SSC पोर्टल पर अपडेट करें। भविष्य के संदर्भ के लिए अपने जमा किए गए आवेदन का प्रिंटआउट सुरक्षित रखें।

शानदार करिअर हेयर स्टाइलिंग का

ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग

भारत जैसे देश में, जहां बेरोजगारी एक चुनौती बनी हुई है, वहां वोकेशनल ट्रेनिंग कार्यक्रम उम्मीद की किरण है। ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री में बढ़ोतरी के साथ, ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर बनाना भारतीय युवाओं के लिए एक प्रैक्टिकल ऑप्शन बन गया है।

ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री, जिसमें हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री, स्पा ट्रीटमेंट और सैलून मैनेजमेंट जैसी सर्विसेज शामिल हैं। इसमें करिअर संवारने के साथ ही कमाई और अपनी क्रिएटिविटी को निखारने का भी बहुत स्कोप है।

कोर्सेस और संस्थान

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर शुरू करने के लिए डिग्री, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएशन और यहां तक कि डॉक्टरेट (कॉस्मेटोलॉजी में) तक के कोर्सेज उपलब्ध हैं।

इन कोर्सेज को बालों की देखभाल, त्वचा की देखभाल, मेकअप, स्पा ट्रीटमेंट, सैलून मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत के कुछ मशहूर संस्थान जो ब्यूटी और हेयर स्टाइलिंग कोर्सेज कराते हैं-

शहनाज हुसैन ब्यूटी अकेडमी

लक्मे अकादमी (पॉवर्ड बाय एप्टेक)

जावेद हबीब हेयर एंड ब्यूटी एकेडमी

क्रिस्टीन वाल्मी इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ ब्यूटी

वीएलसीसी इंस्टीटूशन ऑफ़ ब्यूटी एंड न्यूट्रीशियन

ब्लॉसम कोचर कॉलेज ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स एंड डिजाइन

कमाई का स्कोप

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में कमाई एक्सपीरियंस, एक्सपर्टीज, प्लेस और कस्टमर्स की डिमांड के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। शुरुआती स्टेज में 15,000 रुपए से 25,000 रुपए प्रति माह आमदनी हो सकती है। एक्सपीरियंस के बाद कमाई बढ़ने लगती है। ट्रेंड प्रोफेशनल, सैलून मालिक और हेयर स्टाइलिस्ट हर महीने 50,000 रुपए से लेकर कई लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

स्पेशलाइजेशन

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में कई स्पेशलाइजेशन मुमकिन हैं। इनमें व्यक्ति अपनी रुचि और विशेषज्ञता के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कुछ लोकप्रिय विशेषज्ञता में हेयर कटिंग और स्टाइलिंग, हेयर कलरिंग, ब्राइडल मेकअप, स्पा थैरेपी, सैलून मैनेजमेंट, स्किनकेयर और नेल आर्ट शामिल हैं।

किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करके, पेशेवर अपने लिए एक जगह बना सकते हैं और एक विशिष्ट ग्राहक वर्ग को पूरा कर सकते हैं, जिससे उनकी कमाई की क्षमता और पेशेवर विकास में वृद्धि होती है।

प्रोफेशन का दायरा

ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग का विकास केवल सैलून सेवाओं तक ही सीमित नहीं है। यह फिल्म और टेलीविजन, फैशन और शादी उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है। भारत सांस्कृतिक और सिनेमाई विविधता का केंद्र होने के साथ ये क्षेत्र कुशल पेशेवरों के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

उदाहरण के लिए संध्या शेकर, मिकी कॉन्ट्रैक्टर, आरती नय्यर आदि जैसे देश के प्रसिद्ध मेकअप कलाकार हैं तो वही बियांका लॉज़ादो, श्रद्धा लूथरा, ओजस रजनी इत्यादि देश के प्रसिद्ध ब्राइडल मेकअप कलाकार हैं। उनकी विशेषज्ञता और प्रतिभा ने उन्हें उनके संबंधित क्षेत्रों में पहचान और सम्मान अर्जित किया है।

ये वास्तविक जीवन के उदाहरण सौंदर्य उद्योग में उपलब्ध असीम क्षमता और अवसर दिखाते हैं। रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा सौंदर्य सेवाओं और हेयर स्टाइलिंग में अनेक लोग अपना सफल उद्यम भी शुरू करते हैं। यदि आप कम प्रारंभिक निवेश से कोई व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं तो यह एक अच्छा व्यवसाय है।

कम पैसों में ऐसे शुरू करें शानदार कमाई वाले बिजनेस

ऐसे में अगर आप भी कमा में माहिर है तो इसकी शुरूआत कर सकते हैं और अच्छी कमाई कर सकते हैं ! इस तरह के काम में रूम डेकोरेट , खिलौना , वाल पेंटिंग या त्योहार में बनने वाली रंगोली आती हैं, जिसकी डिमांड हमेशा से ही मार्केट में रही है ! आज के समय में कला का बिजनेस काफी बड़े स्तर पर विस्तारवादी और पूंजीवादी बन चुका है ! कम लगत में इन्हीं बिजनेस को शुरू कर लोग सफल हो रहे हैं, तो चलिए आपको भी बताते हैं कि ऐसे कुछ बिजनेस के बारे में जिसे शुरू कर आप अच्छा पैसा कमाया सकते हैं !

दीवारों पर पेंटिंग करने का कारोबार

समय के साथ-साथ अब घर की साज-सजावट में भी काफी बदलाव देखे को मिल रहे हैं ! लोग अपने घरों को बेहद ही अलग तरीके से सजाना पसंद करते हैं ! जहां दिवारों पर अलग तरह के रंग और डिजाइन बनाए जाते हैं ! इसके अलावा अब तक घरों की छतों पर भी काफी खूबसूरत डिजाइन बनाए जाने लगे हैं ! ऐसे में लोग घर की साज-साजावट के लिए इंटीरियर डेकोरेशन का सहारा लेते हैं ! साथ ही इसके लिए काफी सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दीवारों की पेंटिंग का क्रेज एक अलग ही लेवल पर है !

खिलौने का बिजनेस

वहीं अब धीरे-धीरे भारत में बाहर से सामना आना बंद ही हो चुका है ! ऐसे में देश के पीएम मोदी भी देश के लोगों को स्वदेशी खिलौने बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, तो ऐसे में अगर आप खिलौने का बिजनेस शुरू करते हैं तो ये आपके लिए एक बेहद ही शानदार बिजनेस हो सकता है ! हर बच्चे को खिलौना बहुत पसंद होता है ! वहीं आजकल घर को डेकोरेट करने के लिए भी खिलौने का इस्तेमाल किया जाने लगा है ! इसलिए अगर आप खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते है तो ये बिजनेस आपके लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है क्योंकि ये कम बजट में शुरू किया जा सकता है, जिसके लिए अलग से दुकान की जरुरत नहीं होगी !

इंटीरियर डेकोरेटर

आखिर में बात करते हैं इंटीरियर डेकोरेटर के बारे में ! आज भी हम डेकोरेशन की बात करें तो हमें पुरानी चीजे ज्यादा प्रभावित करती हैं ! थोड़ा बहुत शुभ-अशुभ भी माना जाता है ! साथ ही अपने घर को सजाने में आवाजों और रोशनी को हमेशा ध्यान में रखा जाता है कि वो कहा से आती हैं और कैसे आपके घर के माहौल को प्रभावित करती है या अलग-अलग रंगों की बात करें तो वो मन मस्तिष्क को बदलने वाले हैं ऐसे ही रंगों का इस्तेमाल में लाया जाता है !

क्या बॉलीवुड में डेब्यू के ख्वाब देख रहीं भोजपुरी क्वीन अक्षरा?

अपने अभिनय, डांस और सिंगिंग को लेकर दर्शकों की तारीफ बटोरने वाली अक्षरा सिंह ने अब यूट्यूब पर कुकिंग व्लॉग शुरू कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने इसका एलान किया था। 'चटर पटर' नाम के इस चैनल पर अक्षरा अपने माता-पिता के साथ कोई डिश बनाती हैं। साथ-साथ भरपूर मस्ती होती है। व्लॉग का पहला एपिसोड काफी पसंद किया गया था। अब इसका दूसरा एपिसोड रिलीज कर दिया गया है।

अक्षरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें व्लॉग के दूसरे एपिसोड के रिलीज होने की जानकारी देते हुए लिखा है, 'पहले एपिसोड को आप सभी ने इतना प्यार दिया, दिल खुश हो गया। अब 'चटर-पटर' का दूसरा एपिसोड लाइव हो गया है। मम्मी, पापा और मेरी फुल मस्ती के साथ। देखिए, एंजॉय करिए और बताइए कैसा लगा? आपका प्यार ही इस फैमिली फन को वायरल बनाता है।

बुआ का नाम सुनते ही 'चिढ़' गईं अक्षरा की मां!

व्लॉग की शुरुआत अक्षरा सिंह से होती है। वे सोकर उठती हैं। अपनी मां को बताती हैं कि उन्हें एक सपना आया। सपने में बुआ आईं और अपने हाथ का टेस्टी हलवा बनाती दिखीं। यह सुनते ही अक्षरा की मां नीलिमा सिंह जलन महसूस करते हुए कहती हैं कि तुम्हारी बुआ को क्या हलवा बनाना आता है, वो तो मैं अच्छा बनाकर दिखाती हूं। इसके बाद अक्षरा अपनी मां के साथ मिलकर हलवा बनाती हैं। इसी दौरान वे कहती हैं, 'काश बॉलीवुड डेब्यू मांग लिया होता'। वे ख्यालों में गुम होती हैं कि उनकी मां उन्हें टोक देती हैं।

'चांद तलक' सॉन्ग हुआ रिलीज

अक्षरा सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अपने गाने 'चांद तलक' को लेकर चर्चा में हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें अक्षरा के साथ एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत नजर आए हैं।

भूमि पेडनेकर की 'दलदल' बनी ग्लोबल हिट

भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ दिखाती है कि वह ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेटः एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है।

बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है।

यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है।

दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है।

सिनेमाघरों से लेकर दुनियाभर के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तक, भूमि ऐसा काम कर रही हैं जो खुद बोलता है। दलदल की सफलता के साथ यह साफ है कि भूमि सतीश पेडनेकर हर बार बड़ा जोखिम लेती हैं और उसे पूरी मजबूती से निभाती हैं।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक, बोलीं- 'हम मशीन नहीं हैं'

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है।

अदिति राव हैदरी कहती हैं, 'मुझे लगता है कि यह हर व्यक्ति की अपनी पसंद है। अगर कोई कलाकार तय घंटे तक काम करना चाहता है, तो यह उसका पूरा हक है। अगर कोई अलग तरह से काम करना चाहता है, तो वह भी उसकी अपनी पसंद है।'

एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है

वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।'

अदिति राव हैदरी आगे कौन सी फिल्म कर रही हैं?

अदिति राव हैदरी हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' में नजर आईं। जल्द ही वह पंकज त्रिपाठी के साथ फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में नजर आएंगी। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। वह बताती हैं, 'यह अनुभव बहुत मजेदार रहा।

यह फिल्म अपने आप में मेरे लिए बहुत नई और अलग तरह की है। इससे पहले मैंने ऐसा कुछ नहीं किया था। पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना सच में शानदार रहा। वह बहुत दयालु हैं, बहुत सरल स्वभाव के हैं। सेट पर उन्हें देखना ही खुशी देता है। इस प्रोजेक्ट में कई बेहतरीन कलाकार भी थे, खासकर थिएटर से जुड़े हुए लोग हैं। इतने प्रतिभाशाली लोगों के बीच रहना मेरे लिए नया और अच्छा अनुभव था।'

परफॉर्म करने के बाद नोरा फतेही ने मनाया जन्मदिन
वीडियो शेयर कर लिखा 'जय हिंद'

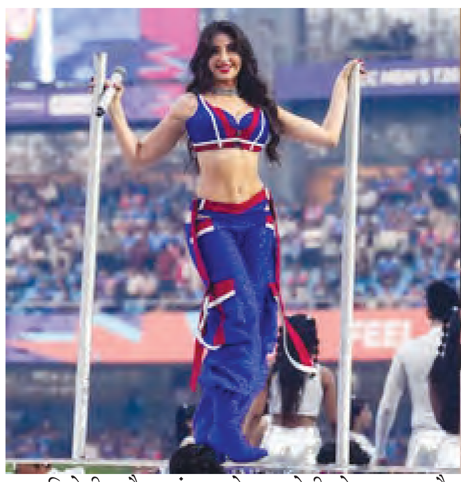

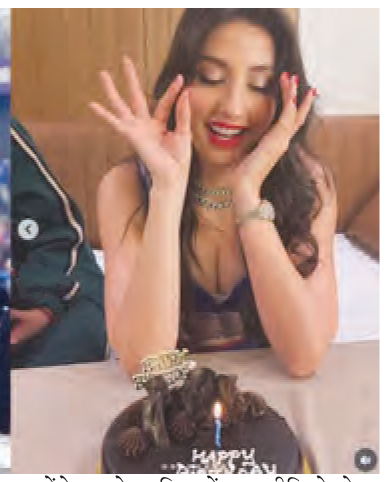

अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही ने कल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो शेयर किया है और एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं उन्होंने पोस्ट में क्या लिखा है?

नोरा ने मनाया जन्मदिन

नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने 'एक तो कम जिंदगानी', 'गर्मी', 'स्नेक' और 'वन्दे मातरम्' गाने पर शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने सबसे आखिर में एक वीडियो शेयर किया जिसमें देखा जा सकता है कि वह परफॉर्म करके वापस आईं। उनके साथियों और करीबियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लोगों का शुक्रिया अदा किया, केक पर लगी मोमबत्ती बुझाई और कई लोगों को हग किया।

नोरा ने लिखी पोस्ट

परफॉर्मेंस और जन्मदिन मनाने का वीडियो शेयर करते हुए नोरा फतेही ने लिखा 'टी20 वर्ल्डकप की ओपनिंग सेरेमनी और मेरे जन्मदिन का सेलेब्रेशन, वाह। मैं खुशनसीब हूं। जय हिंद।'

'रामायण' में रिप्लेस किए जाने पर विक्रांत मैसी ने दी सफाई

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित अपमकिंग फिल्म 'रामायण' इस साल की चर्चित फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस मूवी को बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में एक्टर रणबीर सिंह तो सई पल्लवी माता सीता के रोल में नजर आएंगी। वहीं, ऐसी भी खबर सामने आई थी कि 'रामायण' में मेघनाद के किरदार के लिए विक्रांत मैसी को अप्रोच किया गया है। लेकिन, बाद में कहा गया कि उन्हें इस रोल से रिप्लेस कर दिया गया है। वहीं, हाल ही में विक्रांत ने खुद को फिल्म से रिप्लेस किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी।

क्या बोले विक्रांत?

दरअसल, विक्रांत मैसी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट, जिसमें उन्होंने लिखा था- 'मैं इन खबरों पर विराम लगाता हूं। मैं कभी भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं था। बहरहाल, रामायण फिल्म की पूरी कास्ट को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं जरूर टिकट खरीदकर ये मूवी देखने जाऊंगा।' हालांकि, बाद में एक्टर ने ये पोस्ट डिलीट भी कर दी, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक राघव जुयाल 'रामायण' में मेघनाद का किरदार निभा सकते हैं। उनका किरदार 'रामायण पार्ट टू' में नजर आएगा, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। बता दें, फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर के अलावा साउथ एक्टर यश, सनी देओल और रवि दुबे जैसे स्टार्स लीड रोल में नजर आंएगे। इसका पहला पार्ट इस दिवाली (2026) में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं इस दूसरा भाग 2027 दिवाली को रिलीज होगा।

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा होंगे शाहिद और रश्मिका

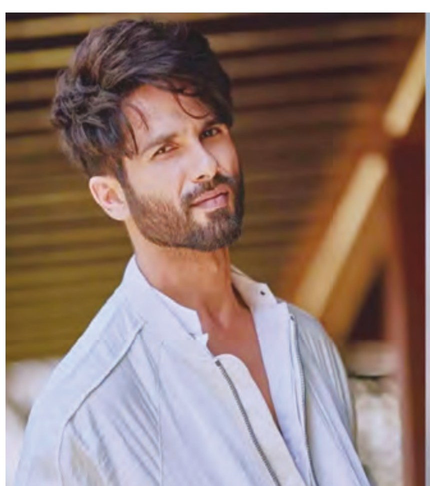

शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि इस फिल्म के अलावा वह एक नई फिल्म में नजर आएंगे। 'कॉकटेल 2' में दोनों की केमिस्ट्री को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब वह अनिल शर्मा के निर्देशन में बनने वाली नई फिल्म का हिस्सा होंगे।

काम करते हुए बनी बॉन्डिंग

'कॉकटेल 2' में काम करते हुए उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म से उनके लिए दूसरी फिल्म का रास्ता बना। बताया जाता है कि 'कॉकटेल 2' की शूटिंग के दौरान शाहिद और रश्मिका के बीच अच्छी बॉन्डिंग बन गई। जब उनसे नए प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया, तो वे एक-साथ काम करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। अनाम फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण होगा। इसे सुनील खेत्रपाल प्रोड्यूस करेंगे।

कब रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'?

फिल्म 'कॉकटेल 2' ने निर्देशक होमी अदजानिया हैं। यह 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इसमें शाहिद और रश्मिका के अलावा कृति सेनन भी अहम किरदार में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज हो सकती है।

शाहिद और रश्मिका का काम

वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आने वाले हैं। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित यह फिल्म 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी। वहीं, रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा के साथ 'रणबाली' में नजर आएंगी। यह फिल्म 11 सितंबर, 2026 को रिलीज होगी। उनके पास 'मैसा' और 'AA22xA6' भी पाइप लाइन में हैं।

मैं कभी आलोचना से डरती नहीं, बल्कि सीख लेती हूं : शनाया कपूर

शनाया कहती है, "अगर कमैंट्स मेरीअपीयरैंस के बारे में हैं, जैसे कि मैं आज कैसी दिख रही हूं यामेरे चेहरे के बारे में कमैंट्स होते हैं तो मैं उन पर गौर न करना ही पसंद करती हूं। फिर भी, यह मानना जरूरी है कि ऐसे कमैंट्स कभी-कभी दुख पहुंचा सकते हैं; जब मैं इनसे बचने की कोशिश करती हूं तो यह मेरे लिए पर्सनली थोड़ा मुश्किल हो जाता है।"

इन दिनों अपनी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर चर्चा में शनाया कपूर बॉलीवुड की उन नई अभिनेत्रियों में से एक है जिनको अक्सर ही सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है।

जब से शनाया ने सिनेमा जगत में कदम रखे हैं, वह सोशल मीडिया की बेरहम दुनिया से दो-चार होती रही है।

उसने हाल ही में बताया कि वह दर्शकों के फीडबैक और अपनी परफॉर्मेंस पर किए जाने वाले ऑनलाइन कमैंट्स से कैसे निपटती है । उसने माना है कि वह सोशल मीडिया पर अपने बारे में लिखे गए कमैंट्स बड़े ध्यान से पढ़ती है।

जहां एक्टिंग और डांस पर आए तंज उसे 'रियलिटी चैक' लगते हैं, वहीं लुक्स और खासकर 'जॉलाइन' (जबड़े) पर होने वाली बातें वह सधे अंदाज में इग्नोर कर देती है लेकिन ये नैगेटिव कमैंट्स कभी-कभी उसे भी चुभ जाते हैं- आखिरकार, स्टार भी इंसान ही होते हैं ।

उसने कहा, मेरा मानना है कि कई तरह के कमैंट्स होते हैं। अगर वे मेरे काम से जुड़े हैं, जैसे कि मेरे डांस या एक्टिंग पर फीडबैक, तो भले ही कमैंट्स काफी नैगेटिव हों या कठोर तरीके से कहे गए हों, मैं उन्हें अच्छी आलोचना मानती हूं क्योंकि दर्शकों की बात सुनना मेरी जिम्मेदारी है। हो सकता है कि उन्हें अच्छे से न कहा गया हो, और वे थोड़े चुभ सकते हैं, लेकिन ये सच्चाई से सामना कराने का काम करते हैं ।

उसका यह भी कहना है कि वह दर्शकों की मंजूरी को लेकर बहुत सीरियस । यही वजह है कि वह ट्रोलिंग से भागती नहीं, बल्कि उसे समझने की कोशिश करती है ।

कुछ लोग इसे उसकी मजबूत सोच कह रहे हैं, कुछ का मानना है कि यह उसकी आने वाली फिल्मों की तैयारी का हिस्सा है- क्योंकि दर्शकों की नब्ज समझना आज के दौर में सबसे बड़ा हथियार है।

26 वर्षीय इस एक्ट्रैस ने साफ किया कि वह ऐसी आलोचना को ट्रोलिंग नहीं बल्कि एक यूजफुल इनपुट मानती है जो उसे आगे बढ़ने में मदद करता है।

शनाया मानती है कि किसी भी कलाकार के लिए दर्शकों की राय समझना जरूरी है।

उसने कहा, मैं दर्शकों की मंजूरी चाहती हूं। अगर मैं उनके बारे में और उनकी भावनाओं को समझने से बचूंगी तो मैं कैसे अच्छा काम कर पाऊंगी इसीलिए मैं अक्सर उनसे जुड़ती हूं।

हालांकि, उसने माना कि जो कमैंट्स उसके रंग-रूप या शरीर को टारगेट करते हैं, उन्हें वह नजरअंदाज करने की कोशिश करती है।

उसने कहा, अगर कमैंट्स मेरी अपीयरैंस के बारे में हैं, जैसे कि मैं आज कैसी दिख रही हूं या मेरे चेहरे के बारे में कमैंट्स होते हैं। तो मैं उन पर गौर न करना ही पसंद करती हूं। फिर भी, यह मानना जरूरी है कि ऐसे कमैंट्स कभी - कभी दुख पहुंचा सकते हैं; जब मैं इनसे बचने की कोशिश करती हूं तो यह मेरे लिए पर्सनली थोड़ा मुश्किल हो जाता है।'

गौरतलब है कि शनाया ने बॉलीवुड फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से कदम रखे थे । इस फिल्म के लिए भी उसे काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था लेकिन जिस हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ वह ट्रोलिंग का सामना करती है, वह काबिल-ए- तारीफ है।

अगली फिल्म

शनाया जल्द ही फिल्म 'तू या मैं ' में नजर आएगी। बिजोय नांबियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म 13 फरवरी को रिलीज होने वाली है, जो 'वैलेंटाइन डे वीकेंड' है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर 'ओ रोमियो' से होगी ।

'तू या मैं' में शनाया के साथ लीड रोल में आदर्श गौरव है । शनाया ने आदर्श के साथ दोस्ती के बारे में बताया कि फिल्म की वर्कशॉप के दौरान वे दोनों बहुत सारी मस्ती वाली चीजें करते थे। इससे उनकी दोस्ती बहुत मजबूत हो गई। शूटिंग के बीच में ब्रेक के समय वे दोनों एक-दूसरे को बहुत 'रोस्ट' करते यानी मजाक में ताने मारते और हंसते थे ।

उसने आदर्श को एक बहुत अच्छा एक्टर बताया। उसने कहा कि आदर्श का अभिनय देखकर भी उसे बहुत प्रेरणा मिली है।

'नक्सलवाद खात्मे की उलटी गिनती शुरू'

केन्द्रीय मंत्री शाह की अगुवाई में उच्चस्तरीय रणनीतिक मंथन

रायपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। अमित शाह ने दौरे के दूसरे दिन रविवार को राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद को लेकर एक उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की। यह बैठक देश से माओवादी उग्रवाद को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा तय 31 मार्च की समयसीमा से कुछ सप्ताह पहले आयोजित की गई।

एक अधिकारी ने बताया कि नवा रायपुर अटल नगर स्थित एक होटल में हुई इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक और गृह मंत्रालय में विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) शामिल हुए।

इसके अलावा अमित शाह की इस हाईलेवल मीटिंग में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक, साथ ही छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड और तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक एवं कई वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ का बस्तर क्षेत्र, जिसमें सात जिले शामिल हैं, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा की सीमाओं से सटा हुआ है और लंबे समय से माओवादियों का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। हालांकि, बीते कुछ वर्षों में यहां नक्सल रोधी अभियानों में तेजी आई है, जिससे उग्रवादी गतिविधियां कम हुई हैं।

पुलिस के अनुसार, जनवरी 2024 से अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों के दौरान 500 से अधिक नक्सली मारे गए हैं, जिनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू जैसे शीर्ष कैडर भी शामिल हैं। इस दौरान राज्य में करीब 1,900 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 2,500 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है।

बड़े फैसलों पर बनेगी सहमति

ऐसा माना जा रहा है कि नक्सलवाद को लेकर इस मीटिंग में बड़ा फैसला लिया जा सकता है। 31 मार्च 2026 से पहले संभवत ये नक्सलवाद के खिलाफ प्लानिंग की आखिरी बड़ी बैठक हो। इस मीटिंग में यह फैसला किया जाएगा की आने वाले अब कैसे काम करना है जिससे निर्धारित डेडलाइन पर नक्सलवाद को खत्म किया जा सके।

भाजपा नेता कंवर का बड़ा हमला

पीडब्ल्यूडी के शीर्ष अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप

पीएम को लिखा पत्र, सीबीआई जांच की मांग

रायपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य के पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने लोक निर्माण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी पर गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए केंद्र तक शिकायत पहुंचाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्य के मुख्य सचिव विकासशील और लोक निर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह को पत्र लिखकर मुख्य अभियंता विजय कुमार भतपहरी के खिलाफ सीबीआई जांच कराने की मांग की है। अपने पत्र में ननकी राम कंवर ने दावा किया है कि विजय कुमार भतपहरी ने विभाग में विभिन्न पदों पर रहते हुए चुनिंदा ठेकेदारों को नियमों के विरुद्ध लाभ पहुंचाया। आरोप है कि कमीशनखोरी और वित्तीय अनियमितताओं के चलते न केवल सरकारी खजाने को नुकसान हुआ, बल्कि शासन की छवि भी प्रभावित हुई। पूर्व गृह मंत्री ने यह भी उल्लेख किया है कि भतपहरी के खिलाफ वर्ष 2011 और 2015 में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो, रायपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हुए थे। इसके बावजूद राजनीतिक संरक्षण और प्रभाव के कारण इन मामलों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी और प्रकरण वर्षों से लंबित हैं।

पदोन्नति प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

पत्र में यह मुद्दा भी उठाया गया है कि विभागीय पदोन्नति (डीपीसी) प्रक्रिया के दौरान कई अधिकारियों के खिलाफ लंबित गंभीर मामलों को नजरअंदाज किया गया। इससे न केवल योग्य अधिकारियों को नुकसान हुआ, बल्कि विभागीय व्यवस्था और आयोग की कार्यप्रणाली पर भी भरोसा कमजोर हुआ है। ननकी राम कंवर ने राजनांदगांव संभाग में मानपुर–संबलपुर मार्ग निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वीकृत बजट से कहीं अधिक भुगतान किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण अभिलेख गायब थे, जिसे उन्होंने गंभीर वित्तीय अनियमितता करार दिया।

पद से हटाने और नुकसान की वसूली की मांग

पूर्व गृह मंत्री ने केंद्र और राज्य प्रशासन से मांग की है कि विजय कुमार भतपहरी को तत्काल पद से हटाया जाए, सभी लंबित मामलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए और लोक निर्माण विभाग को हुए कथित आर्थिक नुकसान की भरपाई संबंधित अधिकारी से की जाए।

लोकसभा अध्यक्ष पक्षपातपूर्ण तरीके से चलाते हैं सदन

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय

रांची, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने लोकसभा के मौजूदा बजट सत्र के दौरान हंगामे के लिए स्पीकर ओम बिरला को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया है. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष किसी पार्टी विशेष का नहीं होता, वह पूरे सदन का होता है और निष्पक्ष होता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि मौजूदा लोकसभा अध्यक्ष डे वन से ही पार्टी बन जाते हैं.

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जाता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नहीं बोलने का स्पीकर को तकलीफ होता है. जबकि उनको किसी ने लोकसभा में बोलने से नहीं रोका था. वह खुद लोकसभा से उठकर चले गए. उन्होंने कहा कि नेता विपक्ष और सभी विपक्षी दलों के नेताओं को सदन में बोलने से रोका जाता है, यह लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा है.

पूर्व मंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य है कि ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्ष के कार्यकाल में 150 विपक्षी सांसदों को सस्पेंड कर इतिहास भी बनाया गया है. स्थिति यह है कि आज के दिन में विपक्ष जनहित के कोई मुद्दा सदन में नहीं उठा सकता है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया. पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि संसद पक्षपातपूर्ण तरीके से चल रहा है, इसलिए वहां से गलत और जनविरोधी कानून पास हो रहे हैं.

बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बोफोर्स पर कसे तंज का जवाब देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि इनसे पहले के कई प्रधानमंत्रियों ने भी बोफोर्स का मुद्दा उठाया था. लेकिन एक उंगली भी वे लोग राजीव गांधी के ऊपर नहीं उठा पाए. सुबोधकांत सहाय ने कहा कि इनके पास कुछ कहने को नहीं बचा है.

बिना नाम लिए एक भाजपा सांसद को बताया राजनीति का कोढ़

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने झारखंड के एक लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसद को राजनीति का कोढ़ बताया. उन्होंने कहा कि जब भाजपा के पास कहने को कुछ नहीं होता है तो वह उसको आगे कर भौरापन की बात कराते हैं. वह व्यक्ति चीफ जस्टिस के आदेशों पर भी टिप्पणी करता है और भाजपा के नेता उसकी पीठ थपथपाते हैं.

अकलतरा के कोटगढ़ में भीषण सड़क हादसा

कोयला से भरे 3 ट्रेलर आग की चपेट में एक की मौत

जांजगीर-चांपा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा में अकलतरा थाना क्षेत्र के कोटगढ़ गांव में भीषण सड़क हादसे में कोयला से भरे तीन ट्रेलरों में आग लग गई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अकलतरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक ट्रेलर अकलतरा से बलौदा की ओर जा रहा था, जबकि विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रेलर से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक और ट्रेलर ने भी टक्कर मार दी। टक्कर के तुरंत बाद तीनों ट्रेलरों में भीषण आग लग गई।

आग लगते ही मौके पर हड़कंप मच गया। एक ट्रेलर में एक व्यक्ति फंस गया था, जिसे बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं दो अन्य घायलों को तत्काल अकलतरा अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है और हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे के दौरान पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही और यातायात को नियंत्रित किया गया।

माजदा ट्रक से टकराई बाइक

दो बच्चों समेत तीन की मौत; दो घायल

राजनांदगांव, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजनांदगांव जिले के सोमनी थाना क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। ग्राम फुलझर के पास माजदा ट्रक से टकराने पर मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे शामिल हैं। वहीं दो अन्य बच्चे घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, एक ही मोटरसाइकिल पर पांच लोग सवार होकर ग्राम थनौद से मंडई देखकर जराही गांव लौट रहे थे। इसी दौरान फुलझर के पास उनकी मोटरसाइकिल आगे चल रहे माजदा ट्रक के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक सूरज यादव (24 वर्ष) और दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सोमनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने माजदा ट्रक को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों का इलाज दुर्ग के अस्पताल में जारी है।

मंत्री इरफान अंसारी के बयान पर पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह का तंज, बोले- उनका इलाज कांके में नहीं है

मीडिया से बात करते पूर्व कृषि मंत्री

जामताड़ा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा झारखंड में मेडिकल कॉलेज खोले जाने को लेकर दिए गए बयान पर पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने टिप्पणी की है. उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी को मानसिक रोगी करार दिया और झूठा श्रेय लेने का आरोप लगाया है.

पूर्व कृषि मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा झारखंड में 6 मेडिकल दिए जाने की बात पर स्वास्थ्य मंत्री द्वारा श्रेय लिए जाने पर नाराजगी जाहिर की. पूर्व कृषि मंत्री भाजपा नेता रणधीर सिंह ने मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए उन्हें मानसिक रोगी करार दिया है. पूर्व कृषि मंत्री का कहना है कि झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री मानसिक रोगी है. जिनका इलाज कांके में भी नहीं है. उन्हें बाहर जाने की जरूरत है.

पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि झारखंड में शिक्षक मेडिकल कॉलेज केंद्र सरकार की देन है. उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी पर झूठा श्रेय का आरोप लगाते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री और झारखंड सरकार को केंद्र सरकार का गुणगान करना चाहिए. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने झारखंड में 6 मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दी, जिसमें संथाल परगना में तीन जामताड़ा, साहिबगंज और देवघर में दिया गया है.

जामताड़ा में स्वास्थ्य मंत्री शहर से दूर मेझिया में मेडिकल कॉलेज बनाने का काम कर रहे हैं. उन्होंने शहर के नजदीक में मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग की ताकि आसपास के लोगों को यहां लाभ मिल सके. बता दें कि झारखंड में 6 मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दी गई है, जिसमें संथाल परगना में तीन मेडिकल स्वीकृत है.

माइंस में धू-धूकर जल गया ट्रेलर

कोयला न होने से बड़ा नुकसान टला

कोरबा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। दीपका माइंस में एक अनलोड ट्रेलर वाहन में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण बताया गया है। ट्रेलर में कोयला नहीं होने के कारण बड़ा नुकसान टल गया।

कोरबा में दीपका थाना क्षेत्र के दीपका माइंस में एक अनलोड ट्रेलर वाहन में अचानक आग लग गई। घटना के दौरान अफरा-तफरी मच गई। आग का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, वाहन अनलोड अवस्था में था और प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। उक्त ट्रेलर बृजेश सिंह के डीओ में नियोजित था, जबकि स्वामित्व प्रिंस पांडे के नाम है। घटना की सूचना मिलते ही एसईसीएल की फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और धू-धू कर जल रहे ट्रेलर में लगी आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि ट्रेलर में कोयला नहीं था, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

रोड सेल इंचार्ज संतोष सिंह ने बताया कि ट्रेलर में कोयला नहीं था और फायर वाहन की मदद से आग समय रहते बुझा दी गई। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इस संबंध में दीपका थाना पुलिस को सूचना नहीं दी गई।

दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग की कोशिश

अपराधियों से अकेले भिड़ गई महिला

रांची, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. अपराधी दिन के उजाले में भी अपराध करने से नहीं डर रहे हैं. ताजा मामला रांची के बरियातू थाना क्षेत्र का है. यहां एक महिला से दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग की कोशिश की गई, लेकिन महिला की हिम्मत के आगे अपराधी हार गए. महिला की बहादुरी और अपराधियों के दुस्साहस की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है.

रांची के बरियातू थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी चौक पर दो बाइक सवार अपराधियों ने घर लौट रही एक महिला से उसकी सोने की चेन छीनने की कोशिश की. अपराधियों ने महिला को निशाना बनाया, जिससे वह सड़क पर गिर गई लेकिन उसने हार नहीं मानी. महिला अकेले ही दोनों अपराधियों से भिड़ गई और अपनी चेन बचा ली, लेकिन अपराधी नकली पिस्टल से रबर गोलियां चलाकर भाग गए.

किसी ने नहीं की मदद, नहीं तो पकड़े जाते अपराधी

महिला ने बताया कि वह अपने एक रिश्तेदार के यहां शादी में आई हुई थी और मैरिज हॉल से वापस अपने रिश्तेदार के घर बरियातू लौट रही थी. इसी दौरान दो अपराधियों ने उसकी सोने की चेन छीनने की कोशिश की. महिला ने बताया कि उसने हिम्मत दिखाकर अपनी चेन वापस ले ली. आसपास काफी लोग थे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की. अगर लोगों ने अपराधियों को पकड़ने में उसकी मदद की होती, तो अपराधी पकड़े जाते. सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि हाउसिंग कॉलोनी चौक पर पहुंचते ही बाइक सवार दो अपराधियों ने महिला की चेन झपट ली और भागने लगे. लेकिन महिला ने हिम्मत नहीं हारी, उसने पीछे बैठे अपराधी को पकड़ लिया, जिससे बाइक सवार दोनों सड़क पर गिर पड़े.

इस दौरान महिला भी गिर गई, लेकिन चेन उसने नहीं छोड़ी. एक अपराधी पैदल भागने लगा तो महिला उसे पकड़ने के लिए दौड़ पड़ी. इसी दौरान अपराधी ने नकली पिस्टल निकालकर दो रबर गोलियां चलाईं, जो महिला को डराने के लिए थीं. तभी दूसरा अपराधी बाइक उठाकर अपने साथी के पास पहुंचा और दोनों भागने में सफल हो गए.

पुलिस तक नहीं पहुंची शिकायत

बरियातू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि महिला द्वारा इस मामले में लिखित शिकायत नहीं दी गई है, लेकिन फिर भी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास लगातार जारी है. रविवार को अगर महिला इस मामले में लिखित शिकायत नहीं करती है तो पुलिस खुद से एफआईआर दर्ज करेगी. जांच में बात सामने आई है कि अपराधियों ने महिला और भीड़ को डराने के लिए रबर पिस्तौल का इस्तेमाल किया था.

चैन की नींद सोता रहा परिवार

छातापाठ में चोरों ने की लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा रविवार को जिले के उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम छातापाठ में चोरों ने एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। ग्राम निवासी गंगाराम पटेल के घर अज्ञात चोरों ने रात के समय धावा बोलकर लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय घर के सभी सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया।

गंगाराम पटेल ने बताया कि चोरी किए गए सामान में एक होंडा शाइन मोटरसाइकिल, एक वेट मशीन, लगभग एक तोला सोना, दो जोड़ी पायल, कुछ तोला चांदी के आभूषण और करीब दो लाख रुपये नकद शामिल हैं। सुबह जब गृहस्वामी के भाई की नींद खुली तो उन्होंने घर का सामान बिखरा हुआ देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत सभी परिजनों को जगाया और घटना की सूचना 112 पर दी।

चोरी का विस्तृत ब्योरा

गंगा राम का परिवार रात भर सोता रहा। तड़के सुबह उठने पर कमरे की अलमारी खुली हुई मिली। जिसमें से सोने-चांदी के जेवरात और धान बेचने के बाद रखे लगभग दो लाख रुपये गायब थे। साथ ही, आंगन में खड़ी साइन बाइक भी नहीं मिली। इस घटना से परिवार में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है। यह चोरी की घटना जिले में लगातार हो रही चोरियों के सिलसिले को और बढ़ाती है, जिससे स्थानीय निवासियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। पुलिस अधीक्षक ने जल्द ही चोरों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

लोन सेटलमेंट विवाद में अपहरण के बाद रिकवरी एजेंट की हत्या

गिरफ्तार आरोपी के घर से शव बरामद

धनबाद, 8 फरवरी (एजेंसियां)। लोन रिकवरी एजेंट अमित कुमार अग्रवाल की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. रविवार को सदर थाना क्षेत्र के सूर्य हाइलैंड सोसाइटी स्थित विकास खंडेलवाल के आवास से अमित कुमार अग्रवाल का शव बरामद हुआ है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया.

परिजनों ने पुलिस को दी थी 15 लाख रुपये की फिरौती की जानकारी

इससे पहले परिजनों ने पहले ही अमित कुमार अग्रवाल के लापता होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी. शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि अमित कुमार के मोबाइल फोन पर 15 लाख रुपये की फिरौती की मांग की जा रही थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर जांच तेज की.

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

वहीं डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम के अनुसार, मोबाइल लोकेशन के आधार पर विकास खंडेलवाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर अमित अग्रवाल का शव बरामद किया गया है.

आरोपी-मृतक के बीच चल रहा था लोन सेटलमेंट को लेकर विवाद

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी और मृतक के बीच करीब एक करोड़ रुपये के लोन सेटलमेंट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था. इसी विवाद के चलते आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया. फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है.

गौरतलब है कि शनिवार देर शाम अमित कुमार अग्रवाल का अपहरण किया गया था और रविवार को शव बरामद होने के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है.

छत्तीसगढ़ में मौसम स्थिर

ठंड का असर बरकरार

रायपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में फिलहाल मौसम का मिजाज शांत और शुष्क बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आने वाले कुछ दिनों तक बारिश या किसी भी तरह की मौसमी गतिविधि की संभावना नहीं है। सुबह और रात के समय हल्की ठंड का असर महसूस किया जा रहा है, जबकि दोपहर में तापमान सामान्य बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अगले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद रात के तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। वहीं अधिकतम तापमान में अगले सात दिनों तक किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई सक्रिय सिनोप्टिक सिस्टम नहीं है। हालांकि 9 फरवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इसका सीधा असर छत्तीसगढ़ के मौसम पर पड़ने की संभावना कम है। इसी कारण प्रदेश में बारिश को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि फरवरी के मध्य तक प्रदेश में ठंड धीरे-धीरे कम होती जाएगी। रात का तापमान बढ़ने लगेगा, जबकि दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

ट्रंप ने एलन मस्क के साथ कर दिया बड़ा 'खेल'

भारत–अमेरिका डील बनी हथियार!

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप हार्ले डेविडसन जैसी दमदार बाइकों के शौकीन हैं, तो आपके लिए एक बेहद अच्छी खबर है। भारत और अमेरिका एक ऐसे व्यापार समझौते के बेहद करीब पहुंच गए हैं, जो भारतीय सड़कों पर अमेरिकी गाड़ियों की मौजूदगी को बढ़ा सकता है। इस नए समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी लग्जरी कारों और मोटरसाइकिलों पर लगने वाले भारी-भरकम टैक्स को कम करने का फैसला किया है। लेकिन इस पूरी डील में एलन मस्क की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच बन रहे इस अंतरिम व्यापार समझौते के तहत पेट्रोल और डीजल से चलने वाली पारंपरिक अमेरिकी कारों पर इंपोर्ट ड्यूटी को काफी कम किया जाएगा।

वर्तमान में भारत विदेशी कारों पर 70% से लेकर 110% तक का भारी टैक्स वसूलता है, जिससे ये गाड़ियां आम खरीदार की पहुंच से बहुत दूर हो जाती हैं। नई व्यवस्था में, 3000 सीसी (3,000 cc) से अधिक इंजन क्षमता वाली कारों पर लगने वाले शुल्क को घटाकर 30% कर दिया जाएगा। हालांकि, यह कटौती तुरंत नहीं होगी, बल्कि इसे अगले 10 वर्षों में धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। वहीं हार्ले डेविडसन जैसी प्रीमियम मोटरसाइकिलों पर से ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जा रही है। लेकिन इस डील में टेस्ला को बाहर रखा गया है।

टेस्ला के लिए क्यों बंद हुए दरवाजे?

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क लंबे समय से भारत सरकार से इलेक्ट्रिक कारों पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करने की मांग कर रहे थे, ताकि टेस्ला की एंट्री हो सके। लेकिन इस डील में इलेक्ट्रिक वाहनों को पूरी तरह से बाहर रखा गया है। अधिकारी ने साफ किया है कि फिलहाल ईवी के लिए कोई रियायत नहीं दी जाएगी। ये टेस्ला के लिए एक बड़े झटके की तरह है, क्योंकि कंपनी भारत में सस्ती एंट्री का रास्ता तलाश रही थी। गौर करने वाली बात यह है कि भारत ने यूरोपीय संघ के साथ बातचीत में इलेक्ट्रिक वाहनों पर शुल्क 10% तक लाने की बात कही थी, लेकिन अमेरिका के साथ हुई इस डील में ऐसा कोई प्रावधान नहीं रखा गया है।अमेरिका और भारत के बीच यह समझौता केवल कारों तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक बड़ा भू-राजनीतिक पहलू भी है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि वे भारतीय निर्यात पर लगने वाले शुल्क को 50% से घटाकर 18% कर देंगे। लेकिन इसके बदले में अमेरिका की एक बड़ी शर्त है भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा। यह समझौता दोनों देशों के बीच इसी तालमेल का हिस्सा माना जा रहा है।

मार्च में लग सकती है अंतिम मुहर

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है, लेकिन यहां इंपोर्टेड कारों की संख्या बहुत कम है। इसकी मुख्य वजह यहां का टैक्सेशन सिस्टम है, जिसे घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए काफी सख्त रखा गया है। अब यह नई डील उस दीवार में थोड़ी दरार जरूर बनाएगी।

भारत क्या डील में ट्रंप की इस शर्त को पूरा कर पाएगा? पांच सौ अरब डालर का है सवाल

नई दिल्ली,8 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका ने ट्रेड डील के लिए एक नए अंतरिम ट्रेड फ्रेमवर्क का ऐलान किया है। ट्रेड डील के तहत भारत को अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदना है। सवाल उठ रहा है कि क्या डील में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस शर्त को भारत पूरा कर पाएगा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने इसका जवाब दिया है। रविवार को उन्होंने कहा कि भारत अगले पांच सालों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (लगभग 45,28,822 करोड़ रुपये) के सामान खरीदने में कोई परेशानी नहीं देखता है। इसमें कोई समस्या नहीं होगी। इसे उन्होंने एक बहुत मामूली आंकड़ा करार दिया। खासकर यह देखते हुए कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर की मांग पैदा करेगी। उन्होंने कहा है कि वर्तमान में भारत अमेरिका से लगभग 300 अरब डॉलर का आयात कर सकता है जो वह वर्तमान में अन्य देशों से खरीदता है। भारत आज मजबूत स्थिति में आत्मविश्वास से व्यापार सौदे कर रहा है। पीयूष गोयल ने कहा, 'हम आज भी 300 अरब डॉलर का सामान आयात कर रहे हैं। इसे अमेरिका से आयात किया जा सकता है। हम पूरी दुनिया से आयात कर रहे हैं। यह अगले पांच सालों में दो ट्रिलियन तक बढ़ने वाला है... मैंने अपने समकक्षों से कहा कि देखो, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि भारत में मांग है। लेकिन, आपको प्रतिस्पर्धी होना होगा।' भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए फ्रेमवर्क को अंतिम रूप दे दिया है।दोनों पक्षों की ओर से जारी एक ज्वाइंट स्टेटमेंट के अनुसार, भारत ने अगले पांच सालों में अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों, विमानों और विमान के पुर्जों, कीमती धातुओं, प्रौद्योगिकी उत्पादों और कोकिंग कोल के 500 अरब डॉलर की खरीद का इरादा जाहिर किया है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि बड़ी तकनीकी फर्मों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणा की है। इसलिए उनका मानना है कि देश में 10 गीगावाट डेटा सेंटर दिखेंगे। इसके लिए भारत को उपकरणों की जरूरत होगी। अमेरिका इसकी सप्लाई कर सकता है। यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका से 500 अरब डॉलर की खरीद योजनाओं में भारत की ओर से बोइंग विमानों के लिए पहले से दिए गए ऑर्डर शामिल हैं? इस पर गोयल ने कहा, 'हम जो कुछ भी बात कर रहे हैं वह निरंतरता में है और इसमें वह सब कुछ शामिल है जो हम पहले से ही खरीद रहे हैं।' उन्होंने कहा कि आज भी भारत अमेरिका से 45-50 अरब डॉलर के बीच आयात कर रहा है। ये ऐसे उत्पाद हैं जिनका भारत उत्पादन नहीं करता है। पीयूष गोयल ने कहा, 'हमें विमानों की जरूरत होगी। हमें विमानों के लिए इंजनों की जरूरत होगी। हमें स्पेयर पार्ट्स की जरूरत होगी। हमारे पास अकेले बोइंग के लिए विमानों के लिए 50 अरब डॉलर के ऑर्डर पहले से ही हैं। हमारे पास इंजनों के लिए ऑर्डर हैं।' इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि भारत को स्पेयर पार्ट्स की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री बोले, 'तो अगले पांच वर्षों के लिए लगभग 80- 90 अरब (डॉलर) पहले से ही ऑर्डर पर हैं। हमें वास्तव में उससे ज्यादा की जरूरत होगी। मैंने हाल ही में पढ़ा कि टाटा कुछ और ऑर्डर देने की योजना बना रहा है। मेरा मानना है कि हमें तेल, एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल के अलावा केवल विमानन क्षेत्र के लिए कम से कम 100 अरब डॉलर से अधिक की जरूरत होगी।' इसके अलावा, उन्होंने कहा कि देश को इस्पात उद्योगों के लिए कोकिंग कोल की जरूरत है। भारत पहले से ही लगभग 17-18 अरब टन कोकिंग कोल का आयात कर रहा है।

एलन मस्क की अमीरी का नया फॉर्मूला! अंतरिक्ष से बरसेगा जबर्दस्त पैसा

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कुल दौलत 850 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई हैं. खास बात तो ये है कि दुनिया के कई देशों की जीडीपी तक इतनी नहीं है, जितनी उनकी दौलत पहुंच गई है. इसमें लगातार इजाफा भी हो रहा है. खास बात तो ये है कि अब उनके ट्रिलिनियर बनने का काउंटडाउन भी शुरू हो गया है. जल्द ही खबर आ सकती है कि एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियर बन गए हैं. लेकिन अभी हमें इस ख्वाब की उड़ान पर यहीं ब्रेक लगाना पड़ेगा. साथ ही कुछ सवालों के जवाब तलाशने होंगे. पहला सवाल ये क्या एक कार कंपनी के सीईओ, जिसमें उसकी हिस्सेदारी महज 10 से 15 फीसदी के करीब है. उसकी वजह से दौलत में इजाफा हो रहा है? जवाब है नहीं. अब उनकी दौलत की रफ्तार में कुछ नए ड्राइवर्स भी एड हुए हैं. उनमें एक ड्राइवर है एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और दूसरा है रॉकेट. दोनों ही एलन मस्क अमीरी में इजाफा कर रहे हैं. जानकारों की मानें मौजूदा रफ्तार को देखें तो एलन मस्क की दौलत अगले तीन सबसे अमीर लोगों – गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन, और मेटा के सीईओ मार्क ज़करबर्ग – की ज्वाइंट नेटवर्थ से भी 100 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा हो गई है. यह उछाल मस्क के साम्राज्य में एक बड़े बदलाव के बाद आया है. सीएनबीसी द्वारा समीक्षा किए गए वित्तीय दस्तावेजों के अनुसार, उनकी एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी स्पेसएक्स ने इस सप्ताह उनकी एआई और सोशल मीडिया फर्म एक्सएआई का अधिग्रहण कर लिया, जिससे ज्वाइंट यूनिट की वैल्यू 1.25 ट्रिलियन डॉलर हो गई है. मस्क के पास मर्जर की गई कंपनी का अनुमानित 43 फीसदी हिस्सा है, जिसका मूल्य अकेले 530 अरब डॉलर से अधिक है, यानी स्पेसएक्स अब उनकी कुल संपत्ति का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है. यह बदलाव टेस्ला में पहले से ही दिखाई दे रहा है. अपनी नवीनतम प्रॉक्सी फाइलिंग में, टेस्ला ने स्वीकार किया है कि 'मस्क की अधिकांश संपत्ति अब अन्य व्यावसायिक उद्यमों से प्राप्त होती है,' जो मस्क की वित्तीय स्थिति में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता की घटती सेंट्रलिटी का संकेत देता है. मस्क ने कहा है कि वह 2026 में स्पेसएक्स का आईपीओ लाना चाहते हैं, जिससे उनकी लिक्विडिटी में टेस्ला का हिस्सा और कम हो जाएगा.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-49
सूर्यास्त. 18-11
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष सोमवार 09 February 2026
तिथि - अष्टमी पूर्ण है अहोरात्र तक
नक्षत्र - विशाखा 07-55 अहोरात्र तक
योग - वृद्धि 00-51 रात तक उप.
करण - बालव 18-13 तक कौलव

सीताष्टमी

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर...	05-12 बजे
चंद्र	तुला	मे	कुंभ....	07-02 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	08-41 बजे
बुध	कुंभ	मे	मेष.....	10-17 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-01 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	मिथुन..	14-01 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-14 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	18-26 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	20-33 बजे
			तुला----	22-38 बजे
			वृश्चिक..	00-48 बजे
			धनु.....	03-01 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 08-13 से 18-14 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-49 - 08-13	शुभ	चंचल	18-11 - 19-48	शुभ
काल	08-13 - 09-39	अशुभ	रोग	19-48 - 21-22	अशुभ
शुभ	09-39 - 11-05	शुभ	काल	21-22 - 22-56	अशुभ
रोग	11-05 - 12-30	अशुभ	लाभ	22-56 - 00-30	शुभ
उत्पात	12-30 - 13-56	अशुभ	उत्पात	00-30 - 02-04	अशुभ
चंचल	13-56 - 15-22	शुभ	शुभ	02-04 - 03-38	शुभ
लाभ	15-22 - 16-48	शुभ	अमृत	03-38 - 05-12	शुभ
अमृत	16-48 - 18-11	शुभ	चंचल	05-12 - 06-49	शुभ

रातों-रात करोड़पति बन गए 249 ग्राहक, क्रिप्टो एक्सचेंज ने गलती से भेज दिए 150 अरब के बिटकॉइन

नई दिल्ली,8 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के क्रिप्टो एक्सचेंज बिथम पर एक बड़ी गड़बड़ी हो गई। एक्सचेंज ने गलती से अपने ग्राहकों को अरबों रुपये के बिटकॉइन भेज दिए। दरअसल, बिथम ने शुक्रवार शाम करीब 7 बजे एक प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लेने वाले 249 यूजर्स को गलती से 6,20,000 बिटकॉइन ट्रांसफर कर दिए थे। यह एक बहुत बड़ी रकम थी। हर यूजर को औसतन 2490 बिटकॉइन मिले, जिनकी कीमत करीब 166 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपये) थी। इस गलती के बाद कुछ लोगों ने मिले हुए बिटकॉइन को बेच दिया। इससे बिटकॉइन की कीमतों में अचानक और तेज गिरावट आई। बिथम ने कहा है कि वे प्रभावित ग्राहकों को हुए पूरे नुकसान की भरपाई करेंगे। इसके अलावा, उन्हें 10 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा भी दिया जाएगा। एक्सचेंज ने यह भी बताया है कि सोमवार आधी रात से एक हफ्ते के लिए सभी लिस्टेड एसेट्स पर ट्रेडिंग फीस माफ कर दी जाएगी। जैसे ही एक्सचेंज को अपनी गलती का पता चला, उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने 35 मिनट के अंदर ट्रेडिंग और पैसे निकालने पर रोक लगा दी। बिथम ने बताया कि उन्होंने 618,212 बिटकॉइन वापस ले लिए हैं। साथ ही यूजर्स द्वारा बेचे गए 1,788 बिटकॉइन में से 93 प्रतिशत भी वापस मिल गए हैं। हालांकि, एक्सचेंज ने शाम 7:40 बजे यूजर्स के खातों से लेनदेन और निकासी रोक दी थी। इसके बावजूद बिथम 125 बिटकॉइन को वापस पाने में नाकाम रहा। यह पूरी घटना तब हुई जब बिथम के एक कर्मचारी ने प्रमोशनल इवेंट के लिए यूजर्स को इनाम के तौर पर 'कोरियाई वॉन' की जगह गलती से 'बीटीसी' (बिटकॉइन) यूनिट टाइप कर दिया। इस गड़बड़ी के कारण बिथम पर बिटकॉइन की कीमत में थोड़ी देर के लिए गिरावट आई, क्योंकि जिन यूजर्स को बिटकॉइन मिले थे, उन्होंने उसे बेचना शुरू कर दिया था। कंपनी का अनुमान है कि इस गलत भुगतान के कारण ग्राहकों को करीब 1 अरब वॉन का नुकसान हुआ है।

बिथम ने उन मामलों की पुष्टि की है जहां लेनदेन प्रतिकूल परिस्थितियों में हुए थे।

उन्होंने उन ग्राहकों को मुआवजा देने की योजना की घोषणा की है जिन्होंने घबराहट में बिकवाली की थी। उन्हें पूरी कीमत का अंतर और अतिरिक्त 10 प्रतिशत बोनस मिलेगा। बिथम ने इस संकट से निपटने के लिए एक कंपनी-व्यापी क्राइसिस मैनेजमेंट सिस्टम शुरू की है। इसमें वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं और निवेशकों के नुकसान को दूर करने के लिए एक टास्क फोर्स भी बनाया गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज अपने दिल और ऊर्जा के स्तर का ध्यान रखें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी । आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एफएओ: लगातार 5वें माह विश्व खाद्य कीमतें गिरीं

चावल की महंगाई बनी चुनौती, डेयरी में करीब पांच प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सहित दुनिया भर में महंगाई से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए जनवरी 2026 ने कुछ राहत के संकेत दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक खाद्य कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज की गई है।

दूध, चीनी और मांस जैसे जरूरी उत्पादों के सस्ते होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी आई है, हालांकि चावल और वनस्पति तेल की बढ़ती कीमतें अब भी चिंता का कारण बनी हैं।

एफएओ का फूड प्राइस इंडेक्स, जो दुनिया भर में कारोबार होने वाले प्रमुख खाद्य उत्पादों की मासिक कीमतों में बदलाव को दर्शाता है, जनवरी 2026 में औसतन 123.9 अंक पर रहा। यह दिसंबर 2025 की तुलना में 0.4 फीसदी कम और पिछले साल की समान अवधि से 0.6 फीसदी नीचे है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर वैश्विक बाजार में राहत के संकेत हैं, लेकिन कुछ जरूरी वस्तुओं की महंगाई आने वाले महीनों में चुनौती बन सकती है। जनवरी में अनाज की कीमतों में दिसंबर 2025 की तुलना में मामूली 0.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और अनाज मूल्य सूचकांक औसतन 107.5 अंक पर रहा।

इस दौरान गेहूं और मक्के की वैश्विक कीमतों में हल्की गिरावट देखने को मिली। एफएओ के अनुसार दुनिया में गेहूं का पर्याप्त भंडार होने के कारण रूस और अमेरिका में मौसम से जुड़ी चिंताओं का असर सीमित रहा। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया में अच्छी फसल की उम्मीद और वैश्विक स्तर पर ऊंचे भंडार भी कीमतों को नियंत्रित रखने में मददगार रहे। इसके उलट, जनवरी में चावल की कीमतों में 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खास तौर पर खुशबूदार किस्मों की मांग बढ़ने से बाजार में मजबूती आई। वैश्विक स्तर पर दूध, चीनी और मांस की कीमतों में लगातार गिरावट भारत के लिए दोहरी राहत लेकर आ सकती है। इससे आयातित खाद्य उत्पादों की लागत कम होने की संभावना है। चीनी उत्पादन में भारत की बड़ी वृद्धि से घरेलू आपूर्ति मजबूत रहने और निर्यात संभावनाएं बढ़ने के संकेत हैं।

इसका लाभ किसानों, चीनी मिलों को हो सकता है। हालांकि चावल, वनस्पति तेल चुनौती में हैं। भारत-थाईलैंड में चीनी के उत्पादन में वृद्धि के संकेतः एफएओ के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2026 में चीनी मूल्य सूचकांक में 1% की गिरावट रही। दिसंबर 2025 में 90.7 अंक पर रहा यह सूचकांक जनवरी में घटकर 89.8 पर आ गया। इसके पीछे भारत में उत्पादन में वृद्धि, थाईलैंड से सकारात्मक संकेत और ब्राजील में अच्छे उत्पादन अनुमानों के चलते वैश्विक आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

डूबता हुआ स्टार्टअप कैसे कमाने लगा एक लाख करोड से ज्यादा?

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। गलियों और सड़कों पर हमें राह दिखाने वाला गूगल मैप्स आज 21 साल का हो गया है। 8 फरवरी 2005 को इसकी शुरुआत हुई थी। इसकी नींव लार्स और जेन्स रासमुसेन नाम के दो भाइयों ने रखी थी। इन दोनों भाइयों का यह स्टार्टअप कुछ खास नहीं चला और डूबने लगा। गूगल की शुरुआत करने वाले लैरी पेज इसे बचाने के लिए आए और उनकी कंपनी गूगल ने इसे खरीदकर वेब ब्राउजर के लिए विकसित किया और गूगल मैप्स नाम दिया। शुरुआत में यह सिर्फ डेस्कटॉप प्रोग्राम था, लेकिन सैटेलाइट तकनीक से इसने नेविगेशन का तरीका हमेशा के लिए बदल दिया। आज ये हमारी जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। उस समय मैपक्वेस्ट का जमाना था। हमें बस दिशाओं के साथ चौकोर नक्शे मिलते थे।

तभी ऑस्ट्रेलिया की एक स्टार्टअप कंपनी वेर2 ने सोचा कि नक्शे को ही स्क्रीन के बीच में रखा जाए। लोग नक्शे को इधर-उधर खिसका कर खुद देख सकते थे कि वे कहां हैं। आज यह बात बहुत सीधी लगती है, लेकिन तब किसी को यह पसंद नहीं आया। सिकोइया कैपिटल ने वेर2 में निवेश किया था। लेकिन बाद उसने अपना पैसा वापस खींच लिया, जिससे वेर2 को रातों-रात फंडिंग मिलनी बंद हो गई। ऐसा करते हुए, उन्होंने लैरी पेज को वेर2 के फाउंडर्स से मिलवाया। वेर2 की टेक्नोलॉजी पहले एक्सपीडीशन नाम के एक डेस्कटॉप ऐप के तौर पर शुरू हुई थी। इसे डाउनलोड करना पड़ता था, लेकिन लैरी पेज को यह पसंद नहीं आया।

उन्होंने कहा, 'हमें वेब पसंद है' और उनके ऐप को ब्राउजर में बदलने के लिए एक समय-सीमा तय कर दी। यूजर्स तक आसानी से पहुंचाने के लिए इसमें कई बदलाव किए गए। 7 फरवरी 2005 को गूगल मैप्स आधिकारिक लॉन्च से एक दिन पहले ही लीक हो गया। लोग ड्रैग होने वाले नक्शों और डिजाइन को देखकर बहुत हैरान थे। लेकिन शुरुआती एक करोड़ व्यूज के बाद इसका इस्तेमाल कम हो गया। बाद में गूगल ने धीरे-धीरे इसके डेवलपर टूल्स जारी किए और एक ऐसा फीचर लॉन्च किया जिससे लोग गूगल मैप्स में अपना घर देख सकते हैं। गूगल मैप्स का यह फीचर जबरदस्त हिट हुआ। एक साल बाद साल 2006 में गूगल मैप्स दुनिया का सबसे बड़ा मैप प्रोवाइडर बन गया। आज गूगल मैप्स स्मार्टफोन पर सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले ऐप में से एक है। आज गूगल मैप्स पैरेंटिंग कंपनी अल्फाबेट का मुख्य टूल है। हर साल इसके रेवेन्यू में इजाफा हो रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : भारतीय वस्त्र उद्योग को बड़ा मौका, 118 अरब डॉलर के अमेरिकी बाजार का दरवाजा खुला

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच हुए नए व्यापार समझौते ने भारतीय वस्त्र उद्योग के लिए बड़ा अवसर खोल दिया है। इस समझौते के बाद अमेरिका का 118 अरब डॉलर का आयात बाजार भारतीय कपड़ा और परिधान क्षेत्र के लिए ज्यादा सुलभ हो जाएगा।

सरकार ने इसे निर्यात, निवेश और रोजगार बढ़ाने की दिशा में अहम कदम बताया है। अमेरिका पहले से ही भारत के वस्त्र निर्यात का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। वस्त्र मंत्रालय के मुताबिक इस समझौते से भारतीय वस्त्र और परिधान उत्पादों पर लगने वाला 18 प्रतिशत जवाबी शुल्क घटेगा। इससे भारतीय निर्यातकों को कीमत के मामले में सीधा फायदा मिलेगा। मंत्रालय का कहना है कि अब भारत की स्थिति बांग्लादेश, चीन, पाकिस्तान और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में मजबूत होगी। बड़े अंतरराष्ट्रीय खरीदार भी अब अपनी खरीद रणनीति में भारत को प्राथमिकता दे सकते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका को भारत का मौजूदा वस्त्र निर्यात करीब 10.5 अरब डॉलर का है। इसमें लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा परिधान का और करीब 15 प्रतिशत मेड-अप्स का है। शुल्क घटने से भारतीय उत्पाद सस्ते और प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इससे नए ऑर्डर मिलने और निर्यात बढ़ने की उम्मीद जताई गई है। उद्योग को लागत के मोर्चे पर राहत मिलेगी।

2030 के निर्यात लक्ष्य को मिलेगा सहारा

सरकार ने वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात का लक्ष्य रखा है। मंत्रालय का कहना है कि नया व्यापार समझौता इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा। अनुमान है कि कुल वस्त्र निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी पांचवें हिस्से से ज्यादा रह सकती है। इससे बाजार जोखिम भी बंटेगा और निर्यात ढांचा मजबूत होगा।इस अंतरिम व्यापार समझौते का फायदा सिर्फ कपड़ा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। परिधान, फुटवियर, प्लास्टिक, रबर और रसायन जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को भी राहत मिलेगी। आयात शुल्क घटने से इन सेक्टरों के उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। उद्योग संगठनों का कहना है कि ऊंचे शुल्क के कारण हाल के महीनों में निर्यात प्रभावित हुआ था, अब स्थिति सुधर सकती है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार समझौते से कपड़ा, परिधान, चमड़ा, फुटवियर, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, रत्न-हीरे, मशीनरी पार्ट्स और ऑटो पार्ट्स जैसे क्षेत्रों को भी कम या शून्य जवाबी शुल्क का लाभ मिलेगा। इससे निर्यात बढ़ने के साथ रोजगार के नए मौके बनेंगे। सरकार का मानना है कि यह समझौता भारतीय मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात सेक्टर को नई गति देगा।

अलवर टाइगर मैराथन बना फिट इंडिया और पर्यावरण संरक्षण का महाकुंभ

सीएम भजनलाल ने दिखाई हरी झंडी

अलवर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर टाइगर मैराथनफिट इंडिया मूवमेंट और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित 'अलवर टाइगर मैराथन' को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की इस मैराथन में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के धावकों सहित देशभर से आए हजारों प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के लिए देशभर से 18 हजार से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जो इसकी व्यापक लोकप्रियता को दर्शाता है।

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने बढ़ाया उत्साह

मैराथन में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, राज्य मंत्री संजय शर्मा और ब्रांड एंबेसडर बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा की उपस्थिति ने आयोजन को और खास बना दिया। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने दौड़ में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान वे फैंस के मोबाइल से सेल्फी लेते और दौड़ते हुए धावकों से हाथ मिलाते नजर आए, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया।

विशेष आकर्षण यह रहा कि SSB, BSF और भारतीय सेना के जवानों ने 21 किलोमीटर की मैराथन में भाग लेकर अनुशासन और फिटनेस का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। पैरा कैटेगरी के धावकों ने भी पूरे जोश के साथ दौड़ लगाई। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से आए धावकों की भागीदारी ने इसे राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि टाइगर और पर्यावरण संरक्षण को फिट इंडिया मूवमेंट से जोड़ना एक अनोखी और सराहनीय पहल है। इतनी बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और पैरा एथलीट्स को एक साथ देखकर बेहद अच्छा लगा। वहीं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह भाईचारे की दौड़ है, जिसमें कोई भेदभाव नहीं है। यह सामाजिक एकता और सद्भाव का उत्सव है।

मैराथन के दौरान उपमुख्यमंत्री ने धावकों के साथ फोटो खिंचवाकर उनका हौसला बढ़ाया। अलवर टाइगर मैराथन ने न केवल फिटनेस बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकजुटता का मजबूत संदेश दिया।

'हाई वोल्टेज ड्रामा': बीजेपी विधायक बालमुकुंद आचार्य और कांग्रेस विधायक अमीन कागजी का बीच हंगामा

जयपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर का परकोटा इलाका एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। संजय सर्किल के पास स्थित चांदपोल सब्जी मंडी की एक मजार पर छत बनाने की बात को लेकर भारी हंगामा हुआ। विवाद उस समय बढ़ गया जब हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य निर्माण कार्य रुकवाने मौके पर पहुँचे, जिसके तुरंत बाद किशनपोल विधायक अमीन कागजी भी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुँच गए। दोनों विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई।

निर्माण कार्य पर आपत्ति, विधायक बालमुकुंदाचार्य का हस्तक्षेप

घटना की शुरुआत उस समय हुई जब मजार पर पक्की छत डालने का काम शुरू किया गया। स्थानीय स्तर पर विरोध की सूचना मिलते ही भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य मौके पर पहुँचे। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना

उचित अनुमति और पुराने स्वरूप को बदलकर नया निर्माण किया जा रहा है।

विधायक ने मौके पर ही काम रुकवा दिया और प्रशासन से स्पष्टीकरण की मांग की। बालमुकुंदाचार्य का कहना था कि शहर के विरासत क्षेत्रों में किसी भी नए निर्माण के लिए सख्त नियमों का पालन होना चाहिए।

अमीन कागजी बोले, 'क्षेत्र में करें नेतागिरी'

काम रुकने की खबर मिलते ही क्षेत्रीय विधायक अमीन कागजी भी मौके पर पहुँच गए। उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़े कागजात और प्रशासन की कथित स्वीकृति दिखाते हुए बालमुकुंदाचार्य के हस्तक्षेप का विरोध किया।

कागजी ने कड़े शब्दों में कहा कि ₹बालमुकुंदाचार्य को अपने विधानसभा क्षेत्र (हवामहल) में ध्यान देना चाहिए, दूसरे के क्षेत्र में आकर माहौल खराब नहीं करना चाहिए।₹

कागजी ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने क्षेत्र में कई मंदिरों का भी जीर्णोद्धार करवाया है और वे केवल विकास और मरम्मत कार्यों का समर्थन कर रहे हैं, जो कानूनी रूप से वैध है।

डीसीपी नॉर्थ ने संभाला मोर्चा

तनाव बढ़ता देख डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच बीच-बचाव किया और भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है और शांति कायम करने के लिए अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया है। प्रशासन अब निर्माण कार्य की वैध अनुमति की जांच कर रहा है।

जयपुर की 'गंगा-जमुनी तहजीब' पर सवाल?

यह पहली बार नहीं है जब परकोटा क्षेत्र में किसी धार्मिक स्थल या अतिक्रमण को लेकर विवाद हुआ हो। पिछले कुछ समय से लाउडस्पीकर, मजारों के रखरखाव और मंदिरों के जीर्णोद्धार को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि राजनीति के चक्कर में जयपुर की पुरानी साझी संस्कृति और शांति भंग हो रही है।

एक झटके में सब खत्म! तीन मंजिला इमारत ढही

दो की मौत और 13 घायल, तड़के 3 बजे तक किया गया रेस्क्यू

कोटा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा शहर में शनिवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। तलवंडी इलाके में स्थित एक तीन मंजिला इमारत अचानक ढह गई, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग मलबे में दब गए। इस इमारत में एक रेस्तरां चल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। मलबा हटाने के लिए जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया गया।

15 लोगों को मलबे से निकाला गया, दो की मौत

प्रशासन के अनुसार अब तक 15 लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा चुका है। इनमें से दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग घायल हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि

अब मलबे में किसी के दबे होने की संभावना कम है, फिर भी एहतियात के तौर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा गया है।

घायलों की पहचान

सीएमएचओ नरेंद्र नागर के अनुसार घायलों की पहचान सुदीता (30) निवासी कोटा, शालीन सुवास्या (25) निवासी कुन्हाड़ी, मोहम्मद जहांगीर (30) निवासी महावीर नगर, भूपेंद्र (40) निवासी रंगबाड़ी, पूरब मीणा (24) निवासी जय हिंद नगर, बोरखेड़ा, तलब निवासी सुभाष नगर, नावेद (20) निवासी सुभाष नगर, रेस्टोरेंट मालिक मोहम्मद जहांगीर और मोहम्मद साबिर निवासी झारखंड के रूप में हुई है। इसके अलावा, रेस्क्यू टीम का कर्मचारी रॉकी डेनियल भी इस हादसे में घायल हुआ है।

कोटा मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल संगीता सक्सेना ने बताया कि कुल 10 लोग वहां लाए गए थे, जिनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि दो मरीज अभी अस्पताल में भर्ती हैं, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। वहीं, मामूली चोट वाले तीन मरीजों का इलाज करने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि घायलों में एक व्यक्ति रेस्क्यू टीम का सदस्य भी था।

कलेक्टर ने बताया इमारत गिरने का कारण

जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने बताया कि जिस इमारत के गिरने की घटना हुई है, उसके बगल में एक पुरानी इमारत को तोड़ा गया था। कलेक्टर के मुताबिक, इसी वजह से इस इमारत की नींव कमजोर हो गई थी और यही हादसे का शुरुआती कारण माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पूरी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी।

मंत्री मदन दिलावर बोले- यह बड़ा हादसा है

राज्य के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक बड़ा हादसा है। लोकसभा अध्यक्ष और कोटा सांसद ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता ने कहा कि यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पूरा प्रशासन मौके पर पहुंच गया था। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कोटा मेडिकल कॉलेज का दौरा किया और बिल्डिंग गिरने से घायल हुए पीड़ितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

ओम बिरला ने जताया दुख, अधिकारियों को दिए निर्देश

लोकसभा अध्यक्ष और कोटा सांसद ओम बिरला ने इस हादसे पर दुख जताते हुए ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि कोटा के इंद्रविहार में इमारत गिरने की घटना बेहद दुखद है और वह जिला प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर समेत संबंधित अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि हादसे में घायल सभी लोगों को उचित और शीघ्र इलाज मिले। ओम बिरला ने ईश्वर से सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की और इस मुश्किल समय में प्रभावित परिवारों को शक्ति और धैर्य देने की कामना की।

तुर्की सिंगर का कार्यक्रम रद्द : एनएसयूआई बोली- पाकिस्तान समर्थन स्वीकार्य नहीं

उदयपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान तुर्की की सिंगर सेलिन सुम्बुलटेपे का प्रस्तावित शो एनएसयूआई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के विरोध के बाद रद्द कर दिया गया। यह शो गांधी ग्राउंड में होना था। एनएसयूआई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की द्वारा पाकिस्तान का समर्थन किए जाने के कारण यह आपत्ति है। बढ़ते विरोध के चलते आयोजकों ने शो रद्द करने का निर्णय लिया।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राठौड़ ने जिला प्रशासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि फेस्टिवल आयोजकों ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में तुर्की कलाकारों से जुड़े किसी भी कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्की के पाकिस्तान समर्थक रुख को देखते हुए तुर्की कलाकारों को मंच देना गलत है। NSUI कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट सिटी जितेंद्र ओझा को ज्ञापन भी सौंपा।

गांधी ग्राउंड में वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल का 10वां सत्र शुक्रवार रात बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर की शानदार प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम में मेवाड़ पूर्व राजपरिवार की सदस्य निवृत्ति कुमारी मेवाड़ और संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवल रमानी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। तीन दिवसीय फेस्टिवल में कैमरून का अफ्रोपॉप रॉक और सिंगर जोनीता गांधी अपनी प्रस्तुति देंगी। वहीं, रविवार 8 फरवरी को स्पेनिश जैज़ और पॉप के साथ बॉलीवुड सिंगर अमित त्रिवेदी अपनी प्रस्तुति देंगे। रविवार दोपहर 3:30 बजे फतहसागर पाल पर पोलैंड का पोलिश फोक, तुर्की का ट्रेडिशनल कुर्दिश म्यूजिक और इंडियन रॉक की प्रस्तुतियां प्रस्तावित हैं।

एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष मोहित नायक ने कहा कि तुर्की कलाकारों को महाराणा प्रताप की पवित्र धरती पर मंच देना पूरी तरह गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ऐसे कार्यक्रम नहीं रोके गए तो आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी आयोजकों और जिला प्रशासन की होगी।

सेलिन सुम्बुलटेपे फ्यूजन फोक-पॉप म्यूजिक के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने वर्ष 2024 में 'हेमहाल' नामक एल्बम जारी किया था, जिसका अर्थ है 'एकजुट होना।' इस एल्बम में उन्होंने लेबनान के मशहूर सिंगर जैद हमदान के साथ काम किया। यह एल्बम उनके होमटाउन हाटे से प्रेरित है, जहां 2023 के भीषण भूकंप में भारी तबाही हुई थी।

ग्वालिया बाबा मंदिर में बड़ी चोरी, 5वीं बार बनाया निशाना, श्रद्धालुओं का फूटा गुस्सा, दे डाली चेतावनी

जयपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी के खोरा विसल थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मंशारामपुरा स्थित प्रसिद्ध ग्वालिया बाबा मंदिर को अज्ञात चोरों ने एक बार फिर अपना निशाना बनाया है।

बता दें कि चोरों ने मंदिर के गर्भगृह में घुसकर भगवान के लाखों रुपए के सोने और चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इसी मंदिर में यह पांचवीं बार चोरी की घटना हुई है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

एक ही मंदिर में बार-बार हो रही चोरी की वारदातों ने खोरा विसल थाना पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं का कहना है कि पुलिस केवल आश्वासन देती है, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। लाखों के गहने चोरी होने के बावजूद अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

श्रद्धालुओं ने दी धरना-प्रदर्शन की चेतावनी

इस बार चोरी की खबर मिलते ही मंदिर परिसर में भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। आक्रोशित श्रद्धालुओं का कहना है कि अब उनके सब्र का बांध टूट चुका है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही चोरी का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। इलाके में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

दिनदहाड़े पिस्टल दिखाकर लूट, लोगों ने साहस दिखाकर दोनों बदमाशों को दबोचा

जयपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में एक बार फिर दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चित्रकूट थाना क्षेत्र में स्थित एसबीआई कियोस्क पर आज दोपहर करीब 12:30 बजे दो बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर लूट की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय लोगों की सतर्कता के चलते कुछ ही देर में दोनों को पकड़ लिया गया। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक हेलमेट पहनकर बाइक से कियोस्क पहुंचे। कियोस्क में घुसते ही उन्होंने संचालक हेमंत कपूर को पिस्टल दिखाकर डराया और काउंटर पर रखे नोटों से भरे बैग को छीन लिया। बैग में लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये नकद थे। इसके बाद दोनों बदमाश तेजी से फरार हो गए। कियोस्क संचालक के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोग सतर्क हो गए। कुछ लोगों ने तुरंत बदमाशों का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही चित्रकूट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें पूरी वारदात कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर यह जांच कर रही है कि बदमाशों ने पहले से रेकी की थी या किसी अन्य वारदात की योजना बनाई थी।

नकली घी फैक्ट्री का भंडाफोड़, लाखों का माल जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंडोर थाना क्षेत्र में नकली घी बनाने की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश पासवान और पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एवं यातायात शाहीन सी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सुनील के पंवार के सुपरविजन में सीएसटी टीम ने यह कार्रवाई की। टीम प्रभारी एसआई मेहराज तंवर को मिली सूचना के आधार पर मंडोर क्षेत्र की नंदपुरी योजना, आंगणवा में दबिश दी गई।

मौके पर मिला नकली घी बनाने का पूरा सेटअप

कार्रवाई के दौरान पुलिस को फैक्ट्री में बड़े स्तर पर नकली घी बनाने का पूरा सेटअप मिला। यहां सागर सरस, जय श्री कृष्णा, सुमन गोल्ड, प्योर अमुल्या, डेयरी ट्रीट, दीप कृष्णा सहित विभिन्न ब्रांडों के मिलते-जुलते नामों के करीब 200 भरे हुए घी के टीन और लगभग 800 खाली टीन बरामद हुए। इसके अलावा भारी मात्रा में फर्जी लेबल, पैकिंग सामग्री और नकली ब्रांडिंग का सामान भी जब्त किया गया।

पाम ऑयल से तैयार किया जा रहा था नकली घी

फैक्ट्री में रिफाइंड पाम ऑयल से नकली घी तैयार किया जा रहा था। मौके से एक बड़ा घी टैंक, एक छोटा टैंक, छह गैस चूल्हे, छह गैस सिलेंडर, प्लास्टिक के डिब्बे, ढक्कन, स्टीकर, माप-तौल का कांटा और अन्य मशीनरी भी जब्त की गई। बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस ने मौके से नवीन कुमार (38), पुत्र महावीरचंद जैन, निवासी बालेसर दुर्गावता को गिरफ्तार किया। वह वर्तमान में भदवासिया के 80 फीट रोड क्षेत्र में रह रहा था और वहीं से अवैध कारोबार संचालित कर रहा था। कार्रवाई में मंडोर थाना पुलिस, सीएसटी टीम और जिला रसद अधिकारी (डीएसओ) की टीम शामिल रही। पुलिस ने खाद्य सुरक्षा और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का गुर्गा अरेस्ट

कॉलेज संचालक से मांगी थी 2 करोड़ की फिरौती

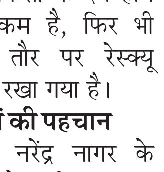

झुंझुनू, 8 फरवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के पिलानी थाना क्षेत्र में एक कॉलेज संचालक को जान से मारने की धमकी देकर 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को दबोच लिया है। पुलिस पूर्व में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने मामले में फरार आरोपी रोहित गोदारा गैंग के मुख्य गुर्गे अजय उर्फ पहलवान उर्फ भोला को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इसी प्रकरण में गैंग के सदस्य विकास उर्फ दुबे को गिरफ्तार किया जा चुका है। पिलानी पुलिस थाना प्रभारी चंद्रभान ने बताया कि परिवादी संजीव कुमार ने 27 सितंबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 14 व 23 सितंबर को विदेश नंबर से कॉल आई, जिसे उसने नहीं उठाया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ, दबिश और आसूचना संकलन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। पूर्व में विकास उर्फ दुबे की गिरफ्तारी के बाद मिले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अजय उर्फ पहलवान उर्फ भोला को भिवानी जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया गया।

पंजाब-हरियाणा में जाकर ड्रग्स माफिया पर शिकंजा कसेगी राजस्थान पुलिस, करोड़ों की संपत्ति होगी फ्रीज

श्रीगंगानगर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर निर्णायक और सख्त कार्रवाई के लिए पुलिस ने अब जिले व राज्य की सीमा पार कार्रवाई अपनाने का फैसला किया है। श्रीगंगानगर में आकर नशे की सप्लाई करने वाले पंजाब और हरियाणा के ड्रग्स माफिया की तस्करी से अर्जित संपत्तियों को संबंधित राज्यों में जाकर एनडीपीएस एक्ट के तहत फ्रीज किया जाएगा। इसके लिए ऐसे अपराधियों की सूची तैयार कर विशेष पुलिस दल गठित किए जाएंगे, जो दूसरे राज्यों में जाकर कानूनी कार्रवाई करेंगे।

कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइन में जिला स्तरीय मैराथन बैठक का आयोजन किया गया, जो सुबह 10 बजे शुरू होकर रात 8 बजे तक चली। बैठक में पुराने, लंबित और संगठित अपराधों से जुड़े मामलों पर विशेष फोकस रखा गया। अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने की।

एसपी ने बताया कि बैठक में जिले श्रीगंगानगर की संपूर्ण कानून व्यवस्था और अपराध स्थिति की गहन समीक्षा की गई। संगठित अपराधों में लिप्त अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ सख्त निरोधात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान कई पुराने और जटिल मामलों की गुत्थी सुलझाने वाली पुलिस टीमों की हौसला अफजाई की गई।

बैठक में सहायक पुलिस अधीक्षक (शहर) विशाल जागिड़ आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रघुवीर प्रसाद शर्मा, एएसपी रायसिंहनगर रामेश्वरलाल, त्वरित अनुसंधान इकाई के एएसपी भंवरलाल, महिला अपराध अन्वेषण सेल की एएसपी नीलम चौधरी सहित जिले के सभी पुलिस उप अधीक्षक, थानाधिकारी और अपराध शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

लगातार बढ़ती बोतल बम की घटनाओं से बढ़ी चिंताएं, बदमाशों ने स्कूल को जलाने की कोशिश की

झुंझुनूं, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में बोतल बम अटैक की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। पिछले दिनों जहां एक मोटर गैराज में बदमाशों ने बोतल बम फेंके थे। वहीं इस बार बदमाशों ने एक स्कूल में बोतल बम फेंककर आग लगाने की कोशिश की लेकिन आग अपने आप ही बुझ गई, जिसकी वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। अब स्कूल संचालक ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में हम देख सकते हैं कि दो लड़के एक बाइक पर आते हैं। इनमें से एक लड़का बाइक से नीचे उतरकर पहले तो दो बोतलों में ज्वलनशील पदार्थ डालकर उन्हें स्कूल के अंदर फेंकता है और फिर एक बोतल बम में आग लगाकर उसे स्कूल में डाल देता है और नीचे भी कोई ज्वलनशील पदार्थ डालता है। इससे आग लगना शुरू हो जाती है। कुछ देर बाद ही युवक अपने साथी के साथ वहां से फरार हो जाता है। हालांकि, थोड़ी देर बाद आग अपने आप ही बुझ जाती है। सुबह स्कूल संचालक सज्जन शर्मा रोजाना की तरह स्कूल आते हैं तो वह देखते हैं कि स्कूल का फर्श पूरी तरह से काला हो रखा है।

सीआईआई औद्योगिक संभावनाओं पर संवादात्मक सत्र आयोजित

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) तेलंगाना ने छठी सीआईआई तेलंगाना राज्य परिषद 2025–26 की बैठक के हिस्से के रूप में अदिलाबाद के औद्योगिक संभावनाओं पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया। इस सत्र में वरिष्ठ जिला प्रशासन, स्थानीय प्रतिनिधि और उद्योग जगत के सदस्य शामिल हुए, ताकि समावेशी और सतत क्षेत्रीय विकास के रास्तों पर चर्चा की जा सके।

भाषण देते हुए, साई डी. प्रसाद, कार्यकारी निदेशक, भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड ने एमएएनए क्षेत्र मंचेरियल, आसिफाबाद, निजामाबाद और अदिलाबाद के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया, जिसे एकीकृत विकास कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने हैदराबाद और एमएएनए क्षेत्र के बीच उच्च गति रेल कनेक्टिविटी की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिससे निवेश आकर्षण बढ़े। साथ ही उन्होंने वन संरक्षण और जल निकायों के पुनरुद्धार के महत्व को उजागर किया, जो इको-टूरिज्म और सतत विकास को मजबूत कर सकते हैं। जंगली जीवन संरक्षण के संदर्भ में उन्होंने तेलंगाना में बाघ अभयारण्य स्थापित करने के प्रस्ताव का उल्लेख किया, जिसमें मध्य प्रदेश से बाघों के स्थानांतरण का सुझाव है और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एमएएनए क्षेत्र में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को आकर्षित करने के लिए विशेष पहल की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि लागत लाभ और प्रतिभा क्षमता का उपयोग कर क्षेत्रीय विकास को संतुलित किया जा सके। संजीव देशपांडे, अध्यक्ष, सीआईआई अदिलाबाद जोनल काउंसिल ने अपने संबोधन में उद्योग जगत से अदिलाबाद के विकास के लिए निवेश आकर्षित करने, कनेक्टिविटी सुधारने, कौशल विकास और रोजगार सृजन में योगदान देने पर जोर दिया। उन्होंने अदिलाबाद की विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में असीम संभावनाओं को भी रेखांकित किया। संवादात्मक सत्र के दौरान, राजर्षि शाह, जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट, अदिलाबाद ने चल रहे और प्रस्तावित पहलों का उल्लेख किया, जिनमें 10,000 एकड़ का औद्योगिक पार्क , उत्तरी अदिलाबाद में सिंचाई अवसंरचना में सुधार, टेक्सटाइल और एमएसएमई गारमेंट पार्क के प्रस्ताव, आगामी आईटी टॉवर, और एमएएनए कॉरिडोर के तहत रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के प्रयास शामिल हैं। उन्होंने लाइमस्टोन और मैंगनीज आधारित उद्योगों में अवसरों को भी उजागर किया और नीति-सहायता के लिए सीआईआई के साथ सतत जुड़ाव की पुष्टि की।

पायल शंकर, सदस्य, तेलंगाना विधान सभा ने अपने संबोधन में सरकार के विकास फोकस को दोहराया, जिसमें प्रस्तावित अदिलाबाद हवाई अड्डा, हाईवे विस्तार (चार से छह लेन), रेल कनेक्टिविटी सुधार और जिले की भूमि बैंक का उपयोग कर उद्योग हब का निर्माण शामिल है।

मानसिक परेशानी के कारण युवक ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शादी न होने से मानसिक परेशानी के कारण एक युवक ने आत्महत्या कर ली। 30 साल का प्रवीण नाम का युवक अपने परिवार के साथ अत्तापुर इलाके में रहता है। प्रवीण पिछले कुछ दिनों से शादी न होने के कारण तनाव में था। इस बारे में परिवार वालों ने बताया कि उसने रविवार दोपहर बीस मंजिला इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मामला दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। युवक की मौत से परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। इसी तरह हाल ही में एक आईटी लड़की ने आत्महत्या कर ली थी। हैदराबाद के हुसैन सागर में विजयलक्ष्मी (26) नाम की एक युवती ने कूदकर आत्महत्या कर ली। कुकटपल्ली इलाके की रहने वाली युवती दो दिन पहले घर से यह कहकर निकली थी कि वह वापस आ जाएगी। जब वह वापस नहीं लौटी, तो परेशान परिवार वालों ने कुकटपल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। हालांकि, मंगलवार को हुसैन सागर में उसकी लाश मिली। पुलिस ने बताया कि वह कुछ समय से गंभीर तनाव से जूझ रही थी।

आध्यात्मिक माहौल में बाबा श्याम निशान रथ यात्रा निकली

पूरे रास्ते बरसती रही श्याम बाबा की कृपा, कन्हैया मित्तल के भजन पर झूमते रहे भक्त

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा श्याम (श्री कृष्ण) के भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी, यह मानते हुए फाल्गुनी एकादशी के मौके पर रविवार को हैदराबाद महानगर में हुई बाबा श्याम निशान (झंडा) रथ यात्रा ने पूरे शहर में निकाली गई। रथयात्रा ने भक्ति का ऐसा माहौल बनाया जो पहले कभी नहीं देखा गया और देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा आयोजित बाबा श्याम निशान (झंडा) रथ यात्रा हैदराबाद के चारमीनार से निकाली गई। महादेव मंदिर में रथ पर खास फूलों से सजे बाबा श्याम की आरती करने के बाद, सबसे पवित्र मानी जाने वाली बाबा श्याम निशान (झंडा) रथ यात्रा हजारों भक्तों के रथ खींचने और केसरिया, सफेद, लाल, पीले, नीले, आसमानी, हरे और गुलाबी रंग के झंडे लेकर शुरू हुई।

रथ यात्रा की शुरुआत आकर्षक जुलूस और दुनिया भर में मशहूर सिंगर कन्हैया मित्तल के भक्ति गीतों से हुई। चारमीनार महादेव मंदिर से काचीगुड़ा श्री श्याम बाबा मंदिर तक चली इस पैदल यात्रा का अलग-अलग रास्तों पर भक्तों ने फूलों की बारिश करके स्वागत किया। भक्तों ने सच्चे दिल से श्याम बाबा को याद किया, जय श्री श्याम के नारे लगाए, कीर्तन, श्लोक, डांसर ने भजनों की धुनों पर डांस किया, रंग और गुलाल उड़ाए, जिससे पूरा माहौल श्याम की भक्ति से भर गया।

बाबा श्याम के प्रति अपनी अटूट भक्ति और आस्था दिखाते हुए हजारों भक्तों ने काचीगुड़ा श्याम मंदिर में अपना निशान (झंडा) चढ़ाया।

इस मौके पर बाबा श्याम रथ शोभा यात्रा कमेटी के चेयरमैन इंद्रकरण अग्रवाल, वाइस-चेयरमैन रामदेव अग्रवाल और पुरुषोत्तम दास गोयल ने कहा कि भव्य तरीके से आयोजित बाबा श्याम रथ यात्रा में भक्तों का सैलाब भक्ति का एक अनोखा नजारा है, दुख और तकलीफें दूर होंगी और अटूट आस्था के साथ पैदल निशान यात्रा करने वाले भक्तों पर बाबा श्याम की खास कृपा होगी। उन्होंने कहा कि जैसे राजस्थान के खाटू धाम में बाबा श्याम रथ यात्रा का आयोजन किया गया, वैसे ही हैदराबाद में भी भक्तों ने इसे ऐतिहासिक आयोजन के तौर पर आयोजित किया।

इस यात्रा में चंद्रकांत डाकोतिया समिति के सलाहकार हैं। संयोजक अमित अग्रवाल, रामनिरंजन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नरसिंह जायसवाल, जीवन भाटी, अभिषेक शर्मा, सुशील अग्रवाल और गोविंद पोद्दार, श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत डाकोतिया, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार बड़ेगांववाले, सचिव इंद्रकरण अग्रवाल, संयुक्त सचिव रामदेव अग्रवाल, राजकुमार विग, कोषाध्यक्ष कपिल अग्रवाल और अन्य लोग शामिल हुए।

डॉ. एन. रमेसन स्मारक व्याख्यान एवं पुस्तक विमोचन आज

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार का सांस्कृतिक विरासत विभाग 9 फरवरी को डॉ. एन. रमेसन स्मारक व्याख्यान और पुस्तक विमोचन का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम भगवान महावीर सभागार, राज्य संग्रहालय, सार्वजनिक उद्यान, हैदराबाद में दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। स्मारक व्याख्यान का शीर्षक है 'स्वर्गीय डॉ. एन. रमेसन की स्मृतियाँ' , जिसका उद्देश्य डॉ. एन. रमेसन के जीवन, उनके विद्वतापूर्ण योगदान और तेलंगाना में सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र में उनके स्थायी योगदान को याद करना है।

इस अवसर पर उनके शैक्षिक यात्रा, पेशेवर उपलब्धियों और क्षेत्रीय पुरातत्व अनुसंधान एवं सांस्कृतिक संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में जयेश रंजन, विशेष मुख्य सचिव, युवा विकास, पर्यटन और संस्कृति विभाग, तेलंगाना सरकार, इस अवसर पर उपस्थित होंगे। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण डॉ. एन. एस. रामचंद्र मूर्ति, प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता एवं पूर्व निदेशक पुरातत्व विभाग, द्वारा स्मारक पुस्तक का विमोचन होगा। डॉ. मूर्ति मुख्य व्याख्यान भी देंगे, जिसमें वे डॉ. एन. रमेसन के साथ अपने व्यक्तिगत और पेशेवर अनुभव साझा करेंगे और उनकी विद्वत्तापूर्ण विरासत पर प्रकाश डालेंगे। डॉ. मूर्ति आंध्र–तेलंगाना क्षेत्र की पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहर पर किए गए अपने व्यापक उत्खनन और महत्वपूर्ण प्रकाशनों के लिए विख्यात हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अर्जुन राव कुंठाडी, निदेशक, सांस्कृतिक विरासत विभाग, तेलंगाना, करेंगे। इस अवसर पर प्रो. कुंठाडी ने कहा कि यह स्मारक व्याख्यान उन महान व्यक्तियों का सम्मान करने के विभागीय प्रयासों का हिस्सा है, जिन्होंने राज्य में सांस्कृतिक विरासत प्रबंधन और पुरातत्व अनुसंधान की नींव रखी। सांस्कृतिक विरासत विभाग, जिसकी स्थापना मूल रूप से 1914 में हुई थी, आज भी अनुसंधान, संरक्षण और जन सहभागिता के माध्यम से इस विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

यह कार्यक्रम विद्वानों, पुरातत्ववेत्ताओं, इतिहासकारों, सांस्कृतिक संरक्षण विशेषज्ञों, विद्यार्थियों और सांस्कृतिक रुचि रखने वाले लोगों को एकत्रित करेगा और तेलंगाना की समृद्ध पुरातात्विक परंपराओं और उन्हें संरक्षित करने वाले व्यक्तियों पर सार्थक विचार-विमर्श का मंच प्रदान करेगा। सभी विद्वान, सांस्कृतिक संरक्षण प्रेमी और आम जनता इस महत्वपूर्ण स्मारक कार्यक्रम में उपस्थित होकर डॉ. एन. रमेसन के पुरातत्व और सांस्कृतिक संरक्षण में स्थायी योगदान का सम्मान कर सकते हैं।

पंडित संघ के तत्वावधान में विशेष पूजा सेवाएँ आयोजित

तिरुपति , 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में पापा विनासनम मार्ग स्थित विशाल कल्याण वेदिका में पंडित संघ (पुजारी संघ) के माध्यम से तिरुपति तिरुमला देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए विभिन्न पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान और समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

ये सेवाएँ निर्धारित नाममात्र शुल्क पर प्रदान की जा रही हैं। शास्त्रों के अनुसार आयोजित होने वाले प्रमुख धार्मिक अनुष्ठानों में विवाह, उपनयन, सत्यनारायण व्रतम, नामकरण, अन्नप्राशन, अक्षराभ्यास, वाहन पूजा और अन्य अनुष्ठान शामिल हैं।

सीरवी समाज पारसीगुट्टा प्रीमियर लीग-1 का शुभारम्भ 14 को

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड मे सीरवी समाज पारसीगुट्टा तेलंगाना के तत्वावधान मे एसएसपीपीएल-1 क्रिकेट प्रतियगिता का भव्य शुभारम्भ शनिवार 14 फरवरी प्रातः 8 बजे किया जाएगा ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति मे खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़ ने बताया कि सीरवी समाज पारसीगुट्टा तेलंगाना द्वारा सीरवी समाज पारसीगुट्टा प्रीमियर लीग -1 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 15 फरवरी से 29 मार्च प्रत्येक रविवार सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड अलियाबाद एवं 22 यार्ड एरेना कुंदनपल्ली मे किया जाएगा । भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम शनिवार 14 फरवरी प्रातः 8बजे समाज बन्धुओंफ्ल एवं खिलाडियोंफ्ल द्वारा माताजी की आरती, मार्च पास्ट एवं गैर नृत्य के साथ आयोजित किया जाएगा । भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी । कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, सचिव चेलाराम भायल, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, पदाधिकारी, सदस्यगण, समाज बन्धु एवं खिलाड़ी सपरिवार उपस्थित रहेंगे । समाज बन्धुओंफ्ल से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम मे सपरिवार समय पर पधारकर खिलाड़ियोंफ्ल का हौसला बढाते हुए कार्यक्रम का लाभ लेवे ।

सेवानिवृत्ति भत्तों में देरी पर अनोखा विरोध

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने घर के बाहर लगाया बैनर

करीमनगर, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के खिलाफ विरोध के एक दुर्लभ तरीके के तहत एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी ने अपने आवास के बाहर फ्लेक्स बैनर लगाकर सत्ताधारी दल के नेताओं को घर में प्रवेश और वोट मांगने से रोक दिया। बैनर में स्पष्ट रूप से लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं को उनके घर में आने का कोई अधिकार नहीं है। यह विरोध निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग से सेवानिवृत्त बुर्रा सुधाकर गौड ने करीमनगर कस्बे के भगाथनगर स्थित अपने आवास पर दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि उनकी सेवानिवृत्ति के 23 महीने बीत जाने के बावजूद राज्य सरकार द्वारा अब तक सेवानिवृत्ति भत्तों का भुगतान नहीं किया गया है। इसी कारण उन्होंने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को अपने घर में प्रवेश देने से इनकार किया है।

नगरपालिका चुनावों को देखते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता उनके घर वोट मांगने आ रहे थे। इसी के विरोध में उन्होंने बैनर लगाया, जिसमें लिखा है कि यह एक सेवानिवृत्त कर्मचारी का घर है और कांग्रेस नेताओं को यहां वोट मांगने नहीं आना चाहिए, क्योंकि सरकार सेवानिवृत्ति लाभ देने में विफल रही है।

बुर्रा सुधाकर गौड ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भत्तों में देरी के कारण भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सत्ताधारी दल के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने बताया कि केवल वही नहीं, बल्कि राज्य में लगभग 20,500 सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने लाभों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघों के अनुसार आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए अब तक करीब 61 कर्मचारियों की मृत्यु हो चुकी है। सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण संघ की जिला इकाई ने भी सुधाकर गौड के इस विरोध को समर्थन देने की घोषणा की है।

चिकित्सा शिविर में 180 मरीजों का इलाज

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन, चारमीनार डिवीजन एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसी बाजार झूला शाखा के सहयोग से 160 वां निशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर गायत्री भवन में संपन्न हुआ।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा सामान्य जांच, हृदय रोग, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच आरबीएस की जांच की गई जिसमें ऑर्थो डॉ गायत्री एवं डॉ मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा, बीएमडी तकनीक अनिल, 2डी इको टेक अक्षिता, मार्केटिंग के उदय कुमार ने अपनी सेवा प्रदान की।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई अस्पताल, दोमलगुड़ा द्वारा 153 लोगों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई और 71 लोगों को निशुल्क चश्मे का वितरण किया गया और 6 लोगों के लिए मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव, के भास्कर ने अपनी सेवा प्रदान की। अवसर पर सामान्य जांच डॉ अखिल क्लिनिक पूरणदास रणछोडदास के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी द्वारा दी गई।

फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता द्वारा दी गई। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज, डॉ.एस.निशिल राज द्वारा की गई। शिविर में 180 से अधिक रोगियों ने लाभ लिया।

अवसर पर एसीपी चारमीनार पी चंद्रशेखर, सीआई हुसैनी आलम ए अंजनेयुलु,शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निखिल राणासरिया, स्थानीय भागीदार सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर समिति दक्षिण क्षेत्र, चारमीनार प्रभाग के महासचिव श्रीकिशन शर्मा, चारमीनार जोन अध्यक्ष के.ए.मोइज़, जुबली हिल्स जोन अध्यक्ष तेजू कुमारी, चारमीनार जोन के कार्यकारी अध्यक्ष रामा राजू, महासचिव सैयद एजाज कादरी, गोविंद जाजू, गोपाल दास, गोपाल लाल शर्मा, मुस्तफा, कपिल शर्मा, प्रवीण कुमार, चेतन मूंदड़ा, मनोज कुमार, शाहबाज खान, शेष कुमार गोयल, धीरज गुप्ता, पुरुषोत्तम अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा के अनिल कुमार धारसूवाला, मनोज मित्तल, अशोक कुमार, शशिकांत अग्रवाल, योगेंद्र कटारूका, शिव कुमार जखानीवाला, शर्मीला अग्रवाल, मीनू अग्रवाल, राधा अग्रवाल, महेश कनोडिया,स्वयंसेवक पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सुनैना नरसरिया, राधेश्याम बियानी, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव एवं पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

मेडचल स्थित श्री उमिया माता मंदिर में आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव में भाग लेने हेतु केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, पूर्व सांसद जितेन्द्र रेड्डी, शशिकांत अग्रवाल, शिखिर केडीया, महेन्द्र अग्रवाल, किन्नरी सावला, वैशाली शाह, कस्तुर देवचंद देढिया, दिपा पंकज देढिया आदि गणमान्यो को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, शिवलाल पटेल, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य।

पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट हैदराबाद, की स्थापना 1964 में इंटेलिजेंस ब्यूरो, गृह मंत्रालय के तहत की गई थी और बाद में 1973 में इसे बीपीआरएंडडी एमएचए के तहत लाया गया।

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स ने हाल ही में सीडीटीआई, हैदराबाद को आईएस आईएसओ21001: 2018 – एजुकेशनल ऑर्गनाइजेशन्स मैनेजमेंट सिस्टम के अनुसार लाइसेंस दिया है। इसके कार्यान्वयन के उचित सत्यापन के बाद, यह 5 दिसंबर 2025 से 4 दिसंबर 2028 तक तीन साल की अवधि के लिए वैध है। 06 फरवरी 2026 को, सीडीटीआई द्वारा श्रीलंकाई पुलिस, भारतीय अर्धसैनिक बलों और तेलंगाना पुलिस के अधिकारियों के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, बीआईएस ने औपचारिक रूप से लाइसेंस प्रदान करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। संदीप कुमार कनौजिया, उप महानिदेशक (दक्षिणी क्षेत्र), ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने ईओएमएस प्रमाण पत्र सलमान ताज पाटिल, आईपीएस, निदेशक, सीडीटीआई को प्रदान किया।

सभा को संबोधित करते हुए, संदीप कुमार कनौजिया ने प्रमाण पत्र मिलने पर सीडीटीआई को बधाई दी। उन्होंने भारतीय और श्रीलंकाई पुलिस के अधिकारियों को उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण देने में सीडीटीआई के सराहनीय प्रयासों की भी सराहना की, विशेष रूप से आपराधिक मामलों को प्रभावी ढंग से और कुशलता से संभालने की उनकी क्षमताओं को बढ़ाने में।

जी. वेंकटनारायणन, प्रबंधन प्रणाली समन्वय अधिकारी, दक्षिणी क्षेत्र, इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। के.के.वी. रेड्डी, आईपीएस, पुलिस उपाधीक्षक, ने सीडीटीआई , हैदराबाद में ईओएमएस की स्थापना और कार्यान्वयन के सफल समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन ए.वी.एल.एन. चारी, पुलिस उपाधीक्षक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

अग्नि-3 मिसाइल ...

सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सामरिक बल कमान (एसएफसी) के जवानों ने एक 'मोबाइल लॉन्चर' से लॉन्च किया। यह लॉन्च स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की निगरानी में हुआ, जो भारत की महत्वपूर्ण सैन्य ताकत का जिम्मा संभालती है।

अग्नि मिसाइल सिस्टम भारतीय रक्षा प्रणाली का एक प्रमुख हिस्सा है। इससे पहले भारत ने अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। भारत ने बीते वर्ष अपनी अत्याधुनिक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया था। यह परीक्षण देश की मिसाइल क्षमता में एक बड़ी कामयाबी थी। अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण भी ओडिशा के इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर से स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देखरेख में ही सम्पन्न हुआ था। अग्नि-5 मिसाइल की मार्गदर्शन प्रणाली, प्रणोदन, चरण विभाजन (स्टेज सेपरेशन), और अंतिम सटीकता (टर्मिनल एक्युरेसी) जैसे सभी पहलुओं को परखा और प्रमाणित किया गया था। अग्नि-5 की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो यह मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर से भी अधिक है। यानी यह मिसाइल इतनी दूरी तक के लक्ष्य भेदने में सक्षम है।

भागवत बोले- संघ...

आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में। संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। आरएसएस के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर करना पड़ा हो। संघ की कार्यप्रणाली में अंग्रेजी कभी मुख्य भाषा नहीं बनेगी, क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। जहां जरूरत होती है, वहां अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जाता है। हमें अंग्रेजी सीखनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

'यूनुस में सामना...

दोषी आतंकवादियों को जेल से रिहा किया है और हिंसा करने वालों को पूरी छूट दी है। हसीना ने कहा कि ये चुनाव लोकतंत्र का मजाक हैं। एक भी बांग्लादेशी के वोट के बगैर बनी (यूनुस) सरकार ने उस पार्टी (अवामी लीग) पर बैन लगा दिया है, जिसे लोगों ने 9 बार चुना है। उन्होंने यूनुस पर राजनीतिक विपक्ष को खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि स्वतंत्र लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जा रहा है। पुलिस उन सभी को गिरफ्तार कर रही है, जो नामांकन फॉर्म खरीदने की कोशिश करते हैं, जब तक वे बीएनपी या जमात के लोग न हों। मोहम्मद यूनुस पर सीधा हमला बोलते हुए अवामी लीग नेता ने कहा कि 'यूनुस बैलेट बॉक्स में हमारा सामना करने के बजाय हमें प्रतिबंधित करना ज्यादा पसंद करेंगे क्योंकि उन्हें पता है कि जब बांग्लादेशियों को असली चॉइस दी जाती है, तो वे हमें वोट देंगे।' हसीना ने कहा कि इस चुनाव से जो सरकार बनेगी उसे अथॉरिटी के संकट का सामना करना पड़ेगा। वह लोगों का प्रतिनिधित्व करने का दावा नहीं सकती।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विराट की टीम आरसीबी को खरीदने की तैयारी में

फेमस फुटबॉल क्लब के मालिक ने सौंपी सबसे ऊंची बोली

बेंगलुरु, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जब से आरसीबी ने साल 2025 की आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की है, उनकी ओनरशिप को लेकर दुनियाभर के बिजनेस टायकून की दिलचस्पी बढ़ी.डियाजियो कंपनी ने नवंबर में आरीसीबी को सेल पर लगा दिया. रिपोर्ट्स का दावा है कि अभी तक बोलियां लगाई गई हैं, जिसमें स्टेट ऑफ प्ले ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के को-ओनर एवराम ग्लेजर को उनके इंवेस्टमेंट व्हीकल, लैंसर कैपिटल के जरिए बोली लगाने वालों में से एक बताया है. अन्य जाने-माने नामों में भारतीय फार्मा टाइकून अदार पूनावाला का नाम भी शामिल है. अब तक मिली जानकारी के मुताबिक ग्लेजर की बोली 1.8 बिलियन डॉलर है.

कौन हैं अवरम ग्लेजर?

अमेरिकी अरबपति मैल्कम ग्लेजर के बेटे अवरम ग्लेजर मैनचेस्टर यूनाइटेड में एग्जीक्यूटिव को-चेयरमैन और डायरेक्टर हैं. वो रेड फुटबॉल लिमिटेड के बोर्ड में हैं और मैनचेस्टर यूनाइटेड लिमिटेड के को-चेयरमैन भी हैं. ग्लेजर इनोवेट कॉर्प के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन भी हैं. अपने करियर की शुरुआत में, उन्होंने जपाटा कॉर्पोरेशन में एक दशक से ज्यादा वक्त बिताया, पहले प्रेसिडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर और बाद में चेयरमैन के तौर पर. उन्होंने सेंट लुइस में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से बिजनेस की पढ़ाई पूरी की और बाद में अमेरिकन यूनिवर्सिटी के वाशिंगटन कॉलेज ऑफ लॉ से लॉ की डिग्री हासिल की.

क्रिकेट में दिलचस्पी

मैनचेस्टर यूनाइटेड और टैम्पा बे बकेनियर्स में अपनी ओनरशिप रोल के लिए जाने जाने वाले अवरम ग्लेजर चुपचाप क्रिकेट में भी अपनी मौजूदगी बना रहे हैं. मिरर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वो लैंसर कैपिटल के जरिए यूएई के ILT20 कॉम्पिटिशन में डेजर्ट वाइपर्स को कंट्रोल करते हैं और कई सालों से भारत में मौकों पर नजर रखे हुए हैं.

पिछली बार चूक गए थे

साल 2021 में आईपीएल एक्सपेंशन फ्रेंचाइजी, जो लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस को मिलीं, उन्हें हासिल करने से चूकने के बावजूद, ग्लेजर ने अपनी कोशिशें फिर से शुरू कर दी हैं और समझा जाता है कि वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ-साथ राजस्थान रॉयल्स के लिए भी बोली लगा रहे हैं. फोर्ब्स के मुताबिक अवरम ग्लेजर और उनके पांच भाई-बहनों ने 2023 में मैनचेस्टर यूनाइटेड में अपनी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी का 25% हिस्सा ब्रिटिश केमिकल्स टाइकून सर जिम रैटक्लिफ को बेचने पर सहमति जताई थी.

इस ट्रांजैक्शन से प्रीमियर लीग क्लब का वैल्यूएशन कर्ज के बाद तकरीबन 5.4 बिलियन डॉलर हो गया. यूनाइटेड को मूल रूप से ग्लेजर परिवार के मुखिया, शॉपिंग-सेंटर मैग्नेट मैल्कम ग्लेजर ने 2005 में 1.4 बिलियन डॉलर में खरीदा था. फोर्ब्स के मुताबिक, परिवार अभी भी एनएफएल के टैम्पा बे बकेनियर्स का मालिक है, ये फ्रेंचाइजी 1995 में 192 मिलियन डॉलर में खरीदी गई थी और अब कर्ज के बाद इसकी कीमत तकरीबन 5.2 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है.

भारत वर्ल्डकप का प्रबल दावेदार : इयान बिशप

टूर्नामेंट जीतने के लिए बॉलिंग यूनिट का मजबूत होना जरूरी

खेल डेस्क, 8 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज कमेंटेटर और इयान बिशप ने अहम बातें कही हैं। उनका मानना है कि इस वर्ल्ड कप में सिर्फ पावर-हिटिंग नहीं, बल्कि गेंदबाजी की गहराई भी असली अंतर पैदा करेगी।

ICC एक्सपर्ट बिशप के मुताबिक वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमें बल्लेबाजी में तो बेहद ताकतवर हैं, लेकिन खिताब जीतने के लिए बॉलिंग यूनिट का मजबूत होना जरूरी है।

पेसर्स को वैरिएशन पर भरोसा करना होगा

शुक्रवार को जियोस्टार मीडिया डे के दौरान दैनिक भास्कर के सवाल पर सबकॉन्टिनेंट की परिस्थितियों पर बात करते हुए

बिशप ने कहा, यहां तेज गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती छोटे मैदान और फ्लैट पिचें हैं। ऐसे में उन्हें यॉर्कर, स्लोअर बॉल, कटर और वैरिएशन पर भरोसा करना होगा। साथ ही कहा, बॉलर्स यहां ज्यादा रन खा सकते हैं, लेकिन आत्मविश्वास बनाए रखना बेहद जरूरी है।

टीम इंडिया प्रबल दावेदार

भारत को लेकर बिशप ने कहा, भारत सबसे प्रबल दावेदार है। वे मौजूदा चैंपियन हैं, अपनी शानदार फॉर्म के कारण वर्ल्ड की टॉप रैंकिंग वाली टीम हैं, उनके पास बेस्ट बैकअप टीम है। वर्ल्ड के टॉप स्पिनर हैं और जसप्रीत बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं, और वे अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं।

कमिंस-हेजलवुड की गैरमौजूदगी से नुकसान

ऑस्ट्रेलिया को लेकर इयान बिशप ने कहा, उनकी बल्लेबाजी में जबरदस्त छक्के लगाने की ताकत है और उन्हें कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे अहम गेंदबाजों की गैरमौजूदगी टीम के लिए कमजोरी बन सकती है, खासकर अगर पिच पर स्पिन या सीम को मदद मिले।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी अब नहीं खेल पाएंगे अंडर 19 वर्ल्ड कप, चौंकाने वाली है वजह

खेल डेस्क, 8 जनवरी (एजेंसियां)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रच दिया, जहां उन्होंने फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रन ठोककर भारत को छठा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई. वह भारत के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने फाइनल में शतक जड़ा. जिसके चलते वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया. वहीं, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी वैभव सूर्यवंशी रहे. वह ये दोनों अवॉर्ड एक साथ जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने. लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि वैभव अब अंडर-19 वर्ल्ड कप में दोबारा खेलते हुए नजर नहीं आएंगे.

वैभव सूर्यवंशी अब नहीं खेल पाएंगे अंडर19 वर्ल्ड कप

वैभव सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ है, यानी 2026 वर्ल्ड कप के दौरान वह सिर्फ 14 साल के थे. उम्र के लिहाज से वह 2030 वर्ल्ड कप तक एलिजिबल रह सकते थे.

लेकिन बीसीसीआई के एक सख्त नियम के चलते वह टूर्नामेंट में दोबारा नजर नहीं आएंगे. बीसीसीआई ने ये नियन 2016 में लागू किया गया था. बीसीसीआई की वर्किंग कमिटी ने फैसला लिया था कि जो खिलाड़ी एक बार भारत की ओर से अंडर-19 वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं, वह एज क्राइटेरिया पूरा करने के बावजूद किसी दूसरे एडिशन में हिस्सा नहीं ले सकते. साथ ही, अंडर 19 सिस्टम में एंट्री करने वाले खिलाड़ी ज्यादा ये ज्यादा दो सीजन ही अंडर 19 क्रिकेट खेल सकते हैं.

यह नियम खासकर ओवरएज खिलाड़ियों की समस्या को खत्म करने के लिए लाया गया था, जो भारतीय क्रिकेट में कई सालों से एक बड़ी चुनौती रही है. पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड ने भी 2015 में एज फ्रॉड को बड़ा मुद्दा बनाया था. इस नियम से पहले कई खिलाड़ी दो वर्ल्ड कप खेल चुके थे, जैसे रवींद्र जडेजा (2006 और 2008), विजय जोल (2012 और 2014), और 2016 स्क्वॉड के सदस्य अवेश खान, सरफराज खान और रिकी भुई (2014 में भी खेले थे).

अब कहां नजर आएंगे वैभव सूर्यवंशी?

वैभव सूर्यवंशी अब सीनियर लेवल पर फोकस करेंगे. जहां वह पहले से ही आईपीएल, घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए में चमक दिखा चुके हैं. वहीं, 15 साल की उम्र के बाद वह सीनियर टीम इंडिया का हिस्सा भी बन सकते हैं. बता दें, आईसीसी ने साल 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए न्यूनतम उम्र की पॉलिसी बनाई थी. इस पॉलिसी के मुताबिक, कोई भी खिलाड़ी जो इंटरनेशनल क्रिकेट में भाग लेना चाहता है, उसे कम से कम 15 साल का होना जरूरी है. ऐसे में वैभव इसी साल 27 मार्च को 15 साल के हो जाएंगे.

पहले सेट में 'बैगल' झेलने के बाद सुमित नागल ने की वापसी, लेकिन भारत 0-1 से पिछड़ा

बेंगलुरु, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल ने पहले सेट में बिना कोई गेम जीते (बैगल) झेलने के बाद शानदार वापसी की, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सके। डेविस कप क्वालिफायर्स के पहले राउंड के मुकाबले में नीदरलैंड के गाए डे ओडेन के खिलाफ शुरुआती एकल मैच हार गए। इसके साथ ही भारत मुकाबले में 0-1 से पीछे हो गया।

नागल को दो घंटे 28 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 0-6, 6-4, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। अब भारत को मुकाबले में वापसी दिलाने की जिम्मेदारी दक्षिणेश्वर सुरेश पर है जिन्हें नीदरलैंड के नंबर एक और विश्व रैंकिंग में 73 नंबर पर काबिज जेस्पर डे जोंग से होगा। पहले सेट में नागल पूरी तरह दबाव में नजर आए। डे ओडेन ने अपनी सर्विस पर सिर्फ एक अंक गंवाया और 38 मिनट में सेट

अपने नाम कर लिया। नीदरलैंड के खिलाड़ी ने शुरुआती गेम में बिना कोई अंक गंवाए सर्विस बरकरार की और तुरंत ही नागल पर दबाव बना दिया। 40-0 की बढ़त के बावजूद नागल ने दो डबल फॉल्ट और कई अनफोर्स्ड गलती करते हुए अपनी सर्विस गंवा दी।

नागल फिर लड़खड़ा गए। अगली सर्विस गेम में फोरहैंड की गलतियों के चलते कई ब्रेक पॉइंट दे बैठे। इससे नीदरलैंड खिलाड़ी को 4-0 की मजबूत बढ़त मिल गई। सेट में बने रहने के लिए सर्व करते हुए नागल ने एक सेट प्वाइंट बचाया, लेकिन अगला गंवा बैठे और घरेलू दर्शकों के सामने 0-6 से सेट हार गए। दूसरे सेट में नागल ने ज्यादा जुझारूपन दिखाया। उन्होंने शुरुआती सर्विस गेम बिना कोई अंक गंवाए जीता। सातवें गेम तक दोनों खिलाड़ी सर्विस बचाते रहे। तीन ब्रेक प्वॉइंट गंवाने के बाद नागल ने चौथे मौके का फायदा उठाया। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाया। इस बढ़त से उत्साहित नागल ने बिना कोई अंक गंवाए सर्व करते हुए 5-3 की बढ़त बनाई और आसानी से सेट जीतकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक तीसरा सेट बेहद रोमांचक रहा। दूसरे गेम में नेट की ओर तेजी से बढ़ते हुए फोरहैंड वॉली चूकने पर नागल सर्विस गंवा बैठे। बाद में उन्हें पांच ब्रेक प्वाइंट मिले जिनमें से एक को भुनाकर वे मुकाबले में बने रहे। लेकिन निर्णायक क्षणों में डे ओडेन ने फिर बढ़त बना ली। फिर नीदरलैंड को निर्णायक ब्रेक मिला और नागल के बैकहैंड वॉली नेट पर मारने से इसे जीत लिया। इसके बाद डे ओडेन ने सर्व करते हुए मैच जीत लिया और नीदरलैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। इस मुकाबले का विजेता सितंबर में होने वाले क्वालीफायर्स के दूसरे राउंड में पहुंचेगा जबकि हारने वाली टीम विश्व ग्रुप एक में खेलेगी।

इलावेनिल ने एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता

शाम्भवी ने बनाया एशियाई जूनियर रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। ओलंपियन इलावेनिल वलारिवन ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए जापान की मिसाकी नोबाटा की कड़ी चुनौती को पछाड़कर एशियन चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में मेघना सज्जनर ने कांस्य पदक हासिल किया। इलावेनिल, आर्या बोर्से और मेघना सज्जनर की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर कर्णी सिंह परिसर में भारत की महिला राइफल निशानेबाजों के लिए दिन को यादगार बना दिया।

शाम्भवी ने भी जीता सोना

शाम्भवी क्षीरसागर ने जूनियर महिला 10 मीटर एयर राइफल में एशियाई जूनियर फाइनल्स रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। भारत ने इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया, जहां मान्यता सिंह और अनीशा शर्मा ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। इस भारतीय तिकड़ी ने कजाखस्तान को पीछे छोड़ते हुए टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। महिला सीनियर फाइनल में इलावेनिल पांच-पांच निशाने की शुरुआती दो सीरीज के बाद पांचवें स्थान पर थीं, लेकिन उन्होंने धीरे-धीरे वापसी करते हुए 18वें निशाने तक बढ़त बना ली। उन्होंने अंत तक धैर्य बनाए रखा और 252.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मिसाकी नोबाटा (251.5) को रजत और मेघना (229.5) को कांस्य मिला।

आर्या बोर्से 18वें शॉट तक पदक की दौड़ में थीं, लेकिन 9.8 के कम स्कोर के बाद वह बाहर हो गईं। मिसाकी ने अंतिम चरण में लगातार दो 10.8 के निशाने के साथ अपना अभियान पूरा किया, लेकिन इलावेनिल ने एलिमिनेशन चरण में 10.9 सहित उच्च स्कोर वाले निशाने लगाकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया। इलावेनिल, आर्या और मेघना ने टीम स्पर्धा में 1892.6 के संयुक्त स्कोर के साथ स्वर्ण जीता। जापान (1879.7) और कजाखस्तान (1875.6) को क्रमशः रजत और कांस्य मिला। जूनियर महिला फाइनल में शाम्भवी क्षीरसागर ने 253.7 का शानदार स्कोर कर नया एशियन जूनियर रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2024 में जकार्ता में ईशा अनिल टकसाले द्वारा बनाए गए 253.1 के रिकॉर्ड को तोड़ा। मान्यता सिंह (249.7) चार अंकों से पीछे रहीं, जबकि अनीशा शर्मा ने 227.5 के साथ कांस्य जीता।

दिन की शुरुआत में भारत ने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी क्लीन स्वीप किया। 10 मीटर एयर पिस्टल पूर्व विश्व नंबर एक सौरभ चौधरी ने स्वर्ण, जबकि कमलजीत चौधरी और मौजूदा विश्व चैंपियन रविंदर सिंह ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। युवाओं की श्रेणी में योगेश कुमार ने भी स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदक खाते में इजाफा किया।

विवादों में है शीतकालीन ओलंपिक का उद्घाटन समारोह?

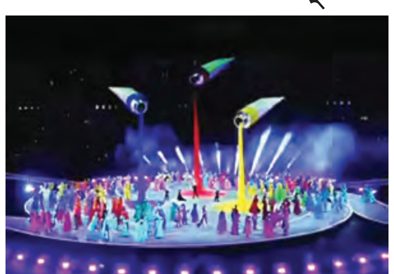

मिलान, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मिलानो कोर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक का उद्घाटन समारोह विवादों में घिर गया है। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं जिसने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। इन खेलों की शुरुआत सात फरवरी को हुई और इसका आगाज भव्य उद्घाटन समारोह के जरिये हुआ, लेकिन सोशल मीडिया पर इस समारोह की आलोचना हो रही है। इस कार्यक्रम में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा भी शामिल थीं।

उद्घाटन समारोह के अंत में ओलंपिक कैल्ड्रॉन (जिसे इटालियन स्कीयर सोफिया गोगिया ने जलाया) को कुछ यूजर्स ने अप्स-डाउन पेंटाग्राम (उल्टा तारा) के रूप में देखा जो सैटेनिज्म (शैतान) का प्रतीक माना जाता है। कई यूजर्स ने आयोजकों पर शैतानी प्रतीकों को प्रदर्शित करने का आरोप लगाया है। समारोह के कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अभी तक इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

उद्घाटन समारोह मिलान और कोर्टिना डी'एम्पेजो में आयोजित किया गया, जबकि मुख्य कार्यक्रम सैन सिरो स्टेडियम में हुआ। कुछ ही देर में समारोह के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। यूजर्स ने आयोजकों की जमकर आलोचना की और कहा कि उन्हें बिल्कुल अंत में एक अप्स-डाउन पेंटाग्राम दिखाई दे रहा था।

शीतकालीन ओलंपिक एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है, जो हर चार साल में बर्फ और हिम पर खेले जाने वाले खेलों के लिए आयोजित की जाती है। इसकी शुरुआत 1924 में फ्रांस के शैमॉनिक्स से हुई थी। इसमें स्कीइंग, आइस हॉकी, फिगर स्केटिंग और स्नोबोर्डिंग जैसे रोमांचक खेल शामिल होते हैं। इस बार 'स्की माउंटेनियरिंग' को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया है।

टी-20 वर्ल्डकप- न्यूजीलैंड ने अपना सबसे बड़ा स्कोर चेज किया

अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

चेन्नई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने जीत के साथ टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टीम ने ग्रुप डी के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 183 रन का टारगेट 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा टारगेट चेज रहा। इससे पहले कीवी टीम ने 2021 में अबू धाबी में इंग्लैंड के खिलाफ 167 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था।

टीम के लिए ओपनर टिम साइफर्ट (65) ने अर्धशतक लगाया। उनके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 42, मार्क चापमन ने 28 और डेरिल मिचेल ने नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए मुजिब उर रहमान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

इससे पहले, अफगानिस्तान के लिए गुलबदीन नाईब (63) ने अर्धशतक लगाया। सेदिकुल्लाह अटल ने 29, रहमानुल्लाह गुरबाज ने 27 और दारविश रसूली ने 20 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने 2 विकेट झटके। मैट हेनरी, रचिन रवींद्र और जैकब डफी को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

न्यूजीलैंडः फिन एलन, टिम साइफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिचेल, मार्क चापमन, मिचेल सैंटनर (कप्तान), जेम्स नीशम, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी।

अफगानिस्तानः रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दारविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाईब, राशिद खान (कप्तान), फजलहक फारूकी, जियाउर रहमान और

तेजस्विन शंकर एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में पहले दिन शीर्ष पर

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन शंकर ने 12वीं एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन स्पर्धा के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान के साथ अपनी पकड़ मजबूत बना ली है। चार स्पर्धाओं के बाद 27 साल का यह खिलाड़ी कुल 3513 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। चीन के जिहुई हुआ 3241 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

तेजस्विन डेकाथलॉन के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्होंने दिन की शुरुआत 60 मीटर दौड़ में 7.11 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए 844 अंक हासिल किए। उन्होंने 7.53 मीटर की छलांग के साथ लंबी कूद स्पर्धा से 942 अंक जोड़े। इसके बाद गोला फेंक में 13.63 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से उन्हें 706 अंक मिले। दिन की चौथी और अंतिम स्पर्धा ऊंची कूद में तेजस्विन ने 2.23 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 1021 अंक हासिल कर तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

हेप्टाथलॉन की शेष तीन स्पर्धाएं (60 मीटर बाधा दौड़, पोल वॉल्ट और 1000 मीटर) रविवार को अंतिम दिन आयोजित होंगी। महिलाओं की 60 मीटर दौड़ में भारत की नित्या गांधी ने 7.49 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ सातवां स्थान हासिल किया। इससे पहले हीट में उन्होंने 7.50 सेकेंड का समय निकालकर फाइनल में प्रवेश किया था। अंतिम दिन पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में भारत के दो दिग्गज खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल मैदान में उतरेंगे। एशियाई खेलों की पदक विजेता एंसी सोजन महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी।

इंग्लैंड ने नेपाल को 4 रन से हराया

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए इंग्लैंड को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। वानखेड़े स्टेडियम में हुए ग्रुप सी के मैच में इंग्लैंड ने नेपाल पर 4 रनों से जीत हासिल की। पहले खेलते हुए इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 184 रन बनाए। नेपाल की टीम मैच को आखिरी गेंद तक ले गई लेकिन उसे 4 रनों से हार मिली। सैम करन ने आखिरी ओवर में 10 रन डिफेंड कर लिया।

टॉस जीतने के बाद पहले खेलने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। 5 के स्कोर पर पहला झटका फिल साल्ट के रूप में लगा। जोस बटलर और जैकब बेथेल ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी कर स्कोर को 43 तक ले गए। बटलर 17 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए। टॉम बैंटन सिर्फ दो रन ही बना सके। 57 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड को बेथेल और कप्तान हैरी ब्रूक ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। बेथेल ने अर्धशतक लगाया। वह 35 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए।

हैरी ब्रूक ने भी अर्धशतक लगाया। ब्रूक ने 32 गेंद पर 3 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विल जैक्स ने फिनिशर की भूमिका बेहतरीन तरीके से निभाई और 18 गेंदों पर 4 छक्कों और 1 चौके की मदद से नाबाद 39 रन बनाकर टीम का स्कोर 7 विकेट पर 184 तक पहुंचाया।

एफएसएल अग्निकांड के बाद फैल रही अफवाहें निराधार: शिखा गोयल

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की निदेशक शिखा गोयल ने एफएसएल में हुई आग की घटना के बाद गलत जानकारी फैलाए जाने पर चिंता व्यक्त की है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह 10:08 बजे आग लगी थी, जिसे दमकल विभाग ने दोपहर 1:30 बजे तक काबू में कर लिया। इस घटना में प्रयोगशाला, प्रशिक्षण कक्ष, पुस्तकालय और एचआरडी कक्ष प्रभावित हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आग लगने की शिकायत पुलिस में दर्ज करा दी गई है और कारणों की जांच जारी है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। शिखा गोयल ने यह भी खारिज किया कि आग में किसी महत्वपूर्ण मामले का सबूत नष्ट हुआ है। उन्होंने बताया कि संबंधित मामलों के सबूत पहले ही अदालत में पेश किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 तक सुरक्षित रखे गए 136 साक्ष्यों में से 129 साक्ष्य पहले ही न्यायालय को सौंपे जा चुके हैं, शेष भी सुरक्षित हैं।

आग की घटना पर निष्पक्ष जांच की मांग: भाजपा

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) में हुई आग की घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। भद्राद्री कोत्तागुडेम में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एफएसएल की आग को सामान्य हादसा मानकर नहीं टाला जा सकता। उन्होंने आशंका जताई कि यहां कई अहम मामलों से जुड़े हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव, डीएनए रिपोर्ट और डिजिटल साक्ष्य रखे गए थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि यह घटना फोन टैपिंग मामले की जांच को प्रभावित करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार इस जांच को दो वर्षों से टाल रही है और अब तक किसी भी दोषी को नहीं पकड़ा गया है। उन्होंने बीआरएस और कांग्रेस पर आपसी मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों दल अपनी विफलताओं और भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए भाजपा पर निराधार आरोप लगा रहे हैं।

हैदराबाद सिटी पुलिस के 1,446 कर्मियों को सम्मान

'एक्स्ट्रा माइल अवॉर्ड' की ऐतिहासिक शुरुआत

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट कार्य के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस के 1,446 पुलिस कर्मियों को रविवार को सम्मानित किया गया। सिटी पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने पुलिस विभाग में पहली बार शुरू किए गए 'एक्स्ट्रा माइल अवॉर्ड' और 'गुड वर्क डन रिवाड्र्स' प्रदान किए। सम्मान समारोह का आयोजन तेलंगाना स्टेट इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर , बंजारा हिल्स में किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न रैंक के पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सभी पुरस्कार प्राप्त करने वालों को बधाई दी और कहा कि पुलिसिंग केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से आह्वान किया कि वे नियमित कर्तव्यों से आगे बढ़कर जवाबदेही, नवाचार और मानवीय दृष्टिकोण के साथ जनता से व्यवहार करें। उन्होंने कहा, सफलता का सही पैमाना केवल कार्य पूरा करना नहीं, बल्कि पीड़ितों को दिया गया भरोसा और सुरक्षा की भावना है। जब पुलिसकर्मी कर्तव्य से आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाते हैं, तो जनता का विश्वास और मजबूत होता है। 'एक्स्ट्रा माइल' पहल की जानकारी देते हुए आयुक्त ने बताया कि इसका उद्देश्य उन पुलिसकर्मियों की पहचान और सम्मान करना है, जो अपने निर्धारित दायित्वों से बढ़कर असाधारण सेवा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल पुलिस बल को प्रेरित करेगी और अन्य कर्मियों को भी अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

मानवीय मूल्यों की अहमियत पर जोर देते हुए श्री सज्जनार ने कहा कि तकनीक में भले ही काफी प्रगति हुई हो, लेकिन ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने होम गार्ड से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरे पुलिस बल के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। आयुक्त ने यह भी घोषणा की कि यह सम्मान प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। हर माह ज़ोन स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एसएचओ, एसआई और कांस्टेबलों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

ये पुरस्कार पिछले वित्तीय वर्ष की दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही के प्रदर्शन के आधार पर तय किए गए। एक्स्ट्रा माइल अवॉर्ड पाने वालों में 271 पुलिसकर्मी, गुड वर्क डन रिवाड्र्स पाने वालों में 1,175 पुलिसकर्मी शामिल है। पुरस्कार पाने वालों में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, एसीपी, निरीक्षक, सब-इंस्पेक्टर, एएसआई, हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल, होम गार्ड, मंत्रीस्तरीय कर्मचारी और लोक अभियोजक शामिल हैं। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवासुलु, संयुक्त पुलिस आयुक्त एन. श्वेता सहित डीसीपी एस. चैतन्य कुमार, के. शिल्पावल्ली, वी. अरविंद बाबू, लावण्या नाइक जाधव, के. वेंकट लक्ष्मी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नशामुक्त भारत के संदेश के साथ 'हरे कृष्ण रन 2026' का आयोजन

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इस्कॉन हैदराबाद द्वारा रविवार को संजेवैया चिल्ड्रन पार्क, नेकलेस रोड पर 'हरे कृष्ण रन 2026' का आयोजन किया गया। इस दौड़ में 3,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और नशामुक्त भारत के संदेश को समर्थन दिया। यह रन तीन श्रेणियों 10 किलोमीटर हरिनाम रन, 5 किलोमीटर भक्ति रन और 3 किलोमीटर संकीर्तन वॉक में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशा और डिजिटल लत के खिलाफ़ जनजागरूकता फैलाना था। दौड़ का उद्घाटन तेलंगाना सरकार के उद्योग निदेशक निखिल चक्रवर्ती, डॉ. शिरीष कुमार चव्हाण, और इस्कॉन के आध्यात्मिक नेताओं द्वारा किया गया। समापन समारोह में एमएलसी अद्दांकी दयाकर भी उपस्थित रहे। दौड़ का समापन हरिनाम संकीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजकों ने इसे केवल दौड़ नहीं, बल्कि स्वस्थ और जागरूक जीवन की ओर एक आंदोलन बताया।

महिला कल्याण व विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता: मेयर

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं के कल्याण और समग्र विकास को राज्य सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। यह बात हैदराबाद की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कल्याणकारी और विकासात्मक योजनाएं प्रभावी रूप से लागू कर रही है।

रविवार को खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के बंजारा हिल्स डिविजन में स्थित रोड नंबर–10 पर 29 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित महिला भवन के प्रथम तल का मेयर ने स्थानीय विधायक दानम नागेंद्र के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

इसके पश्चात श्रीराम नगर में 2 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित मल्टी पर्पज़ अत्याधुनिक सामुदायिक भवन का भी उद्घाटन किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, इस आधुनिक सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने विशेष पहल की।

इस अवसर पर मेयर ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से राज्य सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम महिलाओं के कल्याण हेतु विशेष प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से सरकार द्वारा कई विकास कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

कुख्यात राउडी शीटर अयूब खान पर धोखाधड़ी व धमकी का मामला दर्ज

अयूब खान के खिलाफ पहले से 79 आपराधिक मामले

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शाहअलीबंडा थाना क्षेत्र में कुख्यात राउडी शीटर अयूब खान तथा उसके सहयोगी मोहम्मद फारूक , निवासी कुम्मरवाड़ी के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

इस संबंध में थाना शाहअलीबंडा में अपराध संख्या 47/2026 पंजीकृत किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता को वर्ष 2024 में व्यापारिक साझेदारी का झांसा देकर आरोपियों ने उससे 4 लाख 70 हजार रुपये का निवेश करवाया। आरोप है कि बाद में आरोपियों ने मुनाफे की राशि हड़प ली। इसके बाद कर्ज चुकाने के बहाने शिकायतकर्ता से लगभग 6 तोला सोने के आभूषण भी ले लिए गए, जिन्हें गिरवी रख दिया गया और वापस नहीं किया गया। शिकायत में यह भी बताया गया है कि जनवरी 2025 में जब पीड़ित ने अपने पैसे और आभूषणों की मांग की, तो राउडी शीटर अयूब खान ने बीच में आकर उसे जान से मारने की धमकी दी और पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। भय के कारण शिकायतकर्ता उस समय सामने नहीं आ सका और अब हिम्मत जुटाकर पुलिस से शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक, अयूब खान एक कुख्यात राउडी शीटर है, जिसके खिलाफ पहले से 79 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमें गठित की गई हैं। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए डीसीपी चारमीनार ज़ोन किरण खरे ने स्पष्ट किया कि चारमीनार ज़ोन में राउडीवाद, धमकी, जबरन वसूली और संगठित अपराध के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भय या प्रभाव का दुरुपयोग करने वाले राउडी शीटरों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जनता से अपील की है कि अयूब खान की लोकेशन या गतिविधियों से संबंधित कोई भी विश्वसनीय जानकारी शाहअलीबंडा थाना पुलिस को दें। सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने का आह्वानः वाम दल

12 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा प्रस्तावित हड़ताल

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाम दलों ने 12 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। यह हड़ताल केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लाए गए चार श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग को लेकर की जा रही है, जिन्हें श्रमिक-विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक बताया गया है। वाम दलों ने बिजली संशोधन अधिनियम 2025, वीबीजी–रामजी अधिनियम, बीज संशोधन विधेयक तथा एलआईसी में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति जैसी जनविरोधी नीतियों को भी वापस लेने की मांग की है।

झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर छापा

73 प्रकार की अवैध दवाएं जब्त

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने करीमनगर ज़िले के गंगाधरा मंडल स्थित गट्टुबुतकुर गांव में एक झोलाछाप (अयोग्य) चिकित्सक के क्लिनिक पर छापा मारकर बिना लाइसेंस बेची जा रही दवाओं का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान लगभग 27,879 रुपये मूल्य की दवाएं जब्त की गईं।

महानिदेशक, ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन, तेलंगाना , शहनवाज़ क़ासिम ने बताया कि मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीसीए अधिकारियों ने हिमा बिंदु फर्स्ट एड सेंटर पर छापा मारा। यह क्लिनिक वेमुला साई कृष्णा नामक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो बिना किसी वैध चिकित्सकीय योग्यता के इलाज कर रहा था। छापे के दौरान अधिकारियों ने 73 प्रकार की दवाएं बरामद कीं, जिनमें 19 प्रकार के फिजिशियन सैंपल, एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, दर्द निवारक, उच्च रक्तचाप और अल्सर की दवाएं शामिल हैं। ये सभी दवाएं बिना वैध ड्रग लाइसेंस के क्लिनिक में रखी गई थीं। अधिकारियों को क्लिनिक से उच्च श्रेणी की एंटीबायोटिक्स जैसे सेफोटैक्सिम, सेफपोडॉक्सिम और सेफिक्सिम भी मिलीं। डीसीए ने चेतावनी दी कि अयोग्य व्यक्तियों द्वारा एंटीबायोटिक्स की अनियंत्रित बिक्री से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, क्लिनिक में स्टेरॉयड दवाओं की मौजूदगी भी पाई गई। अधिकारियों के अनुसार, स्टेरॉयड का दुरुपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी, हार्मोन असंतुलन, हड्डियों व मांसपेशियों की कमजोरी, हृदय रोग तथा मानसिक दुष्प्रभाव पैदा कर सकता है। यह कार्रवाई एस. उमरानी, ड्रग्स इंस्पेक्टर, करीमनगर द्वारा के. दास, सहायक निदेशक, करीमनगर की निगरानी में की गई। दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और मामले की आगे जांच जारी है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। औषधि नियंत्रण प्रशासन ने थोक विक्रेताओं और दवा आपूर्तिकर्ताओं को सख्त चेतावनी दी है कि यदि वे झोलाछाप डॉक्टरों, अयोग्य व्यक्तियों या बिना लाइसेंस वाली दुकानों को दवाएं सप्लाई करते पाए गए, तो उनके खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डीसीए ने स्पष्ट किया कि दवाओं का भंडारण और बिक्री बिना वैध लाइसेंस के करना अपराध है, जिसके लिए पांच वर्ष तक की कैद का प्रावधान है। सभी थोक विक्रेताओं को निर्देश दिया गया है कि वे दवाओं की आपूर्ति से पहले संबंधित प्रतिष्ठान के वैध ड्रग लाइसेंस की जांच करें और उसका रिकॉर्ड रखें।

ढाई साल में सरकार ने कोई ठोस काम नहीं किया : पूर्व मंत्री

पुरुषों से दोगुना किराया वसूला जा रहा है : हरीश राव

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और विधानसभा के उप नेता हरीश राव ने सदाशिवपेट में रेवंत रेड्डी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ढाई साल में सरकार ने कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा दी गई, लेकिन पुरुषों से दोगुना किराया वसूला जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ने ऐसा कौन सा काम किया है जिसके आधार पर वह वोट मांग रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 4,000 पेंशन नहीं दी और प्रत्येक व्यक्ति पर सरकार का 52,000 बकाया है। उन्होंने बुजुर्गों से यह राशि मांगने की अपील की। हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में सदाशिवपेट और संगारेड्डी में अच्छे अस्पताल बनाए गए। बच्चे के जन्म पर 13 हजार रुपए की सहायता दी जाती थी और मां-बच्चे को एंबुलेंस से सुरक्षित घर छोड़ा जाता था। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने पेयजल समस्या का समाधान किया और कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत बेटियों की शादी के लिए 1 लाख रुपए दिए गए। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस द्वारा वादा किया गया एक तोला सोना अब तक किसी को मिला है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता पैसे बांटकर लोगों से कसम खिलवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 50-बिस्तरों वाला अस्पताल, नया बस स्टैंड और 250 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए गए। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भेड़ वितरण, मछली वितरण, केसीआर किट और शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाएं बंद कर दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सभी वर्गों बीसी, एससी, एसटी, छात्र, कर्मचारी और महिलाओं को धोखा दे रहे हैं।

पूर्व बीआरएस सरकार ने वित्तीय कुप्रबंधन किया : मंत्री

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खनन मंत्री गद्दम विवेक वेंकटस्वामी ने पूर्व बीआरएस सरकार पर गंभीर वित्तीय कुप्रबंधन और जनता की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जनता आज जिन कठिनाइयों का सामना कर रही है, वह पिछली सरकार की नाकामियों का परिणाम है। रविवार को दुब्बाका में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने राज्य पर लगभग 8 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज लाद दिया, लेकिन आम जनता को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दीं। उन्होंने मल्लन्ना सागर परियोजना से विस्थापित परिवारों के हालिया आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पिछली सरकार के दौरान किसानों और विस्थापितों के साथ हुए अन्याय को उजागर करता है। मंत्री ने आरोप लगाया कि डबल बेडरूम आवास योजना के लाभार्थियों को बिना स्वामित्व दस्तावेज दिए घर बनाए गए, जिससे हजारों परिवार आज भी असमंजस में हैं।

उन्होंने स्थानीय विधायक पर भी जनता की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने आश्वासन दिया कि यदि नगर पालिका में कांग्रेस को मजबूत किया गया तो 100 दिनों के भीतर स्वामित्व पत्र जारी किए जाएंगे और डबल बेडरूम कॉलोनियों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

सप्तशक्ति संगम महिलाओं की शक्तियों को जागृत करने में उपयोगी: न्यायमूर्ति माधवी देवी

श्री सरस्वती विद्यापीठम का सप्तशक्ति संगम समापन

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति माधवी देवी ने कहा कि सप्तशक्ति संगम महिलाओं के भीतर निहित सात शक्तियों को जागृत करने में अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि श्री सरस्वती विद्यापीठम के माध्यम से पूरे तेलंगाना में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सप्तशक्ति संगम आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं में इन शक्तियों का जागरण केवल श्री सरस्वती शिशु मंदिरों के माध्यम से ही संभव है। श्री सरस्वती विद्यापीठम द्वारा आयोजित सप्तशक्ति संगम का समापन कार्यक्रम नारायणगुड़ा स्थित केशव मेमोरियल पटेल हॉल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर न्यायमूर्ति माधवी देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं को पूर्ण रूप से सशक्त बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाहरी सुंदरता के साथ-साथ आंतरिक सुंदरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय संस्कृति और पारिवारिक व्यवस्था व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है और यह संस्कार परिवार के बुजुर्गों के माध्यम से और अधिक विकसित होते हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे परिवार का स्वास्थ्य और कल्याण महिलाओं पर निर्भर करता है तथा घर की रसोई ही वास्तविक स्वास्थ्य केंद्र है। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में पुरुष और महिलाएं दोनों काम कर रहे हैं, लेकिन नौकरी ही सब कुछ नहीं है, समाज और परिवार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।न्यायमूर्ति माधवी देवी ने देश की आधी आबादी महिलाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं ऐसा वातावरण तैयार करती हैं, जिसमें परिवार के सभी सदस्य समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब पुरुष और महिलाएं समान रूप से प्रबुद्ध होकर सोचेंगे, तभी समाज सुचारु रूप से चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि वे स्वयं सरस्वती शिशु मंदिर की पूर्व छात्रा रही हैं और सप्तशक्ति संगम के माध्यम से अनेक महिलाएं जागरूक होकर सशक्त भारतीय नारी के रूप में विकसित हो रही हैं।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, राष्ट्र सेविका समिति की क्षेत्रीय सचिव श्रीपदा राधा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद के दर्शन को नारी शक्ति से जोड़ते हुए संबोधित किया।

ट्रैफिक पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट का खुलासा किया, आरोपी गिरफ्तार

शिकायतकर्ता के नाम 23 गलत ट्रैफिक चालान हुए

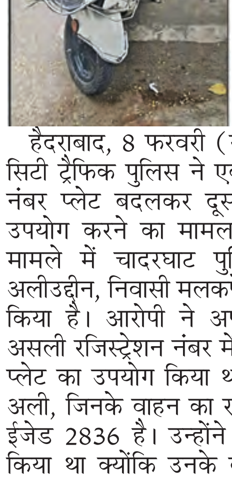

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी ट्रैफिक पुलिस ने एक व्यक्ति द्वारा वाहन की नंबर प्लेट बदलकर दूसरी रजिस्ट्रेशन नंबर का उपयोग करने का मामला उजागर किया है। इस मामले में चादरघाट पुलिस ने आरोपी, सैयद अलीउद्दीन, निवासी मलकपेट, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी दोपहिया वाहन की असली रजिस्ट्रेशन नंबर में छेड़छाड़ कर फर्जी नंबर प्लेट का उपयोग किया था। शिकायतकर्ता, फहीम अली, जिनके वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर टीएस 11 ईजेड 2836 है। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस से संपर्क किया था क्योंकि उनके वाहन के खिलाफ अवैध ट्रैफिक चालान बन रहे थे। जांच में पाया गया कि आरोपी ने अपने वाहन का नंबर टीएस 11 ईजेड 2936 से बदलकर टीएस 11 ईजेड 2836 कर दिया था, जिससे ट्रैफिक अधिकारियों को भ्रमित किया जा सके।

जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी और छेड़ी गई नंबर प्लेट का उपयोग करते हुए आरोपी ने कई ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया, जिसके कारण शिकायतकर्ता के नाम 23 गलत ट्रैफिक चालान बन गए। इस आधार पर FIR संख्या 48/2026 चदरग़ाट पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 319(2) और 318(4) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 158 और 177 के तहत दर्ज की गई है। मामले की आगे की जांच जारी है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने जनता को चेताया है कि फर्जी या छेड़ी गई नंबर प्लेट का उपयोग गंभीर अपराध है और इसके लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक)हैदराबाद सिटी, डी. जोएल डेविस ने कहा कि उनके पास सीसीटीवी निगरानी और एएनपीआर कैमरों जैसी अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली है, जिससे फर्जी या छेड़ी गई नंबर प्लेट वाले वाहनों का पता लगाया जा सकता है और उनका पता लगाने में मदद मिलती है।

फॉरेंसिक लैब आग हादसे की व्यापक जांच की मांग: सीपीएम

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के तेलंगाना राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने कहा कि हैदराबाद स्थित राज्य फॉरेंसिक प्रयोगशाला के कार्यालय में शनिवार को लगी आग कई संदेहों को जन्म दे रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना की व्यापक जांच की मांग सीपीआई(एम) तेलंगाना राज्य समिति की ओर से की जा रही है।

एक बयान में उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार इस अनुभाग में राज्य के कई सनसनीखेज मामलों जैसे फोन टैपिंग मामला, नयेम़ केस, भूमि घोटाले, कैश-फॉर-वोट मामला और अन्य राजनीतिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का डिजिटल साक्ष्य संग्रहीत था। उन्होंने कहा कि इन मामलों की जांच निर्णायक चरण में होने के दौरान आग लगना गंभीर संदेह पैदा करता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence / Fax / RNI No. (overprinted, partly illegible), Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.